हिंदी दैनिक
कोयलांचल संवाद
www.ksnewsupdates.com | धनबाद, बुधवार 01 अप्रैल, 2026, वर्ष : 35 अंक : 08, मूल्य : 3 रुपए | धनबाद एवं रांची से एक साथ प्रकाशित
YouTube Subscribe Koylanchal sambad news

संक्षिप्त खबरें

बिजली की नयी दर लागू, 40 फीसदी तक बढ़ा टैरिफ, कृषि उपभोक्ताओं को राहत

नया टैरिफ आज से होगा लागू

रांची। झारखंड राज्य विद्युत नियामक आयोग ने दामोदर वैली कॉरपोरेशन (डीवीसी) के लिए वित्तीय वर्ष 2026-27 को लेकर नया खुदरा टैरिफ आदेश जारी कर दिया है। नया टैरिफ बुधवार एक अप्रैल से लागू होगा। इसके अनुसार घरेलू उपभोक्ताओं के लिए फिक्स्ड चार्ज 75 रुपये प्रति कनेक्शन प्रति माह रखा गया है, जबकि ऊर्जा शुल्क 4.25 रुपये प्रति यूनिट तय किया गया है।वहीं वाणिज्यिक उपभोक्ताओं के लिए फिक्स्ड चार्ज 150 रुपये प्रति किलोवाट प्रति माह और ऊर्जा शुल्क 4.80 रुपये प्रति यूनिट तय किया गया है। जबकि औद्योगिक उपभोक्ताओं के लिए विभिन्न वोल्टेज स्तर (11 केवी, 33 केवी, 132 केवी और 220 केवी) पर ऊर्जा शुल्क 5.75 से 6.00 रुपये प्रति यूनिट तक रखा गया है। आयोग ने यह निर्णय विस्तृत समीक्षा व आम उपभोक्ताओं समेत सभी हितधारकों की आपत्तियों व सुझावों पर विचार कर लिया है।

इंडिगो ने वॉल्श को बनाया सीईओ

नई दिल्ली(ईएमएस)। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन कंपनी इंडिगो ने विलियम वॉल्श को नया सीईओ बनाने का ऐलान किया है। वह अभी इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के डायरेक्टर जनरल हैं और जुलाई के बाद अगस्त तक इंडिगो जॉइन कर सकते हैं। यह फैसला पिछले सीईओ पीटर एल्बर्स के इस्तीफे के कुछ ही हफ्तों बाद लिया गया है। वॉल्श पहले ब्रिटिश एयरवेज और आईएजी के सीईओ भी रह चुके हैं। डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) की ओर से एविएशन नियमों में बदलाव चलते दिसंबर के पहले हफ्ते में इंडिगो में क्रू मेंबर्स की भारी कमी हो गई थी। इसके कारण 1 से 10 दिसंबर के बीच इंडिगो की 5000 से ज्यादा फ्लाइट कैंसिल हुईं थीं।

लिएंडर पेस भाजपा में हुए शामिल

कोलकाता(ईएमएस)। भारतीय टेनिस के दिग्गज खिलाड़ी लिएंडर पेस ने मंगलवार को औपचारिक रूप से भाजपा का हाथ थाम लिया है। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों से पहले यह एक बेहद अहम घटनाक्रम माना जा रहा है। कोलकाता में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के साथ पेस की हालिया मुलाकात के बाद से ही इस कदम की काफी वक्त से अटकलें लगाई जा रही थीं। लिएंडर पेस के भाजपा ज्वाइन करने की टाइमिंग काफी अहम है। पेस के लिए पार्टी की राजनीति कोई नई बात नहीं है। साल 2021 में वह पहले भी तृणमूल कांग्रेस से जुड़ चुके हैं। 2022 में गोवा विधानसभा चुनावों के दौरान उन्होंने टीएमसी के लिए जोर-शोर से प्रचार किया था। हालांकि, उन्होंने खुद कोई चुनाव नहीं लड़ा था। अब भाजपा में शामिल होने का उनका फैसला, उस पुराने जुड़ाव से पूरी तरह अलग होने का संकेत है। इसके साथ ही, यह बंगाल के मतदाताओं के लिए भी एक साफ मैसेज है, क्योंकि राज्य में एक जोरदार राजनीतिक मुक़ाबले की तैयारी चल रही है।

ममता बनर्जी 8 अप्रैल को अपना नामांकन पत्र दाखिल करेंगी

कोलकाता (ईएमएस)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 में राज्य की हाई-प्रोफाइल भवानीपुर सीट पर ममता बनर्जी 8 अप्रैल को अपना नामांकन पत्र दाखिल कर सकती हैं। बताया जा रहा है कि इस दिन ममता बनर्जी अपने कालीघाट स्थित आवास से एक विशाल रैली के साथ सर्वे बिल्डिंग तक मार्च करेंगी, जहां वह आधिकारिक रूप से नामांकन दाखिल करेंगी। इस दौरान तृणमूल कांग्रेस के कई दिग्गज नेता उनके साथ मौजूद रहेंगे। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सुब्रत बक्शी, कोलकाता के मेयर फिरहाद हाकिम, दक्षिण कोलकाता के जिला अध्यक्ष देवाशीष कुमार सहित भवानीपुर क्षेत्र के सभी पार्षद इस शक्ति प्रदर्शन में शामिल हो सकते हैं।

भवानीपुर सीट पर इस बार मुकाबला बेहद कड़ा माना जा रहा है। ममता बनर्जी के सामने भारतीय जनता पार्टी की ओर से नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी चुनौती पेश कर रहे हैं। नंदीग्राम के बाद अब दोनों नेताओं के बीच भवानीपुर में सीधी टक्कर देखने को मिलेगी। वहीं, वाम दलों ने भी इस सीट से श्रीजीव विश्वास को उम्मीदवार बनाया है, जो पहले भी ममता के खिलाफ चुनाव लड़ चुके हैं। तृणमूल कांग्रेस नामांकन के बाद भवानीपुर में पूरी ताकत के साथ चुनाव प्रचार में उतरेगी।

टोल प्लाजा पर नकद भुगतान बंद, आज से लागू होगा नया नियम

नई दिल्ली,(ईएमएस)। देशभर में टोल भुगतान व्यवस्था में बड़ा बदलाव करते हुए 1 अप्रैल से सभी टोल प्लाजा पर नकद भुगतान पूरी तरह बंद कर दिया जाएगा। अब वाहन चालकों को टोल टैक्स चुकाने के लिए केवल फास्टेग या यूपीआई का ही उपयोग करना होगा। सरकार के इस फैसले का उद्देश्य टोल प्लाजा पर लंबी कतारों को कम करना और डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देना बताया जा रहा है। नई व्यवस्था लागू होने के बाद बिना डिजिटल भुगतान के टोल प्लाजा पर पहुंचने वाले वाहन चालकों को जुर्माना भरना पड़ सकता है या उन्हें वापस भी लौटाया जा सकता है। अधिकारियों के अनुसार, जिन वाहन चालकों ने अभी तक फास्टेग सक्रिय नहीं कराया है, उन्हें तुरंत इसे अपनी गाड़ी पर लगवाना चाहिए। वहीं, स्मार्टफोन उपयोगकर्ताओं को यह सुनिश्चित करना होगा कि उनके फोन में यूपीआई भुगतान सुविधा चालू हो। इसके अलावा, 1 अप्रैल से टैक्स, रेलवे और बाजार से जुड़े करीब 10 नए नियम लागू होंगे, जिनका सीधा असर आम लोगों पर पड़ेगा।

जेईई-मेंस 2026 से पहले बड़ा घोटाला! रामगढ़ सेंटर पर सेटिंग का खुलासा टेक्नीशियन समेत 3 गिरफ्तार

रामगढ़ : झारखंड के रामगढ़ जिले के राधा गोविंद विश्वविद्यालय के परीक्षा केंद्र पर जेईई-मेंस 2026 से पहले बड़े फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ है। पुलिस ने जेईई-मेंस 2026 परीक्षा में गड़बड़ी की साजिश रचने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें विश्वविद्यालय का एक टेक्नीशियन भी शामिल है। जांच में सामने आया कि दो से आठ अप्रैल तक चलने वाली इस परीक्षा में चुनिंदा अभ्यर्थियों को पास करने के लिए कंप्यूटर सिस्टम बदले जा रहे थे। मौके से 70 मानिटर, तीन राउटर, एक सीपीयू, चार मोबाइल और एक वाहन जब्त किया गया है। पूछताछ में आरोपितों ने खुलासा किया कि नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की परीक्षा में सेटिंग कराने वाला एक बड़ा नेटवर्क सक्रिय है, जिसमें कई राज्यों के लोग शामिल हैं।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने अन्य आरोपितों की तलाश तेज कर दी है और प्रशासन ने जांच कमेटी गठित कर पूरे नेटवर्क की पड़ताल शुरू कर दी है।

असम के मजबत विधानसभा क्षेत्र में हेमंत सोरेन ने किया चुनावी जनसभा को संबोधित

आदिवासी समाज और चाय बागान मजदूरों की एकजुटता का किया आह्वान

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के केंद्रीय अध्यक्ष और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मंगलवार को असम के मजबत विधानसभा क्षेत्र में पार्टी प्रत्याशी प्रीति रेखा बारला के पक्ष में जोरदार चुनावी जनसभा को संबोधित किया।

पारंपरिक असमिया वेशभूषा और 'गामोछा' धारण कर मंच पर पहुंचे सोरेन ने स्थानीय संस्कृति के प्रति सम्मान जताते हुए आदिवासी समाज और चाय बागान मजदूरों की एकजुटता का आह्वान किया। मंगलवार को गांडेय की विधायक कल्पना सोरेन भी असम पहुंच गई और चुनावी सभाओं में भाग लिया। सभा को संबोधित करते हुए हेमंत सोरेन ने राज्य सरकार और प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षी दलों को जनसभा की अनुमति देने में अनावश्यक देरी की जाती है, जबकि सत्ताधारी दल के नेताओं को त्वरित अनुमति मिल जाती है। उन्होंने इसे लोकतांत्रिक व्यवस्था में असमानता करार देते हुए कहा कि यदि लोग अपने अधिकारों के लिए अभी आवाज नहीं उठाएंगे तो भविष्य में संघर्ष की ताकत कमजोर पड़ सकती है।

हेमंत सोरेन सोरेन ने असम के चाय बागानों में कार्यरत लाखों आदिवासी मजदूरों को संबोधित करते हुए कहा कि उनकी एकता ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा कि जिस दिन ये लाखों भाई-बहन एकजुट होकर संकल्प ले लेंगे, उस दिन सरकार आपके इशारों पर चलेगी। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि देश का चाय उद्योग इन मजदूरों की मेहनत पर आधारित है, लेकिन उन्हें अपेक्षित सम्मान और अधिकार नहीं मिल पा रहे हैं।

अपने संबोधन में हेमंत सोरेन ने राजनीतिक संदेश देते हुए कहा कि एक वोट की ताकत को समझना जरूरी है। उन्होंने कहा कि वोट से ही सरकार बनती और बदलती है, और इसमें जनता के बुनियादी अधिकार पेंशन, शिक्षा, राशन और बुनियादी सुविधाएं निहित हैं। उन्होंने खुद को शिबू सोरेन का सिपाही बताते हुए संघर्ष की परंपरा को आगे बढ़ाने की बात कही।

असम विधानसभा चुनाव में झामुमो ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। मुख्यमंत्री के बाद अब पार्टी की स्टार प्रचारक कल्पना सोरेन भी चुनावी मैदान में उतर चुकी हैं। इसके साथ ही पार्टी कोटे से झारखंड सरकार में शामिल मंत्री भी विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय रूप से प्रचार कर रहे हैं।

मंगलवार को मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने सोनारी विधानसभा क्षेत्र के सालगठानी चाय बागान में जनसंपर्क अभियान चलाया। इस दौरान उनके साथ पार्टी प्रत्याशी बलदेव तेली भी मौजूद रहे।

उन्होंने स्थानीय लोगों से संवाद करते हुए कहा कि झारखंड की तर्ज पर असम में भी मेहनतकश वर्ग को सम्मान और अधिकार मिलना चाहिए। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि विकास केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि हर घर तक सुविधाएं और खुशहाली पहुंचनी चाहिए।

नालंदा के शीतला माता मंदिर में भगदड़, 9 की मौत

25 हजार श्रद्धालुओं के लिए कोई सुरक्षा नहीं

नालंदा(ईएमएस)। बिहार में नालंदा जिले में मंगलवार सुबह शीतला माता मंदिर में भगदड़ मच गई। हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई। 8 महिलाओं की भीड़ में दबने से मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि एक पुरुष ने अस्पताल में दम तोड़ा। चैत्र महीने के आखिरी मंगलवार को बड़ी संख्या में श्रद्धालु इस मंदिर में पहुंचे थे। वहां मेला भी लगा था। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि भीड़ को संभालने के लिए पर्याप्त इंतजाम नहीं थे।

दर्शन करने की जल्दी में धक्का-मुक्की मच गई। अफरातफरी के बीच कई लोग भीड़ में दब गए। बड़ी संख्या में लोग घायल भी हुए हैं। हादसे के बाद मंदिर और मेला को बंद करवा दिया है। हादसे के बाद पटना कमिश्नर को बिहार शरीफ भेजा गया है। सीएम ने मुख्य सचिव को जांच के निर्देश दिए हैं। दीपनगर थाने के एसएचओ राजमणि को सस्पेंड कर दिया गया है। सरकार ने मृतकों के आश्रितों को 6 लाख रुपए मुआवजा देने की घोषणा की है। वही केंद्र सरकार ने 2 लाख के मुआवजे की घोषणा की है।

दर्शन की जल्दबाजी में मची भगदड़

महिला भक्तों ने बताया कि चैत्र महीने का ये आखिरी मंगलवार है। यहां मेला लगा था। भीड़ ज्यादा हो गई। मंदिर का गर्भगृह भी छोटा है। लोग जल्दी-जल्दी दर्शन करने के लिए एक-दूसरे से आगे निकलने की कोशिश में थे। कोई लाइन में लगकर पूजा नहीं करना चाह रहा था। दूसरे श्रद्धालु ने बताया, 'सुरक्षा का कोई इंतजाम नहीं किया गया था। मंदिर के अंदर भारी भीड़ थी। पुलिस का जवान अंदर तैनात नहीं था। भीड़ को डायवर्ट करने या दो लाइनों में बांटने की कोई व्यवस्था नहीं थी। मंदिर के पुजारी ही जल्दी-जल्दी दर्शन कर निकलने को कह रहे थे। इस बीच एक महिला को चक्कर आ गया, जिससे वो वहीं गिर पड़ी। कुछ लोग उसे संभालने लगे, और भीड़ को पीछे करने की कोशिश की। इस दौरान भगदड़ मच गई।'

कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी को मिली अस्पताल से छुट्टी

नई दिल्ली,(ईएमएस)। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता और सांसद सोनिया गांधी को सर गंगा राम अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। उन्हें 24 मार्च को बुखार के कारण अस्पताल में भर्ती किया गया था। अस्पताल के अध्यक्ष डॉ.अजय स्वरूप ने बताया कि उनका इलाज डॉ.डी.एस.राणा, डॉ. एस. नंदी और डॉ. अरूप बसु की देखरेख में एंटीबायोटिक्स के माध्यम से किया गया और उनका स्वास्थ्य लगातार सुधार रहा है। डॉक्टरों ने कहा कि सोनिया गांधी की स्थिति में उत्कृष्ट सुधार हुआ है और अब वे सामान्य स्थिति में हैं। हालांकि उन्हें अभी भी इंट्रावेनस एंटीबायोटिक्स दी जा रही हैं, जो कुछ और दिनों तक जारी रहेंगी। सभी स्वास्थ्य पैरामीटर सामान्य सीमा के भीतर हैं और उनकी स्थिति स्थिर है।

अस्पताल के अनुसार, छुट्टी देने का निर्णय मरीज और चिकित्सक की सलाह के बाद लिया गया। वर्तमान में उनका एक सिस्टमिक संक्रमण का इलाज चल रहा है और एंटीबायोटिक्स का सकारात्मक असर देखा जा रहा है।

डेडलाइन के आखिरी दिन 9 नक्सलियों का सरेंडर

10 लाख कैश लेकर आई महिला नक्सली, दंतेवाड़ा नक्सल मुक्त

दंतेवाड़ा(ईएमएस)। छत्तीसगढ़ में नक्सली खात्मे के डेडलाइन का मंगलवार को आखिरी दिन था। इस दिन 3 जिलों के 9 नक्सलियों ने सरेंडर किया है, जिसमें 6 महिला नक्सली शामिल है। दंतेवाड़ा में 5, सुकमा में 2 और कांकेर में 2 नक्सलियों ने जंगल से निकलकर पुलिस को हथियार सौंप दिए हैं। पुलिस ने दावा किया है कि, दंतेवाड़ा में अब एक भी नक्सली नहीं बचे हैं। जिले में सक्रिय अंतिम 5 नक्सलियों ने हथियार डाल दिए हैं। इन पर 9 लाख रुपए का इनाम घोषित था। वहीं, कांकेर में 14 नक्सली अब भी एक्टिव है। सुकमा की 2 महिला नक्सली 8-8 लाख की इनामी है, वे अपने साथ 10 लाख कैश लेकर आए थे, जो पुलिस को दे दिए हैं। सुकमा में 2 महिला नक्सलियों ने सरेंडर किया है। इन पर 8-8 लाख का इनाम था। वे माओवादी कैडर के रैंक कंपनी के सदस्य है, सुकमा के ही रहने वाली है। सरेंडर के बाद इनसे मिले इनपुट के बाद हथियारों और 10 लाख कैश का बड़ा डंप भी मिला है।

कांकेर में 14 नक्सली सक्रिय

कांकेर जिले में पिछले 6 दिन में 11 नक्सली मुख्यधारा में लौट चुके हैं। जिले में अभी भी करीब 14 नक्सली सक्रिय हैं। इनमें डीवीसीएम स्तर के चंदर और रूपी शामिल है। पुलिस आत्मसमर्पण कर चुके नक्सलियों से जानकारी जुटाकर अब इलाके में छिपे बाकी नक्सलियों से संपर्क शुरू कर रही है। पुलिस उन्हें समझाकर मुख्यधारा में लाने की कोशिश कर रही है। दंतेवाड़ा पुलिस लाइन कारली में मंगलवार को पूना मारगेम-पुनर्वास से पुनर्जीवन अभियान के तहत सरेंडर कार्यक्रम हुआ। इसमें दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी से जुड़े 5 नक्सली मुख्यधारा में लौटे है। इनमें 4 महिला कैडर शामिल हैं। पुलिस ने अलग-अलग ऑपरेशन के दौरान इंसास, एसएलआर, कार्बाइन, लॉन्चर समेत कई हथियार भी बरामद किए हैं। एसपी गौरव राय ने दावा किया है कि अब दंतेवाड़ा जिला भी नक्सल मुक्त हो चुका है। यहां की आबो हवाओं में अब हिंसा नहीं बल्कि अमन, चैन और शांति महसूस की जा सकती है।

राहुल गांधी ने केंद्र सरकार की घोषणाओं पर हमला बोलते हुए कहा

स्मार्ट सिटी मिशन मोदी सरकार की कार्यशैली का उदाहरण, घोषणाएं बड़ी पर जवाबदेही शून्य

नई दिल्ली(ईएमएस)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को आरोप लगाया कि बड़ी घोषणाएं करना और फिर बिना किसी जवाबदेही के बढ़चढक़र इसका प्रचार करना मोदी सरकार की कार्यशैली है। राहुल ने कहा कि स्मार्ट सिटी मिशन इसी शैली का एक उदाहरण है। उन्होंने लोकसभा में 19 मार्च को उनके द्वारा पूछे गए प्रश्न और सरकार के उत्तर का हवाला देते हुए यह दावा भी किया कि स्मार्ट सिटी मिशन धोखे के अलावा कुछ भी नहीं है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने अपने व्हाट्सएप चैनल पर एक पोस्ट में कहा, कोई शहर स्मार्ट नहीं हो सकता, अगर वह अपने नागरिकों को बुनियादी गरिमा - साफ पानी, स्वच्छ हवा और सुरक्षा नहीं दे पाता। आपको मोदी सरकार का स्मार्ट सिटी मिशन तो याद ही होगा, जिसके तारीफों के पुल बांधते प्रधानमंत्री थकते नहीं थे। उन्होंने कहा, अब जब यह योजना अपने समापन की ओर है तो मैंने संसद में सरकार से इसके वास्तविक परिणामों का हिसाब मांगा। और जो सच सामने आया उसे धोखे के अलावा कुछ और कह ही नहीं सकते, इस योजना का उद्देश्य कभी भी पूरे शहर का विकास करना ही नहीं था।

राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि देश को एक आधी-अधूरी योजना को पूरे बदलाव की कहानी बनाकर बेचा गया। उन्होंने कहा, सवाल पूछे कि कैसे होते हैं स्मार्ट सिटी, सफलता किस आधार पर तय हुई, कितने शहर सच में बदले, लोगों के जीवन में क्या ठोस बदलाव आया? तो कोई स्पष्ट जवाब नहीं मिला। उन्होंने कहा, सिर्फ बताया गया की करीब 48,000 करोड़ रुपये खर्च हुए, और 97 प्रतिशत प्रोजेक्ट पूरे बता दिए, लेकिन अगर सब पूरा है, तो आपके शहर में क्या बदला? राहुल गांधी ने दावा किया, जमीनी हकीकत अलग कहानी कहती है- दूषित पानी और खुले सीवर से मौतें हो रही हैं,गिरते पुल और धंसती सडक़ें इस विफलता को और उजागर कर रही हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने गुजरात को रु. 19,800 करोड़ की विकास परियोजनाओं की ऐतिहासिक सौगात दी

वाव-थराद से किया लोकार्पण व शिलान्यास, डीसा एयरबेस सहित रणनीतिक और बुनियादी ढांचे को मिली नई गति

बनासकांठा (ईएमएस)| 'विकसित भारत के लिए विकसित गुजरात' के संकल्प को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज सीमावर्ती क्षेत्र वाव-थराद से पूरे गुजरात को रु. 19,800 करोड़ की विभिन्न विकास परियोजनाओं की सौगात दी। "विरासत, विकास और विश्वास" की इस पावन धरती से प्रधानमंत्री ने केंद्र और राज्य सरकार के विभिन्न विभागों से संबंधित परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास कर उन्हें जनता को समर्पित किया।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने बताया कि उनका विमान सीधे डीसा एयरबेस पर उतरा, जो अंतरराष्ट्रीय सीमा से मात्र 130 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है और देश की सुरक्षा की दृष्टि से अत्यंत रणनीतिक महत्व रखता है। उन्होंने कहा कि यह एयरबेस परियोजना वर्षों तक फाइलों में लंबित पड़ी रही, क्योंकि पूर्ववर्ती केंद्र सरकार की गुजरात के प्रति उदासीनता थी। वर्तमान सरकार ने इस परियोजना को गति देकर पूरा किया, जिससे क्षेत्र में रोजगार और विकास के नए अवसर उत्पन्न हुए हैं। उत्तर गुजरात के साथ अपने भावनात्मक जुड़ाव को साझा करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, "बनासकांठा का शायद ही कोई ऐसा गांव होगा, जहां मेरी यादें न जुड़ी हों।" उन्होंने पुराने कार्यकर्ताओं को देखकर प्रसन्नता व्यक्त की और कहा कि इस क्षेत्र के लोगों का स्नेह तथा 'बाजरे के रोटला और लहसुन की चटनी' का स्वाद वे कभी नहीं भूल सकते। साथ ही उन्होंने संतोष जताया कि आज की युवा पीढ़ी भी उसी समर्पण के साथ संगठनात्मक कार्यों को आगे बढ़ा रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि लगभग 25 वर्ष पूर्व इस क्षेत्र के विकास की जो जिम्मेदारी जनता ने उन्हें सौंपी थी, उसे आज भी 'मिशन मोड' में आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि दशकों तक उपेक्षा और कठिनाइयों का सामना करने वाले इस क्षेत्र में अब विकास की नई धारा बह रही है। वर्ष 2014 के बाद 'डबल इंजन सरकार' की शक्ति मिलने से विकास कार्यों की गति दोगुनी हुई है। उन्होंने बताया कि ऊर्जा, सड़क, रेलवे और आवास क्षेत्र से जुड़ी इन परियोजनाओं से न केवल बनासकांठा, बल्कि पूरे उत्तर गुजरात का कायाकल्प होगा। इससे क्षेत्र की कनेक्टिविटी मजबूत होगी, आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय लोगों के जीवन स्तर में उल्लेखनीय सुधार आएगा। विशेष रूप से सड़क और रेलवे नेटवर्क के विस्तार से उद्योगों और किसानों के लिए नए अवसर खुलेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि गुजरात नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में विश्व का केंद्र बनता जा रहा है। खावड़ा सोलर पार्क के माध्यम से लगभग 4 गीगावॉट बिजली का उत्पादन होगा, जो कृषि और औद्योगिक विकास के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा।

संक्षिप्त खबरें

झारखंड और चीन के बीच व्यापार, निवेश और औद्योगिक सहयोग बढ़ाने पर चर्चा

रांची(ईएमएस)। झारखंड चैंबर में मंगलवार को चीन के कोलकाता स्थित महावाणिज्य दूत शू वेई का स्वागत किया गया। उनके साथ बाई एन और ली शुयुए भी मौजूद थे। बैठक में झारखंड और चीन के बीच व्यापार, निवेश और औद्योगिक सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई। चैंबर पदाधिकारियों ने राज्य की खनिज संपदा, इस्पात, खनन और इंजीनियरिंग क्षेत्र की मजबूती को निवेश के लिए उपयुक्त बताया। साथ ही बंदरगाहों के नजदीक होने और बेहतर लोकेशन को भी अहम बताया गया। चर्चा में खनन में वैल्यू एडिशन, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, फूड प्रोसेसिंग, कृषि और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाओं पर जोर दिया गया।चैंबर ने चीन में व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल भेजने का प्रस्ताव रखा। महावाणिज्य दूत ने सहयोग का आश्वासन दिया। चैंबर अध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा ने झारखंड में निवेश की असीम संभावनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि यह बैठक अंतरराष्ट्रीय सहयोग बढ़ाने की दिशा में एक अच्छा कदम है। महासचिव रोहित अग्रवाल ने कहा कि झारखंड चैंबर द्वारा राज्य में व्यापार और निवेश के नए अवसर लाने के लिए लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। बैठक में उपाध्यक्ष प्रवीण लोहिया, महासचिव रोहित अग्रवाल, सह सचिव नवजोत अलंग और अरुण जोशी उपस्थित थे।

पश्चिम बंगाल चुनाव को लेकर बॉडर पर जांच शुरू

रांची(ईएमएस)। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव को लेकर झारखंड पुलिस हाई अलर्ट हो गई है। पड़ोसी राज्य में विधानसभा चुनाव को देखते हुए मंगलवार सुबह से ही झारखंड-बंगाल सीमावर्ती मुरी स्थित गेटवे ऑफ झारखंड चेक पोस्ट पर सघन वाहन चेकिंग अभियान की शुरुआत कर दी गई। बंगाल आने व जानेवाले वाहनों की कड़ाई से जांच की जा रही है। मुरी ओपी प्रभारी राहुल कुमार मेहता ने कहा कि पश्चिम बंगाल चुनाव को लेकर जांच अभियान तेज किया गया है। वाहनों में अवैध हथियार, जरूरत से ज्यादा पैसा, मादक पदार्थ आदि की जांच जारी है। विधानसभा चुनाव के मद्देनजर झारखंड व पश्चिम बंगाल पुलिस की समन्वय बैठक में चेकिग पर सहमति बनी थी।इसके तहत चेकिग शुरू की गई है। सभी वाहनों की सघन चेकिंग की जा रही है, ताकि कहीं से कोई गड़बड़ी की गुंजाइश न हो। अगले आदेश तक मुरी स्वर्णरखा नदी के समीप गेटवे ऑफ झारखंड चेकपोस्ट पर वाहनों की जांच अभियान जारी रहेगा।

नशे में धूत युवक ने कुएं में लगायी छलांग, हुई मौत

बोकारो(ईएमएस)।नशे में धूत एक युवक ने मंगलवार की दोपहर चंद्रपुरा स्टेशन रोड़ स्थित एक कुएं मे कूद कर अपनी इहलीला खत्म कर ली।घटना स्टेशन रोड के भीड़ भाड़ वाले बोल बम भंडार के नजदीक घटित हुई। बताया गया कि युवक आया और कुएं में छलाँग लगा दी।मृतक की पहचान प्रेम नगर चंद्रपुरा निवासी शंकर रविदास के 23 वर्षीय पुत्र विकास रविदास के रूप में हुई। घटना मंगलवार को दोपहर करीब दो बजे के आपसास घटित बताया जाता है।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार मृतक युवक नशे की हालत में आया और कुआं में छलांग लगा दिया हालांकि छलांग के क्रम में उसे बचाने के लिए एक व्यक्ति ने काफी प्रयास किया बावजूद वह जबरदस्ती कुआं में छलांग लगा दिया। लोगों ने तुरंत घटना की सूचना चंद्रपुरा पुलिस को दी।सूचना पाकर चंद्रपुरा थाना प्रभारी अजय कुमार सिंह अपने दलबल के साथ घटना स्थल पहुंचे और लोगों की मदद से उसे कुआं से बाहर निकाला।पुलिस ने उसे अपने गाड़ी में लाद कर डीवीसी अस्पताल चंद्रपुरा पहुंचाया जहां चिकित्सको ने मृत घोषित कर दिया।मृतक के परिजनों ने बताया कि वह कचरा चुनने का काम करता था और कभी कभार घर आता था। मंगलवार की दोपहर आया और तुरंत घर से निकल गया।वह पांच भाइयों में सबसे बड़ा था।इस संबंध में थाना प्रभारी अजय कुमार सिंह ने बताया कि वह नशेड़ी था जिस कारण उसका मानसिक स्थिति ठीक नहीं रहता था।पुलिस शव को अपने कब्जे में लेकर आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर रही है।

आभूषण दुकान में 22 लाख के गहनों की लुट, ग्राहक बन कर आए थे लुटेरे

पूर्वी सिंहभूम (ईएमएस)।जमशेदपुर के ओलिडीह थाना अंतर्गत रोड नंबर एक में आभूषण दुकान ग्राहक बनकर आये बदमाश ने मंगलवार को 22 लाख कीमत के गहने लेकर फरार हो गया।घटना मंगलवार की सुबह साढ़े ग्यारह बजे विश्वनाथ ज्वेलर्स की है।ग्राहक बनकर आए युवक ने दुकानदार से गहने दिखाने की बात कही। दुकानदार ने गहनों से भरा डब्बा निकला।इस बीच दुकानदार दूसरे काम में व्यस्त हो गया जिसका फायदा उठाकर बदमाश गहनों से भरा डब्बा लेकर फरार हो गया।जब तक दुकानदार कुछ समझ पाता तब तक बदमाश भाग चुका था।दुकानदार ने घटना की शिकायत ओलिडीह थाना में की है।शिकायत मिलने पर ओलिडीह थाना की पुलिस पहुंची और दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरा की जांच की. सीसीटीवी कैमरा में बदमाश की तस्वीर पुलिस को मिली है इसके बाद पुलिस ने बदमाश की तलाश शुरू कर दी है।

ब्रिगेडियर पुरी पार्क में सुविधाओं के विस्तार की मांग,रखरखाव पर भी उठे सवाल

रामगढ़(ईएमएस)।रामगढ़ शहर के बीचों-बीच स्थित ब्रिगेडियर पुरी पार्क लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र है।यह पार्क रामगढ़ न्यू बस स्टैंड से सटा हुआ है, वहीं यहां से करीब 500 मीटर की दूरी पर रामगढ़ रेलवे स्टेशन स्थित है।साथ ही शहर का प्रमुख केंद्र सुभाष चौक भी लगभग 300 मीटर की दूरी पर है, जिससे यहां लोगों का आना-जाना लगातार बना रहता है।यह पार्क न केवल शहर की खूबसूरती को बढ़ाता है, बल्कि सुबह-शाम टहलने और परिवार के साथ समय बिताने के लिए भी लोगों की पहली पसंद बनता जा रहा है।यहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में बच्चे, युवा और बुजुर्ग सुबह की सैर और व्यायाम के लिए पहुंचते हैं।पार्क की हरियाली, बैठने की व्यवस्था और खुला वातावरण लोगों को सुकून का एहसास कराता है।हालांकि, स्थानीय लोगों ने पार्क की सुविधाओं को लेकर कई मांगें उठाई हैं।रामगढ़ निवासी अमित कुमार साव का कहना है कि पार्क में एक बड़ा और व्यवस्थित कैंटीन बनाया जाना चाहिए, ताकि आने वाले लोगों को खाने-पीने की सुविधा मिल सके।
इसके अलावा पार्क के अंदर बना पानी का ढांचा, जो पहले पानी से भरा रहता था और आकर्षण का केंद्र हुआ करता था, वर्तमान में सूखा पड़ा है।स्थानीय लोगों ने इसे फिर से चालू करने की मांग की है, जिससे पार्क की सुंदरता और बढ़ाई जा सके।वहीं गुड्डू कुमार ने कहा कि पार्क में फूलों की संख्या बढ़ाने और हरियाली को और विकसित करने की भी जरूरत जताई गई है।लोगों का कहना है कि पार्क की साफ-सफाई और रखरखाव पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए, ताकि यह स्थल भविष्य में और बेहतर बन सके।रामगढ़ शहर के लिए यह पार्क एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्थल है, जो लोगों को प्रकृति के करीब आने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करता है।

पेड़ गिरने से सड़क जाम, कई बाइक दबे दो युवक घायल, एक की हालत गंभीर

रामगढ़ (ईएमएस)।रामगढ़ के पतरातू में पतरातू-रांची मुख्य सड़क मार्ग पर मंगलवार को पीवीयूएनएल मुख्य गेट के समीप अचानक पेड़ गिर जाने से अफरा-तफरी मच गई। घटना के कारण सड़क पूरी तरह जाम हो गई और कई बाइक पेड़ के नीचे दब गए।
हादसे में दो युवक घायल हो गए, जिनमें एक की स्थिति गंभीर बताई जा रही है।जानकारी के अनुसार डाल्टेनगंज निवासी अफरोज, जो टेक्सल कंपनी में कार्यरत है, गेट पर पार्सल लेने निकला था, इसी दौरान अल्फा कंपनी में कार्यरत ओम प्रकाश सिंह गैस सिलेंडर लेकर जा रहे थे। तभी अचानक सड़क किनारे का पेड़ गिर पड़ा, जिसकी चपेट में दोनों आ गए।
पेड़ गिरने से सड़क पर खड़ी और गुजर रही तीन-चार बाइक भी उसके नीचे दब गईं।इनमें जेएच 24 ए 7448, जेएच 01 ईएफ 3609, एमएच 34 एयू 4133 और जेएच 24 जे 8958 नंबर की बाइक शामिल हैं।घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को पीवीयूएनएल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल ओम प्रकाश सिंह को बेहतर इलाज के लिए रिम्स रेफर कर दिया गया।अफरोज का इलाज वहीं चल रहा है। अस्पताल में तैनात डॉ. शैलेश से घायलों की स्थिति के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने मीडिया को स्पष्ट रूप से बाहर जाने को कहा उन्होंने स्पष्ट कहा कि मीडिया को अस्पताल के अंदर आने की अनुमति नहीं है।पेड़ गिरने से मुख्य सड़क पर कुछ समय तक यातायात बाधित रहा, जिससे लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा।

मुरहू में रामनवमी में हुये पत्थरबाजी के बाद उत्पन्न तनाव को कम करने के लिए जिला प्रशासन ने सकारात्मक की पहल

पत्थरबाजी मामले में प्रशासन ने की लोगों से बात, बंद समाप्त करने का निर्णय

खूंटी(ईएमएस)। मुरहू में रामनवमी और रामनवमी के अगले दिन हुये पत्थरबाजी के बाद उत्पन्न तनाव को कम करने के लिए जिला प्रशासन ने सकारात्मक पहल की है। मंगलवार को स्थानीय परिसदन भवन में जिला प्रशासन की पहल पर उपायुक्त आर रॉनिटा की अध्यक्षता में मुरहू के दोनों पक्ष तथा केंद्रीय रामनवमी महासमिति खूंटी के प्रतिनिधियों के साथ बैठक किया गया। बैठक में मुरहू के दोनों पक्ष के लोगों ने अपनी-अपनी बातों को रखा. वहीं खूंटी केंद्रीय रामनवमी महासमिति के पदाधिकारियों ने भी अपनी बातों को रखा। जिसमें सभी ने अष्टमी के दिन मुरहू के मस्जिद मोहल्ले में शुरू हुये विवाद से लेकर अब तक हुये घटनाक्रमों को रखा।इस दौरान सभी ने शांति-व्यवस्था बहाल रखने पर सहमति प्रदान किया. वहीं पूरे घटनाक्रम में

किसी प्रकार की कानूनी कार्रवाई नहीं करने तथा निर्दोष लोगों को गिरफ्तार नहीं करने का मांग रखा। इस पर डीसी आर रॉनिटा ने कहा कि जो भी कार्रवाई होगी निष्पक्ष तरीके से कार्रवाई होगी। दुकानों को बंद रखने की जरूरत नहीं है। दुकानें बंद रहने से आम लोगों को परेशानी हो रही है। उन्होंने सभी से दुकान खोलने का अपील किया। जिसके बाद सभी ने बंद को समाप्त करने का निर्णय लिया। उपायुक्त ने कहा कि मुरहू में अभी धारा 163 एक सप्ताह तक जारी रहेगा।पुलिस लगातार गश्त लगाती रहेगी। दुकान खुले रहेंगे लेकिन किसी प्रकार की गैदरिंग और मीटिंग नहीं करें। एसपी मनीष टोप्पो ने कहा कि जिस समाज में पुलिस की आवश्यकता न हो वहीं अच्छा समाज होता है। उन्होंने कहा कि बंद से सभी को नुकसान है।आगे कहा कि पुलिस जो भी कार्रवाई करेगी वह सबूत के आधार पर होगा।जो नाम आयें हैं और उनका लगता है कि वे शामिल नहीं थे तो आवेदन दें।उसपर भी जांच की जायेगी लेकिन जो लोग सक्रिय रूप से शामिल थे उनपर कार्रवाई होगी।निर्दोष लोगों पर कोई कार्रवाई नहीं होगी।उन्होंने भरोसा दिया कि अभी किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं होगी।मौके पर एसडीओ दीपेश कुमारी, एसडीपीओ वरूण रजक, मुरहू बीडीओ रंजीत कुमार लाल, मुरहू सीओ शंकर कुमार विद्यार्थी, खूंटी सीओ प्रदीप कुमार, केंद्रीय रामनवमी महासमिति खूंटी के अध्यक्ष अनूप साहू, महामंत्री जितेंद्र कश्यप, विनोद जायसवाल, आनंद कुमार, मुरहू महासमिति के अध्यक्ष विजय कुमार, कोषाध्यक्ष विष्णु गुप्ता, नईमुद्दीन खान, बबलू खान सहित कई लोग उपस्थित थे।उपायुक्त आर रॉनिटा के साथ बैठक के बाद केंद्रीय रामनवमी महासमिति के महामंत्री जितेंद्र कश्यप ने अनिश्चितकालीन बंद को समाप्त किये जाने का घोषणा किया। उन्होंने कहा कि सभी अपनी-अपनी दुकानें खोल सकते हैं।इसके बाद खूंटी और मुरहू की कई दुकानें खुल गयी। दुकानें खुलने से लोगों ने राहत महसूस किया है।

मंगला जुलूस पर लाठीचार्ज व बच्ची की निर्मम हत्या को लेकर बरकट्ठा बंद असरदार

जनजीवन प्रभावित

हजारीबाग (ईएमएस)। बरकट्ठा प्रखंड के ग्राम लेवडा जमुआ में मंगला जुलूस के दौरान महिलाओं पर हुए पुलिस लाठीचार्ज तथा विष्णुगढ़ में 12 वर्षीय बच्ची की निर्मम हत्या को लेकर बरकट्ठा बाजार पूर्णतः बंद रहा। मंगलवार की सुबह से ही बाजार की सभी दुकानें बंद रहीं और व्यापारी वर्ग ने स्वेच्छा से बंद का पूर्ण समर्थन किया। बंद के कारण पूरे बरकट्ठा बाजार एवं जीटी रोड़ स्थित क्षेत्र इलाके में सन्नाटा पसरा रहा और आम जनजीवन प्रभावित रहा। बरकट्ठा विधायक अमित कुमार यादव के नेतृत्व में सैकड़ों महिला और पुरूषों ने बरकट्ठा बाजार का भ्रमण किया। उन्होंने दुकानदारों और आम लोगों से शांति पूर्ण तरीके से बंद का समर्थन करने की अपील की। लोगों ने भी इस मुद्दे को गंभीर बताते हुए बाजार बंद कर अपना

पूरा समर्थन जताया। ग्रामीणों ने बताया कि तुईयो में मंगला जुलूस के दौरान महिलाओं पर पुलिस के द्वारा लाठीचार्ज किए जाने से क्षेत्र के लोगों में भारी आक्रोश है।लोगों का कहना है कि धार्मिक जुलूस के दौरान महिलाओं के साथ इस तरह की कार्रवाई बेहद निंदनीय है।साथ ही विष्णुगढ़ प्रखंड में हुई मासूम बच्ची की निर्मम हत्या की घटना से भी क्षेत्र के लोग काफी आहत हैं।बंद समर्थकों ने प्रशासन से मांग की कि तुईयो मंगला जुलूस के दौरान हुई पुलिस कार्रवाई की निष्पक्ष जांच कर दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई की जाए।इसके अलावा विष्णुगढ़ प्रखंड में बच्ची की हत्या के मामले में शामिल अपराधियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर कड़ी सजा दिलाने की भी मांग की गई।ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही इन मामलों में उचित कार्रवाई नहीं की गई तो आने वाले दिनों में और भी उग्र आंदोलन किया जाएगा।
हालांकि पूरे बंद के दौरान स्थिति शांतिपूर्ण रही और किसी प्रकार की अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली।बंद सफल बनाने को लेकर सांसद प्रतिनिधि रघुवीर महतो, भाजपा मंडल अध्यक्ष सूर्यदेव मंडल टिंकू, अनील कुमार आजाद, चलकुशा मुखिया आलोक सिंह, समाजसेवी दर्शन सोनी, पंसस प्रतिनिधि संजय गुप्ता, अशोक गुप्ता, रीतलाल प्रसाद, केदार रजक, शंकर साव, सुजीत मोदी, रूपेश गुप्ता, बालेश्वर ठाकुर, प्रकाश सिंह, सुनील कुमार, विजय यादव, राजकुमार यादव ,उमेश मोदी, अनील मोदी समेत बड़ी संख्या में महिला-पुरुष शामिल हैं।

मां मंगला की पूज़ा में उमड़ा जनसैलाब श्रद्धा और परंपरा का अद्भुत संगम

पश्चिमी सिंहभूम (ईएमएस)।नोवामुंडी के विभिन्न क्षेत्रों—मनसा मंदिर, बालीझरण, लखनसाई फॉरेस्ट ऑफिस पिलर नंबर 7 के नीचे और आज़ाद बस्ती के पांच स्थानों पर मां मंगला की पूजा बड़े ही धूमधाम और विधि-विधान के साथ संपन्न हुई। सुबह होते ही बाजारों में चहल-पहल बढ़ गई, जहां श्रद्धालु पूजन सामग्री की दुकानों पर उमड़ पड़े। सिर पर पूजा की टोकरी, चुनरी, फल-प्रसाद, केंदु फूल और चहार फल लेकर श्रद्धालु भक्ति भाव से पूजा स्थलों की ओर बढ़े। पूजा स्थल से सभी श्रद्धालु सामाजिक एकता का परिचय देते हुए गाजे-बाजे के साथ ऐतिहासिक उड़िया छठ तालाब पहुंचे, जहां स्नान-ध्यान के बाद पुजारियों ने विधिवत मां मंगला की घट पूजा कराई।श्रद्धालुओं ने मां के पवित्र घट को माथे पर धारण कर पुनः पूजा स्थल तक भव्य शोभायात्रा निकाली। वहां पूरे विधि-विधान से मां की स्थापना और पूजा-अर्चना की गई। पूजा के दौरान केंदु, महुआ, आम, केंदु फूल, चहार फल, खोई.बताशा. अर्पित किए गए, वहीं पारंपरिक रूप से मुर्गा और बतख की बलि भी दी गई।मनसा मंदिर में पुरोहित निलेश ठक्कर के साथ सहायक पुजारी मुन्ना सिंह, अमित बॉस, सुभाष पान, नीति लोहार, अनीश ठक्कर, गणेश, आर्यन और बीजू ने पूजा संपन्न कराई। वहीं आज़ाद बस्ती में पुरोहित दीपू पान, रतन पान, वसंत पान, विनोद पान, शशिकांत, हबू पान, राहुल दास, अनिल दास, पंकज दास, विकास दास, सूरज बांकीरा, कृष दास, रेखा दास, रेखा पान, राहुल पूर्ति, तुलसी पूर्ति, इंदर पूर्ति और जयदेव पूर्ति ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।महिलाएं नये वस्त्र परिधान में उपवास रखकर पूजा की थाल लेकर श्रद्धा के साथ पूजा स्थल पहुँचीं। पूजा सम्पन्न होने के बाद उन्होंने मां का प्रसाद ग्रहण कर अपना उपवास तोड़ा। इस दौरान कई महिलाएं भक्ति में झूमती नजर आईं और पूरा क्षेत्र जय मां मंगला के जयकारों से गूंज उठा।

तेजस्वी यादव पांच अप्रैल को रांची में, पार्टी में भरेंगे जोश

रांची(ईएमएस)। झारखंड प्रदेश राजद प्रवक्ता कैलाश यादव ने बताया कि बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री सह प्रतिपक्ष के नेता एवं राजद का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव का रांची में आयोजित स्वागत सम्मेलन किया जाएगा। कार्यक्रम स्थल हरमू बाईपास रोड डिबडीह स्थित कार्निवाल सेलिब्रेशन हॉल में आयोजित होगा। कार्यक्रम को भव्य बनाने के लिए पार्टी प्रदेश अध्यक्ष संजय सिंह यादव झारखंड सरकार में श्रम एवं उद्योग मंत्री संजय प्र यादव राजद विधायक दल नेता सुरेश पासवान विधायक नरेश सिंह पूर्व मंत्री सत्यानंद भोक्ता पूर्व विधायक गौतम सागर राणा कोडरमा से पूर्व प्रत्याशी सुभाष प्र यादव सहित प्रदेश के तमाम नेता एकजुटता के साथ लगे हुए हैं। विदित है विगत दिनों राजद विधायक दल नेता सुरेश पासवान के सरकारी आवास पर पार्टी कोर कमिटी की महत्वपूर्ण बैठक हुई थी जिसमें पार्टी के सभी 4 विधायक सुभाष यादव अनिता यादव कैलाश

यादव मो.इरफान अंसारी युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष रंजन यादव श्रीराम यादव जनार्दन कुमार और धर्मेंद्र महतो मौजूद थे।उस दौरान बैठक में तय हुआ था कि रांची में 5 अप्रैल को राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव का कार्यक्रम के दौरान जोरदार स्वागत किया जाएगा और पूरा रांची राजदमय होगा।कैलाश यादव ने कहा कि तेजस्वी यादव के रांची आगमन पर राजद के तमाम नेता कार्यकर्ता काफी उत्साहित हैं, राज्य के 24 जिलों से लगभग 10 हजार कार्यकर्ता शामिल होंगे। सभी लोगों का एक दिन पूर्व 4 अप्रैल को ही रांची आना शुरू हो जाएगा।उनके रहने व भोजन संबंधित सभी तरह के इंतजाम किया गया है।ज्ञातव्य है झारखंड में राजद का जनाधार काफी है और एक मजबूत विकल्प के तौर पर हमेशा रहा है राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव एवं युवा आइकन तेजस्वी यादव को चाहने वाले करोड़ो में लोग हैं तेजस्वी यादव का स्वागत सम्मेलन के दौरान तेजस्वी यादव राजद संगठन के नेताओं और कार्यकर्ताओं से रूबरू होंगे और पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूती प्रदान करने के लिए कई संदेश सुझाव भी देंगे।श्री यादव ने कहा कि पूरे शहर में राजद का होर्डिंग बैनर तथा पार्टी का झंडा से लगाया जाएगा एवं सैकड़ों तोरणद्वार से कार्यक्रम जगमग होगा। पार्टी कार्यालय का रंगाई पोताई साफ सफाई चल रहा है।तेजस्वी यादव का स्वागत पूरी तामझाम व नागपुरी छऊ नृत्य एवं ढोल नगाड़े के साथ किया जाएगा।कैलाश यादव ने कहा कि आगामी एक दो दिन में और सूचनाएं सार्वजनिक किया जाएगा।

तिलैया में फर्नीचर गोदाम में लगी आग, लाखों का नुकसान

कोडरमा(ईएमएस)।झुमरीतिलैया थाना क्षेत्र के करमा अंबाकोला रोड में जेम्स स्कूल के पास मंगलवार सुबह करीब तीन बजे एक फर्नीचर गोदाम व घर में भीषण आग लग गई।आग जनी की घटना में गोदाम में रखा लकड़ी का फर्नीचर, लोहे का आलमीरा, फ्रीज, कूलर सहित अन्य सामान जलकर राख हो गया। गोदाम मालिक के अनुसार आगजनी की इस घटना में करीब 50 लाख से ज्यादा का नुकसान हुआ है।घटना की सूचना पर पहुंची दमकल विभाग की टीम ने किसी तरह आग पर काबू पाया। हालांकि, तब तक काफी नुकसान हो चुका था।आग लगने का कारण गोदाम व घर के छत के ऊपर से गुजरे 11 हजार वोल्ट की तार में शॉर्ट सर्किट होना बताया जा रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार मंगलवार सुबह करीब तीन बजे शॉर्ट सर्किट जैसीआवाज सुनाई दी और तेज रौशनी फैली।लोगों को जब तक कुछ समझ आता आग फैल चुकी थी।लोगों ने तत्काल गोदाम मालिक मो. जफीर निवासी करमा को घटना

की सूचना दी, गोदाम में लकड़ी का फर्नीचर होने के कारण आग तेजी से फैलती गयी। इस बीच सूचना पर दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची। विभाग की टीम ने दो गाड़ियों से करीब चार घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।हालांकि, तब तक काफी नुकसान हो चुका था. गोदाम मालिक मो. जफीर ने बताया कि घटना के समय वे यहां नहीं थे।वे हजारीबाग के बरही में एक शादी समारोह में शामिल होने गए थे।घटना की जानकारी मिलने पर वे पहुंचे तब तक काफी नुकसान हो गया था। उनके अनुसार गोदाम में लकड़ी का फर्नीचर के अलावा लोहे का आलमारी, फ्रिज, कूलर सहित अन्य सामान रखा था।इस घटना में करीब 50 लाख से ज्यादा का नुकसान हुआ है।स्थानीय लोगों के अनुसार शार्ट सर्किट की इस घटना के लिए पूरी तरह विद्युत विभाग जिम्मेवार है।इलाके में घर की छतों के ऊपर से 11 हजार वोल्ट का नंगा तार काफी नीचे से गया है।ऐसे में अक्सर दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।

हज़ारीबाग़ डायोसीज़ में क्रिस्मा मिस्सा धूमधाम से संपन्न
सैकड़ों पुरोहितों ने की पौरोहित्य प्रतिज्ञा का नवीनीकरण

हजारीबाग (ईएमएस)। स्थानीय कैथेड्रल में मंगलवार को हज़ारीबाग़ डायोसीज़ का क्रिस्मा मिस्सा ऐतिहासिक भव्यता के साथ आयोजित किया गया। डायोसीज़ सहित विभिन्न प्रदेशों से आए सैकड़ों पुरोहित इस पावन अवसर पर एकजुट हुए।यह समारोह धार्मिक उत्सव के साथ ही पुरोहितों की एकता, निष्ठा और सेवा भाव का जीवंत उदाहरण बना।कार्यक्रम की शुरुआत सुबह एक गहन आध्यात्मिक एकत्रण (रिकलेक्शन) से हुई, जिसे जमशेदपुर से विशेष रूप से आमंत्रित संसाधन व्यक्ति ने संबोधित किया।उन्होंने पुरोहितों को सेवा के महत्व और पौरोहित्य जीवन की चुनौतियों पर मार्गदर्शन दिया।शाम पाँच बजे मुख्य क्रिस्मा

मिस्सा शुरू हुई, जिसमें सभी पुरोहितों ने औपचारिक रूप से अपनी पौरोहित्य प्रतिज्ञाओं का नवीनीकरण किया।इस दौरान कैथेड्रल को फूलों, मोमबत्तियों और पवित्र चिह्नों से सजाकर भक्तिमय वातावरण बनाया गया था।मिस्सा का मुख्य संदेश बिशप आनंद जोजो ने दिया।उन्होंने कहा, पुरोहित येसु ख्रीस्त के प्रतिनिधि हैं।उनकी मुख्य गुणवत्ता दूसरों की सेवा करना है, जिसमें विनम्रता और निष्ठा सर्वोपरि है। उन्होंने कहा कि यह नवीनीकरण सभी को याद दिलाता है कि उनकी सेवा प्रभु के प्रेम का प्रतिबिंब होनी चाहिए।इस अवसर पर क्रिस्म, ऑयल ऑफ कैटेक्यूमेन्स और ऑयल ऑफ सिक तीनों पवित्र तेलों का भी विशेष आशीर्वाद दिया गया।मिस्सा को और भी भक्तिमय बनाने में कोयर की सराहनीय भूमिका रही। सिस्टर नील सुमन गिध एवं सिस्टर अनिता मिंज के कुशल संचालन में कोयर ने मधुर एवं आध्यात्मिक भक्ति गीतों से समूची सभा को भाव-विभोर कर दिया। उनके नेतृत्व में प्रस्तुत गीतों ने मिस्सा के प्रत्येक क्षण को अर्थपूर्ण और दिव्य बना दिया।हज़ारीबाग़ डायोसीज़ से हज़ारों सिस्टरें एवं असंख्य भक्तगण इस अवसर पर साक्षी बने। कैथेड्रल परिसर भक्ति और एकता से परिपूर्ण था। कार्यक्रम का कुशल आयोजन फादर अनुप लाकड़ा ने किया।

मृतक के परिजनों को दी आर्थिक सहायता

रांची(ईएमएस)। बेड़ो के मुड़कट्टी निवासी चम्पा उरांव और सोसना उरांव की दो दिनों पूर्व सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी। इसकी सूचना मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की और पूर्व मंत्री बंधु तिर्की को दी गई। मंत्री और पूर्व मंत्री के निर्देश पर मंगलवार को बेड़ो के उप प्रमुख सह मंत्री प्रतिनिधि मुदस्सिर हक मुड़कट्टी गांव पहुंचे और मृतक के परिजनों को आर्थिक मदद की। मौके पर दोनों ने कहा कि वे इस दुख की घड़ी में परिजनों के साथ हैं। वहीं मौके पर कांग्रेस कमेटी के पवन लकड़ा, सुधीर मिंज, कयूम अंसारी, आयता उरांव, पुनई उरांव इस्लाम अंसारी और अजीत खेस आदि मौजूद थे।

पूर्व मध्य रेल

ई–निविदा

मंडल रेल प्रबंधक (अभियंत्रण) / पूर्व मध्य रेल/धनबाद द्वारा निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिए ई–निविदा आमंत्रित की जाती है:– (1) **ई–निविदा सं.:386-DHN-2025-26, कार्य का नाम, स्थान तथा समापन अवधि:** सहा. मं. अभि./रेणुकुट के अधीन रेणुकुट में जल शोधन संयंत्र का प्रावधान। 12 (बारह) महीना, **कार्य की लगभग लागत (रू में) :** 96,47,535.63, (2) **ई–निविदा सं.: 387.DHN-2025-26, कार्य का नाम, स्थान तथा समापन अवधि:** वरीय मंडल अभियंता/4/धनबाद के क्षेत्राधिकार में सहा. मं. अभि./ चोपन एवं सहा. नं. अभि./ रेणुकुट के अधीन विभिन्न ट्रैक नवीनीकरण एवं मरम्मत कार्यों के संबंध में एसकेवी विधि द्वारा रेल जोड़ों के वेल्डिंग के लिए पोर्सन और वेल्डिंग के साथ निरिक्षण की आपूर्ति। 06 (छ.) महीना, **कार्य की लगभग लागत (रू में) :** 1,20,30,926.28, **ब्याने की राशि (रू में):** ब्याने की राशि **http://www.ireps.gov.in** पोर्टल पर दिखाये राशि के अनुसार लागू। **निविदा बंद होने एवं खुलने की तारीख तथा समय:** ई–निविदा बंद होने की तारीख 21.04.2026 को 12:00 बजे तक। ई–निविदा खुलने की तारीख 21.04.2026 को12:30 बजे से। **वेबसाइट का विवरण : http://www.ireps. gov.in** ई–निविदि के तहत मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं की जाएगी।

मंडल रेल प्रबंधक (अभियंत्रण)
पूर्व मध्य रेल/धनबाद।

पीआर/2006/डीएचएन/ईएनजीजी/टी/25–26/32

बीएसएल से सेवानिवृत्त कर्मियों को दी गई विदाई

बोकारो । बोकारो इस्पात संयंत्र के मानव संसाधन ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के मुख्य प्रेक्षागृह में आज 31 मार्च 2026 को सेवानिवृत्त हो रहे 40 कर्मियों के सम्मान में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में अधिशासी निदेशक (परियोजनाएं) अनीश सेनगुप्ता उपस्थित थे. कार्यक्रम के दौरान मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन) अंजनी कुमार शरण, संयंत्र के विभिन्न विभागों के वरीय अधिकारी एवं सेवानिवृत्त होने वाले कार्मिकों के परिजन भी बड़ी संख्या में सम्मिलित हुए. समारोह के शुभारंभ में मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन) श्री अंजनी कुमार शरण ने सभी आगंतुकों का स्वागत किया और सेवानिवृत्त हो रहे कर्मियों के दीर्घकालिक योगदान एवं समर्पण की सराहना की. कार्यक्रम में निदेशक प्रभारी श्री प्रिय रंजन का विशेष शुभकामना संदेश भी साझा किया गया, जिसमें उन्होंने सभी कर्मियों के प्रति अपनी कृतज्ञता प्रकट की. मुख्य अतिथि अधिशासी निदेशक (परियोजनाएं) अनीश सेनगुप्ता ने अपने संबोधन में कर्मियों के परिश्रम की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनके अनुभवों ने संयंत्र को उत्कृष्टता के वर्तमान स्तर तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है. उन्होंने सभी सेवानिवृत्त कर्मियों को विदाई उपहार भेंट किए और उनके सुखद एवं स्वस्थ भविष्य की मंगलकामना की.मुख्य अतिथि अधिशासी निदेशक (परियोजनाएं) अनीश सेनगुप्ता ने सभी सेवानिवृत्त कर्मियों को उनकी निष्ठा, समर्पण एवं उत्कृष्ट सेवाओं के लिए बधाई दी तथा उनके सुखद एवं समृद्ध भविष्य की मंगलकामनाएँ व्यक्त कीं. उन्होंने सेवानिवृत्त हो रहे कर्मियों को सेवा प्रमाण पत्र एवं उपहार भी भेंट किए. मार्च 2026 में बोकारो स्टील प्लांट से कुल 10 अधिशासी एवं 30 अनाधिशासी कर्मी सेवानिवृत्त हो रहे हैं. समारोह के दौरान सहायक महाप्रबंधक (मानव संसाधन-सेवाएँ) डॉ. नन्दा प्रियदर्शिनी द्वारा प्रत्येक सेवानिवृत्त कर्मचारी के बायो-डाटा का प्रस्तुतिकरण किया गया. बोकारो स्टील प्लांट के आरएम एवं एमएचपी विभाग में कार्यरत मुख्य महाप्रबंधक (आरएम एवं एमएचपी) श्री धनंजय कुमार के लिए आयोजित एक अन्य विदाई समारोह में बोकारो स्टील प्लांट के निदेशक प्रभारी श्री प्रिय रंजन एवं अधिशासी निदेशक सहित विभिन्न विभागों के मुख्य महाप्रबंधक एवं विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे. सभी लोगों ने बोकारो स्टील प्लांट में उनके उल्लेखनीय योगदान की सराहना की तथा उनके भावी जीवन के लिए शुभकामनाएं दीं. यह आयोजन बोकारो इस्पात संयंत्र की अपने अनुभवी मानव संसाधन के प्रति संवेदनशीलता और उनके योगदान के प्रति सम्मान को प्रदर्शित करता है. अनुभवी कर्मियों का विदाई समारोह न केवल उनके परिश्रम को मान्यता प्रदान करता है, बल्कि यह वर्तमान कार्यबल के मनोबल को बढ़ाने और संगठन में एक सकारात्मक कार्य-संस्कृति को सुदृढ़ करने में भी सहायक सिद्ध होता है.

एचपीवी टीकाकरण अभियान का हुआ शुभारंभ

सर्वाइकल कैंसर से बचाव हेतु महत्वपूर्ण पहल

पाकुड़: राज्य स्तरीय कार्यक्रम के तहत पाकुड़ जिले के पुराने सदर अस्पताल में एचपीवी टीकाकरण अभियान का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर डीसी मनीष कुमार, सिविल सर्जन, जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी, जिला भीवीडी पदाधिकारी एवं जिला यक्ष्मा पदाधिकारी की उपस्थिति में कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम के दौरान डीसी मनीष कुमार की उपस्थिति में 14 से 15 वर्ष की आयु वर्ग की बच्चियों का एचपीवी टीकाकरण किया गया तथा लाभुकों के बीच टीकाकरण प्रमाण पत्र का वितरण किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सिविल सर्जन डॉ. सुरेन्द्र कुमार मिश्रा ने कहा कि एचपीवी वैक्सीनेशन महिलाओं में होने वाले सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के लिए अत्यंत प्रभावी एवं महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने बताया कि यह वैक्सीन पूर्णतः सुरक्षित है तथा विश्व के अनेक देशों में सफलतापूर्वक उपयोग में लाई जा रही है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे किसी भी प्रकार की भ्रांति या अफवाह पर ध्यान न देते हुए अपनी बच्चियों का टीकाकरण अवश्य कराएं। डीसी ने कहा कि यह कार्यक्रम जिले के लिए एक ऐतिहासिक पहल है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा अब यह वैक्सीन निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही है, जो जनहित में एक सराहनीय कदम है। उन्होंने इसे बच्चियों के लिए "सुरक्षा कवच" बताते हुए अभिभावकों से अपील की कि वे 14 एवं 15 वर्ष की आयु वर्ग की सभी बच्चियों का टीकाकरण सुनिश्चित कराएं। उन्होंने यह भी कहा कि यह वैक्सीन शरीर में रोग के विरुद्ध प्रतिरोधक क्षमता विकसित करती है तथा भविष्य में गंभीर बीमारी से बचाव में सहायक है। कार्यक्रम के दौरान टीबी मरीजों के बीच निक्षय किट का भी वितरण किया गया, जिससे उनके पोषण एवं स्वास्थ्य में सुधार सुनिश्चित किया जा सके।कार्यक्रम के उपरांत डीसी ने अस्पताल परिसर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने नेत्र जांच केंद्र, एएनसी कक्ष, ओपीडी एवं दवा वितरण काउंटर का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के क्रम में डीसी ने स्वयं अपना नेत्र परीक्षण भी कराया। डीसी ने स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता बनाए रखने एवं आमजन को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया।

ख्रीस्त राजा शांति शोभा यात्रा में दिया गया शांति व सद्भाव का संदेश

पाकुड़: जिदातो मिशन मैदान में आयोजित ख्रीस्त राजा शांति शोभा यात्रा कार्यक्रम में डीसी एवं एसपी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर बड़ी संख्या में लोगों की सहभागिता ने कार्यक्रम को गरिमामय बना दिया। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में शांति, प्रेम और आपसी भाईचारे का संदेश प्रसारित करना था, जिसे सभी अतिथियों ने सराहा।

शांति स्थापित करना हम सभी का परम लक्ष्यः एसपी

एसपी ने आयोजकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन हमें आध्यात्मिक मूल्यों को आत्मसात करने और ईश्वर के बताए मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने यूनाइटेड क्रिश्चियन फोरम द्वारा आयोजित इस शांति यात्रा की सराहना करते हुए कहा कि वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में शांति स्थापित करना हम सभी का प्रमुख उद्देश्य होना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि हम प्रभु यीशु के बताए मार्ग- प्रेम, करुणा और सद्भाव- पर चलें, तो समाज एवं विश्व में सकारात्मक परिवर्तन संभव है।

सभी धर्मों का संदेश—शांति, संयम और आपसी सम्मान : डीसी

डीसी ने कहा कि प्रभु यीशु मसीह सहित सभी धर्मों के उपदेश हमें प्रेम, त्याग और सद्भाव के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि सभी धर्मों में वर्णित सिद्धांत- संयम, उपवास एवं आत्मनियंत्रण- मानव जीवन को संतुलित और शांत बनाते हैं। यदि हम इन मूल्यों को अपनाएं, तो व्यक्तिगत जीवन से लेकर वैश्विक स्तर तक शांति स्थापित की जा सकती है। डीसी ने कहा कि पाकुड़ जिला सदैव आपसी भाईचारे और सौहार्द का उदाहरण रहा है, जहां सभी धर्मों के लोग मिल-जुलकर अपने त्योहार मनाते हैं। उन्होंने कहा कि इस शांति यात्रा का उद्देश्य भी समाज में प्रेम, एकता और आपसी सम्मान को बढ़ावा देना है। इस अवसर पर परियोजना निदेशक, आईटीडीए, अपर समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी,पाकुड़, अंचलाधिकारी पाकुड़ सहित अन्य पदाधिकारी एवं आयोजन समिति के सदस्य उपस्थित थे।

बीएसएल हॉट स्ट्रिप मिलः मिल्स ज़ोन के कर्मियों हेतु लीन मैन्यूफैक्चरिंग एवं 5एस/क्यूसी पर जागरूकता सत्र आयोजित

बोकारो । इस्पात संयंत्र के बिजनेस एक्सीलेंस विभाग द्वारा हॉट स्ट्रिप मिल (एचएसएम) स्थित रशियन कैंटीन में 'इंट्रोडक्शन टू लीन मैन्युफैक्चरिंग एवं 5एस/क्यूसी जागरूकता' विषय पर एक विशेष प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम में मिल्स ज़ोन के विभिन्न शॉप्स से लगभग 30 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिन्हें औद्योगिक उत्कृष्टता की आधुनिक पद्धतियों से अवगत कराया गया.प्रशिक्षण कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन मुख्य महाप्रबंधक (हॉट स्ट्रिप मिल) श्री पी. के. वर्मा एवं महाप्रबंधक (बिजनेस एक्सीलेंस) श्री ए.एस. नंदी द्वारा किया गया. अपने उद्घाटन संबोधन में मुख्य महाप्रबंधक (हॉट स्ट्रिप मिल) श्री पी. के. वर्मा ने लीन मैन्युफैक्चरिंग की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए बताया कि किस प्रकार ये तकनीकें परिचालन लागत को कम करने और लीड टाइम को घटाने में प्रभावी सिद्ध होती हैं. महाप्रबंधक (बिजनेस एक्सीलेंस) श्री ए. एस. नंदी ने उपस्थित नए एवं संभावित सदस्यों को प्रोत्साहित करते हुए संयंत्र की प्रगति में उनकी भूमिका को रेखांकित किया.इस संपूर्ण प्रशिक्षण सत्र का संचालन बिजनेस एक्सीलेंस विभाग की वरीय प्रबंधक सुश्री सागरिका साहू द्वारा किया गया. उन्होंने सत्र के दौरान लीन मैन्युफैक्चरिंग की बुनियादी अवधारणाओं के साथ-साथ कार्यस्थल प्रबंधन की 5एस पद्धति और क्वालिटी सर्कल के व्यावहारिक पहलुओं पर विस्तृत जानकारी साझा की. कार्यक्रम का सफल समन्वय हॉट स्ट्रिप मिल के श्री ए. रजक और बिजनेस एक्सीलेंस टीम द्वारा किया गया. प्रबंधन द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि संयंत्र के सभी क्षेत्रों में लीन मैन्युफैक्चरिंग की कार्य-संस्कृति को आत्मसात करने के उद्देश्य से भविष्य में भी इस प्रकार के सत्र निरंतर आयोजित किए जाएंगे. यह आयोजन बोकारो इस्पात संयंत्र की परिचालन दक्षता और संगठनात्मक उत्कृष्टता के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है. लीन मैन्युफैक्चरिंग और 5एस जैसी पद्धतियों के व्यापक प्रसार से न केवल संसाधनों का इष्टतम उपयोग सुनिश्चित होता है, बल्कि यह कार्यस्थल पर सुरक्षा, स्वच्छता और उत्पादकता बढ़ाने में भी सहायक सिद्ध होता है, जो अंततः संयंत्र के दीर्घकालिक लक्ष्यों की प्राप्ति में मील का पत्थर साबित होगा.

कालाजार के बढ़ते मामलों को लेकर महादेवपुर एवं डुमरचीर में विशेष अभियान

फील्ड विजिट, मेडिकल कैंप एवं रात्रि चौपाल के माध्यम से जागरूकता एवं उपचार पर जोर

पाकुड़ः सदर प्रखंड अंतर्गत के महादेवपुर एवं अमड़ापाड़ा प्रखंड अंतर्गत डुमरचीर में कालाजार भीएल के बढ़ते मामलों को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग द्वारा विशेष फील्ड विजिट, मेडिकल कैंप एवं रात्रि चौपाल का आयोजन किया गया। यह अभियान जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ अमित कुमार के नेतृत्व में संचालित किया गया। इस दौरान एमओआईसी अमड़ापाड़ा, एमओआईसी सदर, चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. शिवम, जिला भीवीडी कंसल्टेंट अंकित कुमार, केटीएस ज्योतिन मुर्मू सहित स्वास्थ्य विभाग की टीम सक्रिय रूप से मौजूद रही।फील्ड विजिट के दौरान टीम द्वारा प्रभावित गांवों में घर-घर जाकर संभावित मरीजों की पहचान की गई तथा आवश्यक जांच एवं उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित की गई। साथ ही ग्रामीणों को कालाजार के लक्षण, बचाव एवं उपचार के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। इस क्रम में एंटोमोलॉजिकल सर्वे भी किया गया, जिसके तहत क्षेत्र में सैंडफ्लाई की घनत्व का आकलन किया गया। प्राप्त आंकड़ों के आधार पर आगे की नियंत्रण रणनीतियों को और सुदृढ़ किया जाएगा।इसके अलावा अमड़ापाड़ा प्रखंड में रात्रि चौपाल का आयोजन किया गया, जहां स्थानीय ग्रामीणों के साथ संवाद स्थापित कर कालाजार के प्रति जागरूकता बढ़ाई गई। चौपाल के माध्यम से लोगों को समय पर जांच कराने, पूर्ण उपचार लेने तथा आईआरएस जैसे नियंत्रण उपायों के महत्व की जानकारी दी गई। जिला भीवीडी पदाधिकारी डॉ अमित कुमार ने कहा कि कालाजार उन्मूलन के लिए निरंतर निगरानी, सक्रिय केस खोज एवं समय पर उपचार सुनिश्चित किया जाएगा, ताकि प्रभावित क्षेत्रों में रोग पर शीघ्र नियंत्रण पाया जा सके।

अवैध रूप से कोयला का भंडारण एवं परिवहन को लेकर की गई छापेमारी, तीन अभियुक्त गिरफ्तार

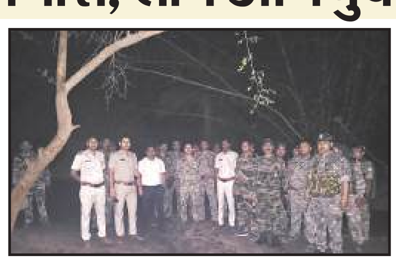

पाकुड़ः पुलिस अधीक्षक,पाकुड़ को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत मंगलापाड़ा एवं कालिदासपुर क्षेत्र में अवैध रूप से कोयला का भंडारण एवं परिवहन किया जा रहा है। उक्त सूचना के सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु एक विशेष छापामारी दल का गठन किया गया। गठित पुलिस टीम द्वारा मंगलापाड़ा क्षेत्र में छापेमारी के दौरान कुछ व्यक्ति साइकिल के माध्यम से अवैध कोयला उतारते पाए गए। पुलिस को देखते ही कई व्यक्ति मौके से फरार हो गए, जबकि तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। अभियुक्तों में दुर्योधन साहा (उम्र लगभग 51 वर्ष), पिता- स्व० लुधु साहा, ग्राम- बागडाबड़ा, थाना- फरक्का, जिला- मुर्शिदाबाद (पश्चिम बंगाल),जोटा घोष (उम्र लगभग 35 वर्ष), पिता- गुदड़ घोष, ग्राम- बागडाबड़ा, थाना- फरक्का, जिला- मुर्शिदाबाद (पश्चिम बंगाल) श्यामलाल साहा (उम्र लगभग 42 वर्ष), पिता- सुधीर साहा, ग्राम- बागडाबड़ा, थाना- फरक्का, जिला- मुर्शिदाबाद (पश्चिम बंगाल) शामिल थे।

पूछताछ के दौरान अभियुक्तों द्वारा कोयला संबंधी कोई भी वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया गया। वही मौके से लगभग 09 क्विंटल अवैध कोयला, 06 साइकिल एवं एक वजन मशीन बरामद कर विधिवत जब्त किया गया।

गिरफ्तार अभियुक्तों के विरुद्ध अवैध कोयला चोरी एवं परिवहन के संबंध में प्राथमिकी दर्ज कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

"प्रोजेक्ट डिवाइस" से मिला खोया हुआ मोबाइल

पाकुड़ः नव वर्ष के अवसर पर पाकुड़ पुलिस द्वारा चलाए जा रहे "Project Device" अभियान के तहत गुमशुदा और चोरी हुए मोबाइल फोन बरामद कर उनके असली मालिकों को लौटाने की दिशा में लगातार सफलता मिल रही है। इसी कड़ी में मंगलवार को जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों से कुल 21 मोबाइल फोन बरामद कर संबंधित मोबाइल धारकों को थाना स्तर पर सुपुर्द किया गया। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, नगर थाना से 8, महेशपुर थाना से 3, लिट्टीपाड़ा थाना से 1, मुफस्सिल थाना से 2, हिरणपुर थाना से 3, अमड़ापाड़ा थाना से 1 और पाकुड़िया थाना से 3 मोबाइल बरामद किए गए हैं। इससे पहले भी पुलिस द्वारा 7 जनवरी 2026 को 5 और 19 मार्च 2026 को 19 मोबाइल बरामद कर कुल 24 मोबाइल उनके धारकों को लौटाए जा चुके हैं। लगातार मिल रही इस सफलता से आम लोगों में पुलिस के प्रति भरोसा बढ़ा है। बरामद मोबाइलों में विभिन्न कंपनियों के स्मार्टफोन शामिल हैं, जिन्हें लंबे समय से खोया या चोरी हुआ बताया गया था। पुलिस ने तकनीकी सहायता और सतत प्रयास से इन मोबाइलों को ट्रेस कर बरामद किया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि "Project Device" के तहत आगे भी यह अभियान लगातार जारी रहेगा और जिले में गुमशुदा या चोरी हुए अन्य मोबाइल फोन को बरामद कर उनके असली मालिकों तक पहुंचाया जाएगा। इस अभियान में विभिन्न थाना प्रभारी एवं पुलिसकर्मियों की सक्रिय भूमिका रही, जिनके संयुक्त प्रयास से यह सफलता संभव हो सकी।

आरएसएस के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर कल आएंगे धनबाद

धनबाद : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, शताब्दी वर्ष के निमित्त आयोजित प्रमुख जन गोष्ठी' में संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख श्री सुनील आंबेकर 2 अप्रैल 2026 को धनबाद आ रहे हैं, उनका कार्यक्रम कोयला भवन प्रांगण के कम्युनिटी हॉल में 11 बजे से रखा गया है, श्री अंबेकर धनबाद महानगर में प्रमुख जन :- सामाजिक नेतृत्व, धार्मिक क्षेत्र, आर्थिक, प्रशासनिक, न्यायिक, चिकित्सा, प्रबुद्ध नागरिक, कला क्षेत्र, कीड़ा (खेल),वैज्ञानिकों व समाज के एनी प्रमुख लोगों को करेंगे संबोधित। बताते चले की राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपने स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण किया है । व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण ही संघ कार्य का मुख्य उद्देश्य है। संघ शताब्दी वर्ष के निमित्त विजयदशमी 2025 से विजयदशमी 2026 तक 7 प्रकार के कार्यक्रमों में यह पांचवा कार्यक्रम है। इस गोष्ठी में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख श्री सुनील आंबेकर जी का पाथेय सभी को प्राप्त होगा अंत में जिज्ञासा समाधान का भी अवसर मिलेगा।

83 सेविका-सहायिका के बीच नियुक्ति पत्र का हुआ वितरण

पाकुड़ः समाज कल्याण विभाग को सुदृढ़ करने की दिशा में मंगलवार को रविन्द्र भवन टाउन हॉल में सेविका-सहायिका नियुक्ति पत्र वितरण समारोह का भव्य आयोजन किया गया। समारोह का शुभारंभ डीसी मनीष कुमार, एसपी निधि द्विवेदी, स्थापना उप समाहर्ता त्रिभुवन कुमार सिंह, प्रखंड विकास पदाधिकारी हिरणपुर टुडु दिलीप, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी बसंती ग्लाडिस बाड़ा, सांसद प्रतिनिधि श्याम यादव, विधायक प्रतिनिधि गोकुल अहमद, झामुमो की युवा नेत्री उपासना मरांडी एवं सीडीपीओ द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। सरकार और ग्रामीणों के बीच मजबूत कड़ी बनेंः- डीएसडब्ल्यूओ जिला समाज कल्याण पदाधिकारी बसंती ग्लाडिस बाड़ा ने कहा कि सेविका-सहायिका सरकार और ग्रामीणों के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी हैं तथा योजनाओं का लाभ सही लाभार्थियों तक पहुंचाना उनकी प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने बताया कि चयन के बाद प्रखंड स्तर पर प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिसके उपरांत आंगनबाड़ी केंद्रों में प्रतिनियुक्त कर कार्य की व्यवहारिक जानकारी दी जाएगी। उन्होंने सभी को सलाह दी कि कार्य को बेहतर ढंग से सीखने के लिए पर्यवेक्षिका, सीडीपीओ एवं जिला कार्यालय से निरंतर मार्गदर्शन लेते रहें। साथ ही उन्होंने कहा कि लाभार्थी प्रविष्टि, पोषाहार वितरण, टीकाकरण एवं योजनाओं का क्रियान्वयन- सभी कार्य अब ऑनलाइन माध्यम से ही किए जाएंगे।

बच्चों के भविष्य की आधारशिला हैं आंगनबाड़ी केंद्र :सांसद प्रतिनिधि

सांसद प्रतिनिधि श्याम यादव ने कहा कि यह नियुक्ति पत्र जिला प्रशासन के अथक प्रयासों का परिणाम है। आंगनबाड़ी केंद्र बच्चों के प्रारंभिक विकास की महत्वपूर्ण आधारशिला हैं, जहां सरकार की योजनाओं का लाभ सुनिश्चित किया जाता है। उन्होंने कहा कि बच्चों का भविष्य काफी हद तक इन केंद्रों से ही आकार लेता है, इसलिए सभी नवनियुक्त सदस्य अपने कर्तव्यों का निर्वहन ईमानदारी, निष्ठा एवं समर्पण के साथ करें। साथ ही उन्होंने विश्वास जताया कि आप सभी प्रशासन एवं सरकार के भरोसे पर खरा उतरते हुए समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

महिला सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदमः-उपासना मरांडी

झामुमो की युवा नेत्री उपासना मरांडी ने कहा कि यह आयोजन महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है। उन्होंने कहा कि सेविका-सहायिका अपने-अपने गांव और पंचायत की मजबूत आधारशिला हैं, जिनकी सक्रिय भूमिका से ही समग्र विकास संभव है। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि अपने दायित्वों का निर्वहन ईमानदारी एवं निष्ठा के साथ करें, महिलाओं को जागरूक बनाएं और एक स्वस्थ एवं सशक्त समाज के निर्माण में योगदान दें। साथ ही उन्होंने आश्वस्त किया कि जनप्रतिनिधि के रूप में आपकी समस्याओं एवं मांगों को उचित मंच पर उठाने का हर संभव प्रयास किया जाएगा।

आंगनबाड़ी गांव की सामाजिक धड़कन हैः एसपी

एसपी निधि द्विवेदी ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र केवल बच्चों की देखभाल का स्थान नहीं, बल्कि पूरे गांव की सामाजिक व्यवस्था का महत्वपूर्ण केंद्र है। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता गांव की समस्याओं, सामाजिक परिस्थितियों एवं गतिविधियों को समझने की एक महत्वपूर्ण कड़ी होती हैं। इसलिए उन्हें अपने दायित्वों को व्यापक दृष्टिकोण के साथ निभाना चाहिए। उन्होंने सभी को प्रेरित करते हुए कहा कि अपनी जिम्मेदारियों को पूरी ईमानदारी एवं समर्पण के साथ निभाएं तथा समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में सक्रिय भूमिका निभाएं।

नियुक्ति नहीं, यह एक बड़ी जिम्मेदारी हैः डीसी

इस अवसर पर डीसी ने नवनियुक्त सदस्यों को बधाई देते हुए कहा कि सेविका-सहायिका सरकार की योजनाओं और आमजन के बीच एक मजबूत कड़ी हैं। उन्होंने कहा कि सरकारी सेवा केवल प्रमाण पत्र नहीं, बल्कि एक बड़ी जिम्मेदारी है। अब आप शिकायतकर्ता नहीं, बल्कि समाधान देने वाले बन गए हैं, इसलिए अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी गंभीरता एवं जवाबदेही के साथ करें। डीसी ने बताया कि बच्चों के जीवन के शुरुआती दिन उनके विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं, इसलिए आंगनबाड़ी केंद्रों की भूमिका इस दिशा में बेहद अहम है। उन्होंने सभी से नई तकनीकों को सीखने, मोबाइल आधारित ऑनलाइन कार्य प्रणाली अपनाने एवं नियमित डेटा प्रविष्टि सुनिश्चित करने का आह्वान किया। साथ ही जिले की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि सामूहिक प्रयासों से पंचायतों ने राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई है, जिसे आगे भी बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि सभी नवनियुक्त सदस्य पूरी निष्ठा, ईमानदारी एवं समर्पण के साथ कार्य करें, ताकि योजनाओं का लाभ समय पर जरूरतमंदों तक पहुंचे और जिले का समग्र विकास सुनिश्चित हो।

बीएसएल के सेंट्रल मेंटेनेंस मैकेनिकल विभाग में 'सुझावमेला' का आयोजन

बोकारो इस्पात संयंत्र के औद्योगिक इंजीनियरिंग विभाग (आईईडी) के तत्वावधान में सेंट्रल मेंटेनेंस (मैकेनिकल) विभाग द्वारा दिनांक 31 मार्च 2026 को मुख्य महाप्रबंधक (मैकेनिकल) सम्मेलन कक्ष में 'सुझाव मेला' का आयोजन किया गया. इस अवसर पर कार्यकारी मुख्य महाप्रबंधक (मैकेनिकल) श्री आर. के. बेहेरा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे. उनके साथ महाप्रबंधक (सीएमएम) श्री एस. के. मंगुआल, महाप्रबंधक (आईईडी) श्री धीरज चौधरी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं बड़ी संख्या में कर्मचारी उपस्थित रहे.

कार्यक्रम के प्रारंभ में सहायक महाप्रबंधक (सीएमएम) श्री विपिन कुमार वर्मा ने उपस्थित सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए सुझाव मेले के महत्व पर प्रकाश डाला. उन्होंने इसे कर्मचारियों के लिए एक प्रभावी मंच बताया, जहां वे अपने रचनात्मक विचारों के माध्यम से परिचालन उत्कृष्टता एवं कार्य कुशलता में वृद्धि हेतु महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं. उन्होंने सभी प्रतिभागियों को सक्रिय रूप से अपने सुझाव साझा करने के लिए प्रेरित किया. इसके पश्चात् वरीय प्रबंधक(आईईडी) श्रीमती प्रीति प्रिया द्वारा एक जानकारीपूर्ण प्रस्तुति दी गई, जिसमें उन्होंने सुझाव योजना के महत्व एवं उससे होने वाले लाभों को विस्तारपूर्वक समझाया. उन्होंने बताया कि व्यावहारिक एवं नवाचारी सुझाव न केवल संयंत्र के समग्र विकास में सहायक होते हैं, बल्कि सुझाव देने वाले कर्मचारियों को प्रोत्साहन स्वरूप आर्थिक लाभ एवं सम्मान भी प्रदान किए जाते हैं, जिससे उनमें उत्साह एवं सहभागिता की भावना को बल मिलता है. इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी की सराहना की तथा संयंत्र में सहभागिता पूर्ण प्रबंधन एवं नवाचार की संस्कृति को सुदृढ़ करने में इस प्रकार की पहलों की महत्ता पर बल दिया. उपमहाप्रबंधक (सीएमएम) श्री एस. एस. गर्ग एवं सहायक महाप्रबंधक (सीएमएम) श्री मनीष ने भी अपने विचार साझा किए. कार्यक्रम के दौरान कर्मचारियों द्वारा सुरक्षा, कार्य कुशलता, लागत प्रभावशीलता एवं परिचालन विश्वसनीयता से संबंधित लगभग 50 सुझाव प्राप्त हुए, जो विभागीय कार्यप्रणाली के सुदृढ़ीकरण में सहायक सिद्ध होंगे. सुझाव प्रस्तुत करने वाले कर्मचारियों को प्रोत्साहन एवं सम्मान स्वरूप उपहार भी प्रदान किए गए.

संक्षिप्त खबरें

कनेक्ट सेंटर से जुड़े चंद्रभूषण राजपूत

पटना, (ईएमएस)। बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेश राम ने पार्टी के प्रदेश कार्यालय सदाकत आश्रम पटना में कनेक्ट सेंटर के पदाधिकारियों एवं सदस्यों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में संगठन को मजबूत करने तथा पार्टी की गतिविधियों को अधिक प्रभावी बनाने पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के उपरांत संगठन को सशक्त बनाने के उद्देश्य से चंद्रभूषण राजपूत को कनेक्ट सेंटर का सदस्य नियुक्त किया गया। प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि पार्टी में सक्रिय और प्रतिभावान कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी देना संगठन को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि चंद्रभूषण राजपूत अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन पूरी निष्ठा और सक्रियता के साथ करेंगे।

आज से समूचे बिहार में अतिक्रमण हटाओ अभियान

पटना, (ईएमएस)। बिहार के राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के प्रधान सचिव सी.के.अनिल ने सभी जिलाधिकारियों, अपर समाहर्त्ताओं, भूमि सुधार उप समाहर्त्ताओं, अनुमंडल पदाधिकारियों एवं अंचल अधिकारियों को निर्देश जारी करते हुए आज दिनांक 1 अप्रैल से अतिक्रमण हटाने का विशेष अभियान चलाने का आदेश दिया है। जारी निर्देश में कहा गया है कि बिहार लोक भूमि अतिक्रमण अधिनियम, 1956 की धारा 6(1) के तहत विधिसम्मत कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। यह भी उल्लेख किया गया है कि पटना उच्च न्यायालय द्वारा कई मामलों में अतिक्रमण हटाने के स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं, जिनका अनुपालन अनिवार्य है। वहीं राज्य सरकार ने मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए स्पष्ट किया है कि गरीब और असहाय लोग अक्सर जीविकोपार्जन के लिए सार्वजनिक स्थानों का उपयोग करते हैं। इसलिए वेंडिंग जोन या वैकल्पिक व्यवस्था किए बिना अतिक्रमण हटाने से उनके रोजगार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि पुनर्वास की व्यवस्था सुनिश्चित करने के बाद ही अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करें। उधर राज्य सरकार ने भारत-नेपाल सीमा से सटे सात जिलों के नो मैन्स लैंड में अतिक्रमण के मामलों को अत्यंत गंभीर बताया है। इन मामलों के अंतरराष्ट्रीय प्रभाव को देखते हुए सर्वे ऑफ इंडिया द्वारा सीमांकन के लिए संयुक्त सर्वेक्षण कार्यक्रम भी चलाया जा रहा है। ऐसे में इन क्षेत्रों में प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई करने को कहा गया है। पत्र में यह भी कहा गया है कि हालांकि जिलाधिकारी द्वारा अतिक्रमण हटाना विधिसम्मत है, लेकिन यह न्यायोचित नहीं माना गया है क्योंकि वे इस अधिनियम के तहत अपीलीय प्राधिकारी होते हैं। ऐसे में अंचल अधिकारी, भूमि सुधार उप समाहर्ता और अनुमंडल पदाधिकारी स्तर के अधिकारियों को ही इस अभियान में सक्रिय भूमिका निभाने के निर्देश दिए गए हैं। अतिक्रमण हटाने को शहरी सौंदर्यीकरण का महत्वपूर्ण हिस्सा बताते हुए सरकार ने इसके लिए वित्तीय आवंटन भी जारी किया है। हाल ही में जारी पत्रों के माध्यम से विभिन्न जिलों को आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए गए हैं। सभी अंचल अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में चल रहे अतिक्रमण वादों की सूची तैयार करें और उनका विधिवत संधारण करें। प्रत्येक मामले में नोटिस, तामिला और कार्रवाई की वर्तमान स्थिति का स्पष्ट उल्लेख होना अनिवार्य होगा।

परिवहन आयुक्त ने जिला पदाधिकारी को दिया निर्देश

मधुबनी, (ईएमएस)। मधुबनी जिला में सड़कों पर गड्ढों की मरम्मति एवं जल निकायों के पास बैरिकेडिंग सुनिश्चित किया जाना है। इस संबंध मे परिवहन आयुक्त ने जिला पदाधिकारी को निर्देश दिया है। परिवहन आयुक्त ने डीएम को लिखे पत्र में कहा है कि सर्वोच्च न्यायालय की सड़क सुरक्षा समिति के अनुसार सड़कों पर गड्ढे एवं बिना बैरिकेड वाले जल निकायों के कारण लगातार सड़क दुर्घटनाएं एवं जनहानि हो रही है। इस संबंध में समिति द्वारा पूर्व में 26 नवंबर को 2018 को दिशा-निर्देश दिया गया है। परिवहन आयुक्त ने कहा है कि सभी चिन्हित गड्ढों की तत्काल मरम्मत सुनिश्चित करें तथा प्राप्त शिकायत पर 48 घंटे के भीतर कार्रवाई करें। सड़कों पर स्थित खुले नाले, जल निकाय एवं अन्य खतरनाक स्थलों पर मजबूत बैरिकेडिंग, प्रकाश व्यवस्था एवं रिफ्लेक्टिव संकेतक लगाए जाएं। जिससे रात्रि में भी दृश्यता बनी रहे। सड़क निर्माण एवं रख-रखाव कार्य भारतीय सड़क कांग्रेस मानकों के अनुरूप किए जाएं। विशेषकर पैदल यात्रियों एवं दुर्घटना नियंत्रण कार्य के लिए जिला सड़क सुरक्षा समिति द्वारा सड़क सुरक्षा से संबंधित मामलों को ध्यान में रखते हुए नियमित ऑडिट कराएं एवं प्रत्येक 3 माह के अंतराल में रख-रखाव नीति तैयार करते हुए उसका क्रियान्वयन जिला स्तरीय विभागों, प्राधिकरण के पदाधिकारियों, अभियंताओं के माध्यम से कराएं।

मधुबनी जिले भर में खाद, पेट्रोल पंप व गैस एजेंसियों का औचक निरीक्षण

मधुबनी, (ईएमएस)। मधुबनी जिला प्रशासन ने आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता और कालाबाजारी पर रोक लगाने के उद्देश्य से पूरे जिले में खाद की दुकानों, पेट्रोल पंपों एवं गैस एजेंसियों का औचक निरीक्षण किया। इस कार्रवाई से कारोबारियों में हड़कंप मच गया और कई स्थानों पर अफरा-तफरी का माहौल देखा गया। पुलिस अधीक्षक योगेंद्र कुमार ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि निरीक्षण अभियान का मुख्य उद्देश्य आम उपभोक्ताओं को सही दर पर और पर्याप्त मात्रा में खाद, पेट्रोल एवं गैस उपलब्ध कराना है। साथ ही यह सुनिश्चित करना भी है कि कहीं भी अवैध भंडारण, जमाखोरी या अधिक कीमत वसूली जैसी गतिविधियां न हो रही हों। उन्होंने बताया कि प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों की संयुक्त टीमों ने विभिन्न प्रखंडों और बाजारों में स्थित दुकानों पर पहुंचकर स्टॉक रजिस्टर, बिक्री रजिस्टर, रेट लिस्ट तथा लाइसेंस की जांच की। एसपी ने स्पष्ट कहा कि किसी भी हाल में उपभोक्ताओं के साथ धोखाधड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि कोई दुकानदार निर्धारित दर से अधिक कीमत वसूलता है या कालाबाजारी करता पाया गया, तो उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

डॉ. अयोध्या पासवान रचित आठ पुस्तकों का हुआ लोकार्पण

मधुबनी, (ईएमएस)। पुस्तक लोकार्पण कार्यक्रम मंगलवार को मधुबनी में केंद्रीय पुस्तकालय तिलक चौक पर हुआ। डॉ. विजय शंकर पासवान की अध्यक्षता एवं संचालन में कार्यक्रम का आयोजन हुआ। डॉ. अयोध्या पासवान रचित आठ पुस्तकों का लोकार्पण हुआ। डॉ. अयोध्या पासवान द्वारा रचित आठ पुस्तक में कबीर साहित्य में विद्रोह, शांति और समन्वय, निराला का गद्य साहित्य, सुविचार, मिटि गेल तीनू ताप, संध्या विचार, विचार मंथन एवं मंगल विचार,विचार विधी पुस्तक का लोकार्पण पद्मश्री शिवन पासवान, डॉ शुभ कुमार वर्णवाल, डॉ विभा कुमारी, अधिवक्ता ऋषि देव सिंह, प्रो. इश्तियाक अहमद एवं डॉ.रामदयाल यादव ने किया। इस मौके पर वक्ताओं ने डॉक्टर अयोध्या पासवान रचित पुस्तकों पर प्रकाश डाला। मौके पर सुखदेव राउत, दयाशंकर झा, राजेंद्र पासवान, कपिल देव झा, अरविंद कुमार, रंजीत क्रांति, वरुण लाल दास, अनिल कुमार, सुनील कुमार राम, सुंदर पासवान सहित दर्जनों विद्वान उपस्थित थे।

कुशवाहा महासभा के दूसरे गुट का चुनाव हुए सम्पन्न, बिनोद अध्यक्ष तो सचिव बने शत्रुघ्न

मधुबनी, (ईएमएस)। मधुबनी में कुशवाहा महासभा के दो गुट होने के बाद एक गुट ने अपने चुनावी प्रक्रिया पूरी होने की घोषणा की है। मंगलवार को निर्वाचित प्रतिनिधियों को सर्टिफिकेट प्रदान किया गया। जिला चुनाव समिति के अनुसार 21 व 22 मार्च को अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, सह-सचिव एवं कोषाध्यक्ष पदों के लिए एक-एक नामांकन प्राप्त हुआ था। स्क्रूटनी के बाद सभी नामांकन वैध पाए गए, जिसके आधार पर सभी अभ्यर्थियों को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। जिसके तहत अध्यक्ष पद पर विनोद कुमार सिंह, सचिव पद पर शत्रुधन कुमार महतो, कोषाध्यक्ष पद पर दशरथ कुमार, उपाध्यक्ष पद पर अनिल कुमार एवं सह-सचिव पद पर प्रदीप कुमार महतो शामिल हैं। कार्यक्रम में निवर्तमान अध्यक्ष कृष्ण देव महतो, उमेश कुमार कौशिक, गौरी शंकर सिंह, शंकर प्रसाद, डॉ.कीर्तन प्रसाद सिंह, विजय कुमार सिंह, गंगा प्रसाद गंगोत्री, सत्यनारायण महती, कल्पेश्वर प्रसाद सिंह, अरुण कुमार, डॉ. मनोज कुमार वर्मा सहित कई लोग उपस्थित रहे।

बिहार ही नहीं देश की निगाहें टिकी
कौन बनेगा बिहार का मुख्यमंत्री ?

- बिना नितीश कुमार की सहमति के भाजपा का नहीं बन पाएगा सीएम

*** 14 अप्रैल के बाद नेतृत्व में बदलाव की संभावना**

पटना, (ईएमएस)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को विधान परिषद की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। वे पहले राज्यसभा के लिए चुने गए थे। हालांकि, बिहार का मुख्यमंत्री कौन होगा, इस बारे में अभी तक कोई अधिकृत घोषणा नहीं हुई है। इसे लेकर काफी चर्चा हो रही है।कौन बनेगा मुख्यमंत्रीइस पर बिहार ही नहीं समूचे देश की निगाहें टिकी है।

पिछले कुछ समय से नीतीश कुमार के करीबी संवैधानिक प्रावधानों का हवाला देते हुए संकेत दे रहे हैं कि कोई व्यक्ति विधानसभा या विधान परिषद का सदस्य पद छोड़ने के बाद भी छह महीने तक मुख्यमंत्री बना रह सकता है। वरिष्ठ मंत्री श्रवण कुमार जैसे नेताओं के ऐसे बयानों ने इन अटकलों को और हवा दी है। नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस (एनडीए) में मुख्यमंत्री पद के लिए अंदरूनी खींचतान की संभावना है। चूंकि जदयू के पास बीजेपी से सिर्फ चार विधायक कम हैं, इसलिए बीजेपी अपने सहयोगी को आसानी से नेतृत्व सौंपने के मूड में नहीं दिख रही है। लेकिन इस बात से भी इंकार नहीं किया जा सकता है कि बिना नितीश कुमार की सहमति के भाजपा अपने मनपसंद विधायक को मुख्यमंत्री बना दे।

*** 14 अप्रैल के बाद नेतृत्व में बदलाव की संभावना**

हालांकि, एनडीए सूत्रों के मुताबिक, नीतीश कुमार, जिनके अगले महीने की शुरुआत में राज्यसभा सदस्य के तौर पर शपथ लेने की संभावना है, ज़्यादा समय तक सत्ता में नहीं रहेंगे। उनके मुताबिक, नेतृत्व में बदलाव खरमास (14 अप्रैल तक) के बाद ही मुमकिन है, क्योंकि हिंदू कैलेंडर के हिसाब से खरमास को अशुभ माना जाता है। वहीं भाजपा खेमे में अपने पहले मुख्यमंत्री की संभावना को लेकर उत्साह का माहौल है।

*** सम्राट चौधरी और नित्यानंद राय के नामों पर हो रही है चर्चा**

इस बड़े हिंदी भाषी राज्य में लगभग दो दशकों से सत्ता में होने के बावजूद, भाजपा अभी तक मुख्यमंत्री का पद नहीं जीत पाई है। उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, जिनके पास गृह विभाग भी है, को मुख्यमंत्री पद के संभावित दावेदार के तौर पर देखा जा रहा है। चौधरी कोइरी समुदाय से हैं, जो राज्य में एक प्रभावशाली अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) समुदाय है, और अब तक किसी भी पार्टी से स्थायी रूप से जुड़े नहीं रहे हैं। दूसरी तरफ, यादव समुदाय लालू प्रसाद की राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) का कट्टर समर्थक माना जाता है, जबकि कुर्मी समुदाय लंबे समय से नीतीश कुमार को अपना नेता मानता रहा है। सम्राट चौधरी के अलावा, भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और मौजूदा केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय के नाम पर भी चर्चा हो रही है। माना जा रहा है कि उन्हें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का समर्थन हासिल है। भाजपा के कुछ वरिष्ठ नेताओं के मुताबिक, सम्राट चौधरी को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में शायद उतना समर्थन न मिले, जितना 2017 में भाजपा में शामिल होने से पहले उन्होंने राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) और जनता दल (जदयू) में करीब दो दशक बिताए थे।

*** विधायकों की बैठक में चुना जाएगा नया मुख्यमंत्री**

पार्टी सूत्रों के मुताबिक, नए मुख्यमंत्री का चुनाव विधायकों की बैठक में किया जाएगा, लेकिन आखिरी फैसला दिल्ली में आलाकमान करेगी। राजस्थान का उदाहरण दिया जा रहा है, जहां पहली बार विधायक बने भजनलाल शर्मा को मुख्यमंत्री बनाया गया था। इस बीच, जदयू सूत्रों के मुताबिक, वे नई सरकार में उचित हिस्सा पाने पर ज़ोर देंगे। इसके अलावा, नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार, जो हाल ही में पार्टी में शामिल हुए हैं, के नाम पर उपमुख्यमंत्री के पद के लिए विचार किया जा सकता है।

सुरक्षित ईंधन उपयोग एवं अफवाहों से सतर्क रहने के लिए जिला प्रशासन ने किया अपील

मधुबनी, (ईएमएस)। मधुबनी जिला प्रशासन ने जिले के लोगों से अपील किया है कि जिले में गैस, पेट्रोल एवं डीजल की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है। किसी प्रकार की कोई कमी नहीं है। जिला प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील किया है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें तथा अनावश्यक खरीददारी या भंडारण से बचें। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि कुछ भ्रामक सूचनाओं के कारण लोग आवश्यकता से अधिक ईंधन खरीदने का प्रयास कर रहे हैं, जो न केवल अन्य उपभोक्ताओं के लिए असुविधा उत्पन्न करता है, बल्कि सुरक्षा की दृष्टि से भी अत्यंत जोखिमपूर्ण है। पेट्रोल,डीजल को बोतलों, ड्रम या किसी भी अनधिकृत, ढीले कंटेनरों में संग्रहित या परिवहन न करें। गैस सिलेंडर, पेट्रोल या डीजल की अनावश्यक खरीददारी एवं जमाखोरी न करें। किसी भी प्रकार की अफवाहों पर विश्वास कर घबराहट में निर्णय न लें । केवल अधिकृत पेट्रोल पंपों से ही निर्धारित सुरक्षा मानकों के अनुरूप सीधे अपने वाहन में ईंधन भरवाएं। एलपीजी गैस सिलेंडर अधिकृत एजेंसी से ही प्राप्त करें। अपनी आवश्यकता के अनुसार ही ईंधन का उपयोग करें और सामान्य उपभोग की प्रक्रिया जारी रखें। पेट्रोलियम अधिनियम, 1934 की धाराओं 3, 4 एवं 5 के अंतर्गत पेट्रोलियम पदार्थों के भंडारण एवं परिवहन को नियंत्रित किया गया है। पेट्रोलियम नियम, 2002 के अनुसार केवल अनुमोदित कंटेनरों में ही ईंधन संग्रहण की अनुमति है। अनधिकृत तरीके से ईंधन का भंडारण, बिक्री या परिवहन करना दंडनीय अपराध है। जिसमें जुर्माना, लाइसेंस रद्दीकरण एवं कारावास तक का प्रावधान है। आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 के तहत सार्वजनिक सुरक्षा को खतरे में डालने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन ने सभी नागरिकों से अपील किया है कि ईंधन एवं गैस की जमाखोरी से बचें। अफवाह फैलाने वाले तत्वों से सतर्क रहें। यदि कहीं भी कालाबाजारी, जमाखोरी या अवैध भंडारण की सूचना मिले, तो तत्काल प्रशासन को सूचित कर सहयोग करें। प्रशासन यह भी स्पष्ट करता है कि आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति सुचारू रूप से जारी है और सभी नागरिकों के लिए पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। आपका संयम, जागरूकता एवं जिम्मेदार व्यवहार ही जिले में शांति एवं सुरक्षा बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

नालंदा भगदड़ की घटना अत्यंत पीड़ादायक एवं दुर्भाग्यपूर्ण, हम सभी मर्माहत- संजय सरावगी

पटना, (ईएमएस)। बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने नालंदा के मघड़ा के शीतला माता मंदिर में भगदड़ मचने से श्रद्धालुओं की मृत्यु और कई लोगों के घायल होने की घटना पर शोक संवेदना प्रकट की है। उन्होंने कहा कि यह घटना अत्यंत पीड़ादायक एवं दुर्भाग्यपूर्ण है, जिसने हम सभी को मर्माहत कर दिया है। उन्होंने कह, भगदड़ की हृदयविदारक घटना में श्रद्धालुओं की मृत्यु का समाचार अत्यंत दुखद है। ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूँ। उन्होंने शोकाकुल परिवारों के प्रति उन्होंने गहरी संवेदनाएँ प्रकट करते हुए कहा कि स्थानीय प्रशासन तत्परता से घायलों की सहायता में जुटा है। भाजपा अध्यक्ष संजय सरावगी ने आगे कहा कि सरकार इस घटना को लेकर संवेदनशील है। इस घटना पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और गृहमंत्री सम्राट चौधरी खुद नजर बनाये हुए हैं। इनके निर्देश पर वरिष्ठ अधिकारियों को भी घटनास्थल पर भेजा गया है। मुख्यमंत्री ने मृतकों के आश्रितों को आपदा प्रबंधन विभाग से चार-चार लाख रुपये एवं मुख्यमंत्री राहत कोष से दो-दो लाख रुपये (कुल छह लाख रूपये) अनुग्रह अनुदान देने का निर्देश भी दिया है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने भरोसा जताते हुए कहा कि इस घटना के लिए जो भी दोषी होंगे, उन्हें सरकार नहीं बख्शेगी।

महावीर जयंती पर जैन समाज के बीच पहुंचे भाजपा प्रदेश अध्यक्ष

पटना, (ईएमएस)। जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर के 2625वें जन्म कल्याणक (महावीर जयंती) के पावन अवसर पर मंगलवार को पटना के एक्जीबिशन रोड स्थित नारायण प्लाजा में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने पटना जैन श्वेताम्बर श्री संघ के पदाधिकारियों एवं सदस्यों के बीच उपस्थित होकर उनसे आत्मीय संवाद किया तथा महावीर जयंती की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने जैन समाज के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि यह समाज हमेशा से शांति, सेवा और संस्कारों का वाहक रहा है।

*** "सत्य, अहिंसा और त्याग ही समाज को सही दिशा देते हैं"**

अपने संबोधन में श्री सरावगी ने कहा कि भगवान महावीर द्वारा प्रतिपादित सत्य, अहिंसा और त्याग के सिद्धांत आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने हजारों वर्ष पहले थे। उन्होंने कहा कि इन सिद्धांतों को अपनाकर ही हम एक सशक्त, संवेदनशील और समरस समाज का निर्माण कर सकते हैं। उन्होंने आगे कहा कि आज के समय में जब समाज में आपसी वैमनस्य और तनाव की स्थितियां उत्पन्न होती हैं, ऐसे में भगवान महावीर का "अहिंसा परमो धर्मः" का संदेश हमें शांति, संयम और सहिष्णुता का मार्ग दिखाता है।

*** "महावीर के आदर्शों को जीवन में उतारना समय की आवश्यकता"**

प्रदेश अध्यक्ष ने सभी लोगों से आह्वान करते हुए कहा कि केवल महापुरुषों के विचारों का स्मरण करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनके आदर्शों को अपने दैनिक जीवन में अपनाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि यदि हम सभी भगवान महावीर के बताए मार्ग पर चलें, तो समाज में समरसता, भाईचारा और नैतिक

मूल्यों की स्थापना स्वतः हो जाएगी।

*** जैन समाज की भूमिका की सराहना**

श्री सरावगी ने पटना जैन श्वेताम्बर श्री संघ के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि जैन समाज हमेशा से समाज सेवा, शिक्षा और नैतिक मूल्यों के प्रचार-प्रसार में अग्रणी रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और नई पीढ़ी को सही दिशा मिलती है। कार्यक्रम के अंत में जैन समाज के प्रतिनिधियों ने प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत एवं आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में गणमान्य लोग, सामाजिक कार्यकर्ता एवं जैन समाज के सदस्य उपस्थित रहे।

शीतला माता मंदिर में हुई मौतों के लिए सरकार जिम्मेदार, बिजली की बढ़ी कीमतों के खिलाफ कांग्रेस का राज्यव्यापी आंदोलन- राजेश राम

पटना, (ईएमएस)। नालंदा के शीतला माता मंदिर में हुई भगदड़ और 9 श्रद्धालुओं की मौत पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेश राम ने राज्य सरकार को इसके लिए पूरी तरह जिम्मेदार ठहराया है। पटना स्थित कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा-जदयू की सरकार श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने में पूरी तरह विफल रही है।

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा के पंचायत स्तरीय नेताओं के पीछे घूमने के लिए पुलिस बल उपलब्ध रहता है, लेकिन शीतला माता मंदिर में आए हजारों श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए सरकार एक भी पुलिस जवान की तैनाती नहीं कर सकी। लगभग दस हजार से अधिक श्रद्धालुओं की भीड़ के बावजूद वहां व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस का एक जवान तक मौजूद नहीं था। भगदड़ के बाद लोग दम घुटने से तड़पते रहे, लेकिन समय पर एंबुलेंस तक नहीं पहुंची। यदि समय रहते घायलों को अस्पताल पहुंचाया जाता तो कई लोगों की जान बचाई जा सकती थी। मारे गए श्रद्धालुओं को श्रद्धांजली देने के लिए सदाकत आश्रम में दो मिनट का मौन रखा गया। राजेश राम ने कहा कि दुर्भाग्य से बिहार में ऐसी सरकार है जो आम लोगों की सुरक्षा और जीवन की चिंता करने के बजाय उन्हें मुश्किलों में धकेल रही है। पहले रसोई गैस की भारी किल्लत से लोग परेशान हैं और अब बिजली की दरों में बेतहाशा बढ़ोतरी कर दी गई है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने टाइम ऑफ डे (Time of Day) बिजली प्रणाली लागू कर गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डाल दिया है। चुनाव से पहले मुख्यमंत्री ने 125 यूनिट बिजली मुफ्त देने का वादा कर जनता का वोट लिया, लेकिन चुनाव के बाद उसी जनता से यह राशि सूद-ब्याज समेत वसूलने का काम शुरू कर दिया गया है। राजेश राम ने कहा कि शाम 5 बजे से रात 11 बजे तक का समय घरों में खाना बनाने और बच्चों की पढ़ाई का होता है, लेकिन इसी समय बिजली की दरों में 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी कर दी गई है। वहीं भीषण गर्मी में रात 11 बजे से सुबह 9 बजे तक जब लोगों को पंखे और कूलर की जरूरत होती है, तब बिजली की कीमतों में 10 प्रतिशत की वृद्धि कर दी गई है। इसका सीधा असर गरीब और मध्यम वर्ग के परिवारों पर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि पहले रसोई गैस की किल्लत और अब बिजली महंगी कर राज्य सरकार ने गरीबों के लिए खाना बनाना तक मुश्किल कर दिया है। राज्य के लगभग 1.88 करोड़ घरों पर इसका सीधा असर पड़ेगा। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा गरीबों और मध्यम वर्ग की आवाज बनकर खड़ी रही है। सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ कांग्रेस पार्टी राज्य भर में जन आंदोलन करेगी। इसी क्रम में 2 अप्रैल को बिहार के सभी प्रखंड मुख्यालयों पर कांग्रेस कार्यकर्ता विरोध प्रदर्शन करेंगे और इसके अगले दिन 3 अप्रैल को राजधानी पटना में बड़ा प्रदर्शन किया जाएगा। प्रेस वार्ता में प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम के आला पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं पूर्व विधान पार्षद प्रेमचंद्र मिश्रा, वरिष्ठ नेता असित नाथ तिवारी, ब्रजेश प्रसाद मुनन, पंकज यादव और चंद्रभूषण राजपूत भी उपस्थित थे।

विवादित बयान मामले में चर्चित वक्ता मौलाना अब्दुल्ला सलीम चतुर्वेदी गिरफ्तार

पूर्णिया। बिहार के पूर्णिया जिले से एक चर्चित इस्लामी वक्ता मौलाना अब्दुल्ला सलीम चतुर्वेदी को उत्तर प्रदेश की स्पेशल टास्क फोर्स ने गिरफ्तार किया है। यह बड़ी कार्रवाई सोमवार देर शाम अमौर थाना क्षेत्र के दलमालपुर गांव में की गई। मौलाना मूल रूप से अररिया जिले के जोकीहाट के निवासी बताए जाते हैं। उनकी गिरफ्तारी के बाद यूपी एसटीएफ की टीम उन्हें उत्तर प्रदेश ले गई है, जहां उन पर दर्ज दर्जनों मुकदमों के आधार पर आगे की कानूनी प्रक्रिया पूरी की जाएगी। शुरुआत में इस गिरफ्तारी को लेकर क्षेत्र में काफी भ्रम और तनाव की स्थिति बन गई थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सादे लिबास में आए कुछ लोगों ने अचानक मौलाना को हिरासत में ले लिया, जिसे स्थानीय लोग अपहरण समझ बैठे।

अनुशासन, समर्पण और सक्रिय भागीदारी से ही संगठन नई ऊंचाइयों तक पहुंच सकता हैः संजय सरावगी

पटना, (ईएमएस)। बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने मंगलवार को दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महा अभियान को लेकर विभिन्न जिलों के प्रशिक्षण टीम के साथ बैठक की। बैठक में प्रशिक्षण वर्ग के दौरान संगठन की विचारधारा, नीतियों और आगामी रणनीतियों पर विशेष बल देने की बात करते हुए संगठन की मूल भावना और दिशा को समझाया गया। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने बैठक में शामिल लोगों से पार्टी की मूल भावना और दिशा को जमीनी स्तर तक पहुंचाने के लिए अधिक प्रभावी भूमिका निभाने पर जोर दिया। उन्होंने संगठन निर्माण, वैचारिक स्पष्टता और कार्यकर्ता प्रशिक्षण को पार्टी की मजबूती का आधार बताते हुए कार्यकर्ताओं से अनुशासन और सेवा भाव के साथ काम करने पर जोर दिया। उन्होंने बैठक में मार्गदर्शन करते हुए संगठन को और मजबूत बनाने का आह्वान किया। उन्होंने जोर दिया कि अनुशासन, समर्पण और सक्रिय भागीदारी से ही संगठन नई ऊंचाइयों तक पहुंच सकता है। प्रशिक्षण में कार्यकर्ताओं की सक्रिय सहभागिता पर बल देते हुए इसे आवश्यक बताया। उन्होंन कहा कि प्रशिक्षण से पार्टी के मूल्य, आंतरिक लोकतंत्र और समन्वय की समझ बढ़ती है। उन्होंने निरंतर सीखने पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि 1420 मंडलों में यह प्रशिक्षण महाअभियान चलेगा, इसके बाद जिलास्तर पर यह अभियान चलाया जाएगा। मंडल स्तर पर यह अभियान 24 घंटों का हो रहा है। इस प्रशिक्षण महा अभियान में विभिन्न विषयों पर जैसे पार्टी का इतिहास, पार्टी की विचारधारा, सोशल मीडिया और एआई पर भी अलग-अलग सत्र आयोजित किये जा रंहे हैं। इस बैठक में प्रदेश संगठन महामंत्री भीखू भाई दालसनिया भी मौजूद रहे। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकारों की जनकल्याणकारी योजनाएं समाज के हर वर्ग तक पहुंचनी चाहिए। उन्होंने प्रशिक्षण वर्ग में इन योजनाओं के प्रचार-प्रसार में सक्रिय भूमिका निभाने की बात कही। मंगलवार की वर्चुअल रूप से आयोजित इस बैठक में पटना, मुंगेर, बेगूसराय, नालंदा, सीमांचल, कोशी, भागलपुर, चम्पारण, सारण, मगध, शाहाबाद, मिथिला और तिरहुत के क्षेत्रीय वर्ग प्रभारी, सह प्रभारी, जिला अध्यक्ष, जिला प्रभारी और जिला प्रशिक्षण टीम के सदस्यों ने भाग लिया।

इस बैठक में प्रदेश प्रशिक्षण टीम के सदस्य भी शामिल हुए।

संक्षिप्त खबरें

काशी में एमपी-यूपी का संगम

श्री काशी विश्वनाथ और उज्जैन महाकाल के बीच एमओयू, बेहतर प्रबंधन से होंगे सुगम दर्शन

वाराणसी (ईएमएस)। धार्मिक नगरी काशी में मंगलवार को मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और शासन ने विश्वनाथ मंदिर की व्यवस्था को लेकर विस्तृत मंथन किया और प्रस्तुतिकरण देखा। इसके बाद श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास और उज्जैन महाकाल मंदिर न्यास के बीच एमओयू साइन हुआ। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के कार्यपालक अधिकारी विश्व भूषण मिश्र ने बताया कि मानव संचालन प्रक्रिया (एसओपी) को लेकर तमाम कार्य धाम में किए गए हैं। उन्होंने बताया कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा के लिए जो प्रबंध किए गए हैं, हर घंटे में बदलती भीड़ को देखते हुए प्रक्रिया को अनुकूलित करने की वजह से ही महाकुंभ के पलट प्रवाह, शिवरात्रि तथा सावन में भी भीड़ को पूरी तरह नियंत्रित रखते हुए सुगम दर्शन की व्यवस्था की गई। मिश्र ने बताया कि उज्जैन महाकाल मंदिर न्यास भी सिंहस्थ कुंभ 2028 को लेकर तैयारियां कर रहा है। मानव संचालन प्रक्रिया को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के समक्ष विस्तृत चर्चा हुई। इसी प्रबंधन को लेकर आज एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) साइन किया गया। भविष्य में इस समझौते का और विस्तार किया जाएगा।

कांग्रेस पर हमलावर रक्षा मंत्री राजनाथ असम की उपेक्षा कर सौतेला व्यवहार करने का आरोप लगाया

तेजपुर,(ईएमएस)। असम के तेजपुर में चुनावी रैली में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कांग्रेस पर राज्य की उपेक्षा करने और उसके साथ सौतेला व्यवहार करने का आरोप लगाया। उन्होंने भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन की आगामी विधानसभा चुनावों में जीत पर विश्वास जताया। केंद्रीय रक्षा मंत्री सिंह ने असम की सांस्कृतिक और प्राकृतिक समृद्धि की तारीफ कर कहा कि यह भूमि न केवल चाय के लिए प्रसिद्ध है, बल्कि यह वीरता और साहस की भूमि भी है। उन्होंने असम के महान नायक लचित बोरफुकन और अन्य वीरों का जिक्र कर कहा कि असमवासियों की बहादुरी और जज्बे के कारण भाजपा सरकार का गठन अवरुद्ध नहीं किया जा सकता। उन्होंने भाजपा की प्रतिबद्धता पर जोर देकर कहा कि पार्टी असम की संस्कृति और पहचान की रक्षा करना चाहती है। उन्होंने बताया कि हिमंता शर्मा के नेतृत्व में राज्य में दो-इंजन वाली सरकार काम कर रही है, जिससे असम ने देश में विशिष्ट पहचान बनाई है। केंद्रीय मंत्री सिंह ने कांग्रेस शासन पर कटाक्ष कर कहा कि पार्टी ने हमेशा असम की उपेक्षा की और कुशासन के कारण राज्य की चर्चा उग्रवाद, गरीबी और अशांति के लिए होती रही। रक्षा मंत्री सिंह ने विकास पर जोर देकर बताया कि अब असम में भूखमरी और उग्रवाद की बजाय विकास और समृद्धि की बातें होती हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा ने सीमावर्ती गांवों को पिछड़े गांव की श्रेणी से निकालकर "देश के पहले गांव" का दर्जा दिलाया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले 12 वर्षों में पूर्वोत्तर का 30 बार दौरा किया, जबकि कांग्रेस शासन के दौरान इस क्षेत्र का दौरा बहुत कम होता था। रक्षा मंत्री सिंह के अनुसार, भाजपा ने असम की समृद्धि, सुरक्षा और पहचान सुनिश्चित करने के लिए लगातार प्रयास किए हैं और राज्य में विकास और शांति का माहौल बनाने में सफलता प्राप्त की है।

पुडुचेरी पहुंचे के. अन्नामलाई ने केंद्रशासित प्रदेश में एनडीए की जीत की संभानाए जाहिर की

पुडुचेरी,(ईएमएस)। तमिलनाडु भाजपा के पूर्व अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने आगामी 2026 पुडुचेरी विधानसभा चुनावों में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की जीत की संभावनाओं के प्रति आशा व्यक्त की। अन्नामलाई ने वर्तमान सरकार की उपलब्धियों, विशेष रूप से केंद्र शासित प्रदेश में बहुराष्ट्रीय कंपनियों के विकास की सराहना की और पुडुचेरी को विकास सूचकांकों में अग्रणी बताया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाजपा कार्यकर्ताओं से बातचीत कर अपने सर्वश्रेष्ठ मंत्र व्यापार, शिक्षा, आध्यात्मिकता और पर्यटन के साथ विकास रणनीति को दोहराया और जमीनी स्तर पर जनसंपर्क बढ़ाने का आग्रह किया। इसके पहले प्रधानमंत्री मोदी ने केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में भाजपा कार्यकर्ताओं से मुलाकात की और उनसे जमीनी स्तर पर संपर्क मजबूत करने तथा जनसमर्थन को वोटों में बदलने का आग्रह किया। पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित कर पीएम मोदी ने पुडुचेरी के विकास के लिए अपने दृष्टिकोण को दोहराया और सर्वश्रेष्ठ मंत्र-व्यापार, शिक्षा, आध्यात्मिकता और पर्यटन को एक रणनीतिक रोडमैप के रूप में प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा जब मैंने पुडुचेरी का दौरा किया, तब मैंने पुडुचेरी के विकास के लिए सर्वश्रेष्ठ का नारा दिया... मुझे खुशी है कि पुडुचेरी के लोगों, विशेषकर हमारे युवाओं को यह नारा बहुत पसंद आया। मतदान बूथ स्तर पर लामबंदी पर जोर देकर प्रधानमंत्री मोदी ने कार्यकर्ताओं से "मेरा बूथ, सबसे मजबूत" का नारा अपनाने और घर-घर जाकर प्रचार करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, "घर-घर जाइए, हर नागरिक से मिलिए और उन्हें स्पष्ट रूप से बताइए कि कांग्रेस-डीएमके का मतलब है परिवार सर्वोपरि, भाजपा-एनडीए का मतलब है पुडुचेरी सर्वोपरि, भारत सर्वोपरि।" उन्होंने चुनाव से पहले विपक्ष की आलोचना करते हुए यह बात कही।

कांगड़ा में पति ने कर दी पत्नी की कुल्हाड़ी से गला काटकर हत्या

कांगड़ा,(ईएमएस)। हिमाचल प्रदेश के जिला कांगड़ा में पति ने पत्नी की हत्या कर दी। जयसिंहपुर के कुटाहन गांव में 32 वर्षीय महिला कालटी देवी का पति सन्नी ने तेजधार हथियार से गला काट दिया। हत्या को अंजाम तब दिया गया जब महिला सो रही थी। महिला के तीन बच्चे हैं, दो लड़के व एक लड़की है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई थी व आरोपित को हिरासत में ले लिया। डीएसपी बैजनाथ संदीप शर्मा व फोरेंसिक टीम भी घटना स्थल पर पहुंच गए थे।

मृतका के परिजन जो बरोट के रहने वाले हैं मौके पर पहुंचे व आरोपितों को कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग की। आरोपित के भाई के अनुसार वहां पिछले तीन-चार दिन से परेशान था। जानकारी के अनुसार आरोपित सोमवार रात को अपने भाई के साथ झाड़-फूंक करवाने के लिए कहीं गया हुआ था व वहां से रात 12 बजे वह अपनी पत्नी काल्टी को लेकर अपने भाई के घर जो कुटाहण में रहता है, उसके पास चला गया। साढ़े तीन बजे के करीब आरोपित ने अपनी पत्नी पर कुल्हाड़ी से वार कर मौत के घाट उतार दिया। आरोपित के भाई ने बताया कि मृतका की बेटी जो उसके साथ सोई हुई थी, उसने मुझे उठाकर बताया कि मम्मी को काट दिया है। इसके बाद तुरंत पुलिस को फोन कर दिया।

पश्चिम बंगाल में अधिकारियों के ट्रांसफर पर निर्वाचन आयोग को कोर्ट से राहत

कोलकाता,(ईएमएस)। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव से पहले प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के ट्रांसफर को चुनौती देने वाली जनहित याचिका कलकत्ता उच्च न्यायालय ने मंगलवार को खारिज कर दी। निर्वाचन आयोग को राहत प्रदान करते हुए कोर्ट ने कहा कि मतदान से पहले प्रशासनिक तबादलों पर कोई रोक नहीं है। दरअसल याचिकाकर्ता ने हाईकोर्ट में याचिका दायर करते हुए दावा किया था कि मुख्य सचिव, गृह सचिव और पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) समेत कई वरिष्ठ अधिकारियों के बड़े पैमाने पर तबादले राज्य के प्रशासनिक कामकाज को प्रभावित करेंगे और निर्वाचन आयोग के आदेशों को निरस्त किया जाना चाहिए। हालांकि, मुख्य न्यायाधीश सुजॉय पॉल की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने याचिका खारिज करते हुए स्पष्ट किया कि निर्वाचन आयोग के अधिकारी अपने निर्णय लेने में स्वतंत्र हैं और उन्हें मनमाने तौर पर चुनौती नहीं दी जा सकती। यहां बताते चलें कि पश्चिम बंगाल में 294 सदस्यीय विधानसभा के लिए मतदान दो चरणों में आयोजित होगा। प्रथम मतदान 23 अप्रैल को और अंतिम 29 अप्रैल को होगा, जबकि मतगणना 4 मई को होगी। अदालत का यह निर्णय निर्वाचन आयोग के लिए बड़ी राहत माना जा रहा है, क्योंकि चुनाव से पहले प्रशासनिक स्थिरता बनी रहती है।

शांति, सह-अस्तित्व और मानवता का प्रतीक बना 'सम्राट संप्रति संग्रहालय': मोदी

पीएम मोदी ने किया 'सम्राट संप्रति म्यूज़ियम' का लोकार्पण, जैन विरासत को मिला वैश्विक मंच

तीन लाख से अधिक प्राचीन हस्तलिपियों का संरक्षण, 'ज्ञान भारतम मिशन' से विरासत को मिलेगा नया जीवन

गांधीनगर (ईएमएस)। गांधीनगर के कोबा स्थित श्री महावीर जैन आराधना केंद्र में भगवान महावीर जन्म कल्याणक के पावन अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के करकमलों से विश्वस्तरीय 'सम्राट संप्रति म्यूजियम' का भव्य लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर राष्ट्र संत जैनाचार्य श्री पद्मसागर सूरीश्वरजी, राज्यपाल आचार्य देवव्रतजी, मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल तथा अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि कोबा जैन तीर्थ वर्षों से अध्ययन, साधना और आत्म-अनुशासन की परंपराओं का केंद्र रहा है। यहां मूल्यों का संरक्षण, संस्कारों का संवर्धन और ज्ञान का पोषण—ये तीनों मिलकर भारतीय सभ्यता की मजबूत नींव बनाते हैं। उन्होंने कहा कि यह म्यूजियम जैन दर्शन, भारतीय संस्कृति और प्राचीन विरासत का जीवंत केंद्र है, जो आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देता रहेगा। सम्राट संप्रति के ऐतिहासिक महत्व का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि वे केवल एक राजा नहीं थे, बल्कि भारत के दर्शन और ज्ञान परंपरा को जोड़ने वाले सेतु थे। म्यूजियम की सात गैलरियां भारत की सांस्कृतिक विविधता और समृद्धि को दर्शाती हैं, जिनमें नवपद, तीर्थंकरों के उपदेश और जैन दर्शन को कलात्मक रूप में प्रस्तुत किया गया है।

साथ ही वैदिक, बौद्ध और अन्य धार्मिक परंपराओं का भी समावेश किया गया है।

प्रधानमंत्री ने वैश्विक स्तर पर शांति और मानवता के संदेश को फैलाने में इस संग्रहालय की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया और दुनिया भर के विद्यार्थियों, शोधकर्ताओं और पर्यटकों से यहां आने का आह्वान किया। उन्होंने तक्षशिला और नालंदा जैसे प्राचीन विश्वविद्यालयों का उल्लेख करते हुए कहा कि विदेशी आक्रमणों के बावजूद आम लोगों ने हस्तलिपियों को संरक्षित रखा। जैनाचार्य पद्मसागर सूरीश्वरजी द्वारा 60 वर्षों में एकत्रित तीन लाख से अधिक प्राचीन हस्तलिपियां इस म्यूजियम में सुरक्षित रखी गई हैं। सरकार द्वारा 'ज्ञान भारतम मिशन' के माध्यम से इन धरोहरों के डिजिटलीकरण, संरक्षण और आर्काइविंग का कार्य किया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज भारत अपनी सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के लिए मंदिरों के पुनरुद्धार, तीर्थ विकास, योग और आयुर्वेद के प्रचार जैसे अनेक स्तरों पर कार्य कर रहा है। उन्होंने लोथल में बन रहे विश्वस्तरीय म्यूजियम, वडनगर और दिल्ली में प्रस्तावित 'युगे युगीन भारत म्यूजियम' का भी उल्लेख किया। अंत में प्रधानमंत्री ने कहा कि भगवान महावीर के जन्मदिवस पर कोबा का यह कार्यक्रम जड़ों से जुड़ने का प्रतीक है, जबकि साणंद में आधुनिक सेमीकंडक्टर तकनीक भारत को वैश्विक स्तर पर नई पहचान दे रही है।

एमपी के सीएम डॉ. मोहन यादव ने श्रीकाशी विश्वनाथ धाम में किया दर्शन-पूजन, कहा

धार्मिक पर्यटन से आयेगा लोगों के जीवन में बदलाव

वाराणसी (ईएमएस)। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने और सुगम दर्शन व्यवस्था सुनिश्चित करने पर जोर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि धार्मिक पर्यटन के माध्यम से लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने और विकास की नई संभावनाएं सृजित करने का कार्य हो रहा है।

एमपी-यूपी सहयोग सम्मेलन 2026 में भाग लेने के लिए वाराणसी पहुंचे सीएम डा. यादव ने श्री काशी विश्वनाथ धाम में दर्शन-पूजन किया और भ्रमण के बाद अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। एमपी के मुख्यमंत्री ने उदाहरण देते हुए कहा कि महाकाल धाम के लोकार्पण के बाद उज्जैन की पूरी अर्थव्यवस्था बदल गई है। ठीक उसी तरह श्री काशी विश्वनाथ धाम के विकास के बाद यहां भी व्यापक बदलाव आया है। यात्रियों और श्रद्धालुओं की संख्या निरंतर बढ़ रही है तथा विकास की नई गाथा लिखी जा रही है। उन्होंने बताया कि दोनों राज्यों के बीच परस्पर सौहार्द और सहयोग बढ़ाते हुए विकास की गति को तेज किया जा रहा है। बैठक में महाकालेश्वर धाम और बाबा विश्वनाथ धाम की व्यवस्थाओं पर विस्तृत चर्चा हुई। विभिन्न व्यवस्थाओं की जानकारी का आदान-प्रदान किया गया। इस संबंध में एक एमओयू पर भी हस्ताक्षर किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि देवस्थानों के माध्यम से समाज को बेहतर व्यवस्था प्रदान करना प्रमुख उद्देश्य है। बैठक में उज्जैन में वर्ष 2028 में होने वाले सिंहस्थ कुंभ और प्रयागराज के महाकुंभ के दौरान भीड़ प्रबंधन तथा श्री काशी विश्वनाथ धाम में अपनाई गई व्यवस्थाओं पर चर्चा की गई।

कई प्रस्तुतियां भी देखी गईं। बदलते परिवेश में और बेहतर प्रबंधन कैसे किया जा सकता है, इस पर विस्तार से विचार-विमर्श हुआ। व्यापार-व्यवसाय में दोनों राज्यों के बीच बेहतर तालमेल, स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा और युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने जैसे मुद्दों पर भी चर्चा होगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि सम्राट विक्रमादित्य को लेकर शोध कार्य चल रहा है और सरकार फेलोशिप भी दे रही है। विक्रमादित्य की विराट जीवनी को नाट्य रूप में लोगों के सामने लाने के लिए 3 से 5 अप्रैल तक काशी में एक बड़ा आयोजन होने जा रहा है। इस दौरान हाथी, घोड़े, ऊंट और पालकी के साथ 300-400 कलाकार मिलकर भव्य नाट्य प्रस्तुति करेंगे। उन्होंने कहा कि दोनों राज्य साझा संस्कृति को विकसित कर रहे हैं। सोलर एनर्जी पर भी सहयोग बढ़ाया जा रहा है। सोलर प्रोजेक्ट के माध्यम से दोनों राज्यों के बीच लगभग 2000 मेगावाट बिजली उत्पादन की दिशा में काम चल रहा है, जिससे दोनों राज्यों के किसानों को लाभ पहुंचेगा। डॉ. यादव ने कहा कि काशी, उज्जैन, हरिद्वार जैसे प्राचीन धार्मिक नगरों की पवित्रता को बनाए रखते हुए उनकी व्यवस्थाओं को आधुनिक बनाना सरकारों की प्राथमिकता है, ताकि आस्था और विकास को साथ लेकर आगे बढ़ा जा सके।

उदयनिधि स्टालिन का विवादित बयान

पलानीस्वामी को भाजपा का "आक्रामक गुलाम" बताया

चेन्नई,(ईएमएस)। तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी पारा चढ़ता जा रहा है। राज्य के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने चुनावी सभा में विपक्षी नेता एडप्पादी के. पलानीस्वामी पर तीखा हमला किया। उन्होंने पलानीस्वामी को भाजपा का "आक्रामक गुलाम" बताकर आरोप लगाया कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अधीन काम कर रहे हैं और तमिलनाडु में भाजपा को मजबूत करने का प्रयास कर रहे हैं। यह सभा डीएमके उम्मीदवार और लोक निर्माण मंत्री ई.वी. वेलू के समर्थन में आयोजित की गई थी, जिसमें कांग्रेस, एमडीएमके, डीएमडीके, वीसीके, सीपीआई (एम) और सीपीआई सहित हजारों कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। डिप्टी सीएम स्टालिन खुले वाहन से सभा में पहुंचे और मतदाताओं से डीएमके के 'उगते सूरज' चिन्ह का समर्थन करने की अपील की। उन्होंने वेलू की प्रशासनिक दक्षता और अनुभव की सराहना की, यह भी याद दिलाया कि पूर्व मुख्यमंत्री एम.करुणानिधि और वर्तमान मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने उनकी कार्यकुशलता की प्रशंसा की थी। उन्होंने वेलू की पिछली जीत का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्हें 95,000 वोटों का अंतर मिला था और इस बार इसे एक लाख तक बढ़ाने की उम्मीद है। उदयनिधि ने बीते पांच वर्षों में निर्वाचन क्षेत्र में हुए विकास कार्यों को उजागर किया, जिनमें बस स्टैंड का नवीनीकरण, सड़कों का चार लेन में रूपांतरण, एकीकृत शिक्षा कार्यालय, 56 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित सरकारी आदर्श विद्यालय भवन, नहरों का जीर्णोद्धार, अस्पतालों में सुधार, स्वच्छता कार्यक्रम, जन शिकायत निवारण केंद्र, मंदिरों के आसपास पक्की सड़कें और अंतरराष्ट्रीय सभागार जैसे पर्यटन संबंधी बुनियादी ढांचे शामिल हैं।

किन्नर समुदाय को ओबीसी में शामिल करना 'दिखावा': हाईकोर्ट की सख्त टिप्पणी

सरकार को कोर्ट से झटका, नई नीति तक 3 प्रतिशत अतिरिक्त अंक देने का आदेश

जोधपुर,(ईएमएस)। राजस्थान हाईकोर्ट की जोधपुर मख्यपीठ ने किन्नर (ट्रांसजेंडर) समुदाय को ओबीसी सूची में शामिल करने के राज्य सरकार के फैसले पर कड़ी टिप्पणी करते हुए इसे "महज दिखावा" और "आंखों में धूल झोंकना" करार दिया है। जस्टिस अरुण मोंगा और योगेंद्र कुमार पुरोहित की खंडपीठ ने 12 जनवरी 2023 की उस अधिसूचना पर सवाल उठाए, जिसमें किन्नर समुदाय को ओबीसी सूची में क्रमांक 92 पर शामिल किया गया था। अदालत ने अपने रिपोर्टेबल फैसले में स्पष्ट निर्देश दिया कि जब तक राज्य सरकार इस विषय पर स्पष्ट और समुचित आरक्षण नीति नहीं बनाती, तब तक किन्नर समुदाय के अभ्यर्थियों को सरकारी नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश के लिए 3 प्रतिशत अतिरिक्त अंक (एडिशनल वेटेज) दिया जाए। यह मामला जालोर जिले की रानीवाड़ा तहसील की निवासी गंगा कुमारी द्वारा दायर याचिका से जुड़ा है। याचिकाकर्ता ने पहले वर्ष 2021 में 1प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण की मांग को लेकर याचिका दायर की थी। इस पर अदालत ने 14 फरवरी 2022 को नाल्सा जजमेंट के तहत उचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए थे। आदेश का पालन न होने पर अवमानना याचिका दायर की गई। हालांकि, बाद में राज्य सरकार द्वारा 2023 में अधिसूचना जारी किए जाने के बाद अवमानना याचिका खारिज हो गई। इसके बाद याचिकाकर्ता ने 2024 में नई याचिका दायर की, जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने यह अहम फैसला सुनाया।

रक्षा मंत्रालय और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के बीच समझौता

वायुसेना के लिए दो माउंटेन रडार खरीदने के लिए

नई दिल्ली,(ईएमएस)। रक्षा मंत्रालय और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के बीच भारतीय वायुसेना के लिए दो माउंटेन रडार खरीदने को लेकर लगभग 1,950 करोड़ रुपए का यह महत्वपूर्ण समझौता हुआ है। यह समझौता 31 मार्च को नई दिल्ली में दोनों पक्षों के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में हुआ। रक्षा मंत्रालय के अनुसार यह सौदा 'भारतीय-स्वदेशी रूप से डिजाइन, विकसित और निर्मित' श्रेणी के तहत किया गया है। इसका अर्थ यह है कि इस परियोजना में देश में विकसित तकनीक का उपयोग किया जाएगा। इन रडार सिस्टम को रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन की इलेक्ट्रॉनिक्स एवं रडार विकास स्थापना द्वारा डिजाइन और विकसित किया गया है। वहीं, इसका निर्माण भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड करेगी। निर्माण की इस महत्वपूर्ण परियोजना में रडार के साथ-साथ उससे जुड़े उपकरण और जरूरी बुनियादी ढांचे को भी शामिल किया गया है। इस सौदे का एक बड़ा फायदा यह भी है कि इससे विदेशी रक्षा उपकरणों पर निर्भरता कम होगी और देश में ही रक्षा उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही, इससे देश में रोजगार के नए अवसर भी पैदा होने और घरेलू भारतीय रक्षा उद्योगों को मजबूती मिलेगी। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि यह समझौता भारत को रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है। इससे देश की सुरक्षा व्यवस्था को भी और अधिक सशक्त बनाने में मदद मिलेगी। ये अत्याधुनिक रडार दुर्गम क्षेत्रों में भी सटीकता के साथ काम करने में सक्षम हैं। विशेष रूप से पहाड़ी और कठिन सीमावर्ती इलाकों में दुश्मन की हवाई गतिविधियों पर नजर रखने के लिए कारगार हैं। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, इन रडार की तैनाती से देश की वायु रक्षा क्षमता (एयर डिफेंस) और बेहतर होगी। साथ ही दुश्मन की किसी भी हरकत का समय रहते पता लगाना आसान होगा। गौरतलब है कि भारत की सीमाएं, खासकर उत्तर और पूर्व दिशा में, पहाड़ी क्षेत्रों से वहीं पश्चिम में रेगिस्तान से घिरी हुई हैं। इसके बाद ये आधुनिक रडार अलग-अलग टेरीयन में भारतीय वायुसेना के लिए बेहद महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं। रक्षा मंत्रालय की यह पहल आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत की गई है।

उत्तराखंड पवित्र और आध्यात्मिक प्रदेश, जहां प्राकृतिक संपदा और धार्मिक महत्व दोनों: बाबा रामदेव

देहरादून,(ईएमएस)। बाबा रामदेव ने 2026 में उत्तराखंड के विकास और वैश्विक परिप्रेक्ष्य पर अपनी विचारधारा साझा की। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड पवित्र और आध्यात्मिक प्रदेश है, जहां प्राकृतिक संपदा और धार्मिक महत्व दोनों की भरमार है। उनका मानना है कि राज्य में इसतरह के प्रयास होने चाहिए, जिससे विश्वभर के पर्यटक और श्रद्धालु यहां आकर्षित हों। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड स्विट्जरलैंड जैसी विकसित स्थिति हासिल कर सकता है, न केवल औद्योगिक विकास में बल्कि 'ग्लोबल हेल्थ हब' के रूप में भी। बाबा रामदेव ने बताया कि राज्य में उपलब्ध दुर्लभ औषधियों के माध्यम से बीपी, शुगर और अन्य गंभीर बीमारियों का प्रभावी उपचार संभव है।

हर की पौड़ी के संदर्भ में उन्होंने कहा कि गंदगी और अव्यवस्था से पवित्र स्थल की छवि खराब होती है। घाटों पर कचरा और झोपड़ियां हैं, लेकिन वे भी गरिमापूर्ण होनी चाहिए। कुंभ के पावन मौके पर पतंजलि को सेवा का अवसर मिलने पर बाबा रामदेव ने हर की पौड़ी का कायाकल्प स्वयं के संसाधनों से करने का प्रयास बताया। मिडिल ईस्ट के तनाव पर उन्होंने चिंता जताकर कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में अमेरिका और इजरायल की नीतियों ने वैश्विक संकट बढ़ाया है। बाबा ने स्पष्ट किया कि उनका दृष्टिकोण किसी देश के पक्ष में नहीं बल्कि मानवता के पक्ष में है। उन्होंने कहा कि जाति, क्षेत्र या धर्म के आधार पर दूरी पैदा करने वाले समाज को गुमराह कर रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप जैसी व्यक्तित्वों पर उन्होंने टिप्पणी करते हुए कहा कि विश्व शांति के लिए व्यक्तिगत अहंकार से ऊपर उठकर मानवीय मूल्यों को प्राथमिकता देना आवश्यक है। उन्होंने मिडिल ईस्ट संघर्ष पर भारत की नीति की भी सराहना की। बाबा रामदेव के अनुसार, जब दो पक्षों में संघर्ष हो, अनावश्यक हस्तक्षेप से बचना बुद्धिमत्ता है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की संतुलित विदेश नीति की प्रशंसा करते हुए इसे राष्ट्रहित में बताया। बाबा रामदेव ने उत्तराखंड को आध्यात्मिक, पर्यटन और स्वास्थ्य क्षेत्र में वैश्विक रूप से विकसित करने की संभावनाओं पर जोर दिया और मिडिल ईस्ट के तनाव पर मानवता आधारित दृष्टिकोण अपनाने का संदेश दिया।

बाघ-तेंदुए के अंगों की तस्करी में दोषी पाए गए छह आरोपी, दो-दो साल की सजा

लखनऊ,(ईएमएस)। लखनऊ स्थित सीबीआई कोर्ट ने बाघ और तेंदुए के अंगों की अवैध तस्करी से जुड़े बड़े मामले में छह आरोपियों मुमताज अहमद, जैबुन निशा, अजीज उल्लाह, वहीद, सरताज और मजीद को दोषी ठहराकर दो-दो साल की सजा और प्रत्येक पर 10,000 रुपये का जुर्माना लगाया है। यह मामला वन्यजीव अपराधों के खिलाफ एक महत्वपूर्ण कार्रवाई माना जा रहा है। जांच के दौरान सीबीआई ने आरोपियों के ठिकानों पर छापेमारी कर भारी मात्रा में प्रतिबंधित वन्यजीव सामग्री बरामद की थी। इसमें तेंदुए के करीब 18,000 नाखून, 74 खालें, बाघ की चार खालें तथा बाघ और तेंदुए की हड्डियां शामिल थीं। ये सभी वस्तुएं वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की अनुसूची-I के अंतर्गत आती हैं, जो इन्हें सर्वोच्च स्तर की सुरक्षा प्रदान करती है। इस अधिनियम के तहत इनका संग्रह, व्यापार या परिवहन पूरी तरह प्रतिबंधित है। सीबीआई ने यह मामला 23 मार्च 2000 को दर्ज किया था और विस्तृत जांच के बाद 15 जुलाई 2000 को अदालत में आरोपपत्र दाखिल किया। जांच में यह स्पष्ट हुआ कि आरोपी संगठित तरीके से वन्यजीवों के अंगों की तस्करी और अवैध व्यापार में शामिल थे। अदालत ने अभियोजन पक्ष द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों के आधार पर सभी आरोपियों को वन्यजीव संरक्षण अधिनियम की धारा 49-बी और धारा 51 के तहत दोषी पाया। अधिकारियों के अनुसार, यह फैसला वन्यजीव अपराधों के खिलाफ सख्त रुख को दर्शाता है और अवैध तस्करी में शामिल गिरोहों के लिए एक मजबूत संदेश है। यह दोषसिद्धि न केवल कानून के प्रभावी क्रियान्वयन को दर्शाती है, बल्कि लुप्तप्राय प्रजातियों के संरक्षण और उनके अवैध शिकार व व्यापार को रोकने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

संपादकीय

रुपये की गिरावट रोकने रिजर्व बैंक के एक्शन से बैंकों पर दबाव

पश्चिम एशिया में जारी तनाव और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के बीच भारतीय रुपया डॉलर के मुकाबले में लगातार गिरता चला जा रहा है। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये की कीमत 95.30 के स्तर तक पहुंच गई है। इस वर्ष डॉलर के मुकाबले रुपए में करीब 11 प्रतिशत की गिरावट हुई है। पिछले 14 वर्षों में यह सबसे बड़ी गिरावट है। इस स्थिति को संभालने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कड़ा कदम उठाते हुए बैंकों की नेट ओपन रुपया (एनओपी) पर 100 मिलियन डॉलर की सीमा तय कर दी है। आरबीआई के निर्देश के अनुसार, सभी अधिकृत विदेशी मुद्रा डीलरों को 10 अप्रैल से प्रत्येक कारोबारी दिन के अंत में अपनी ओपन पोजीशन इस तय सीमा के भीतर रखनी होगी। इससे पहले बैंकों को अपनी कुल पूंजी के 25 प्रतिशत तक डॉलर मुद्रा रखने की छूट थी। जिससे बैंकों और डीलरों के लिए डॉलर रखने की कोई सीमा नहीं थी। रिजर्व बैंक द्वारा डॉलर की सीमा निर्धारित कर दिए जाने के कारण अब रुपए के मुकाबले डॉलर की मांग कम होगी। रिजर्व बैंक ने डॉलर और रुपए की सट्टेबाजी को रोकने के लिए यह कदम उठाया है। जिस तरह से डॉलर की कीमत बढ़ रही थी उसके साथ ही सट्टेबाजी में डॉलर मुद्रा का उपयोग हो रहा था जिसके कारण रुपए में अकारण गिरावट देखने को मिल रही थी। वित्त मंत्रालय और रिजर्व बैंक का मानना है की सीमा निर्धारित कर दिए जाने से सट्टेबाजी में रोक लगेगी। कुछ बड़े निवेशक डॉलर का उपयोग सट्टेबाजी के लिए कर रहे थे। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है, रिजर्व बैंक के इस फैसले से बैंकों और ट्रेडर्स को डॉलर मे निवेश को कम करना पड़ेगा, जिससे डॉलर की मांग कम होगी, इससे रुपये को मजबूती मिलेगी।

रिजर्व बैंक की इस कार्रवाई से कई दुष्प्रभाव भी देखने को मिल सकते हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, बैंकों को 30 से 45 अरब डॉलर की पोजीशन को कम या समाप्त करना पड़ सकता है, भविष्य में डॉलर की कमी से डीलरों, बैंकों और आयातकों को नुकसान हो सकता है। हाल ही में रुपए में मजबूती जरूर आ जाएगी, लेकिन भविष्य में इसका बड़ा दुष्प्रभाव भी देखने को मिल सकता है। डॉलर मुद्रा को लेकर छोटे लेन-देन में इसका दुष्प्रभाव पड़ेगा। वहीं डॉलर मुद्रा में भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। जिससे बाजार में अस्थिरता बढ़ने का खतरा है। रिजर्व बैंक ने जो सीमा निर्धारित की है, पूर्व में किए गए अनुबंध और डॉलर के लेन-देन पर इसका असर पड़ना तय है। बैंकों को इस कारण भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। सभी बैंक एक साथ डॉलर मुद्रा को इस सीमा पर लाने की कार्रवाई करते हैं, तो बाजार में डॉलर की आपूर्ति अचानक बढ़ेगी। डॉलर के मुकाबले रुपए की कीमत में सुधार आएगा। आगे चलकर यह स्थिति भविष्य के लिए जटिल हो सकती है। बैंकों ने आरबीआई से समय सीमा को बढ़ाने की मांग की है। बैंकों ने पुराने लेनदेन और डॉलर मुद्रा के निवेश पर इस सीमा से बाहर रखने की मांग की है। बेंकों का सुझाव है, नए सौदों पर यह नियम लागू किए जाएं, ताकि धीरे-धीरे डॉलर मुद्रा के लेन-देन को लेकर संतुलन बनाया जा सके।

आर्थिक विशेषज्ञों के अनुसार, आरबीआई का यह कदम जरूरी था। सट्टेबाजी के कारण डॉलर के मुकाबले रुपया लगातार गिर रहा था। रिजर्व बैंक ने एक ही बार में हथोड़ा पटक दिया है। इस सीमा को चरणबद्ध तरीके से लागू करना ज्यादा प्रभावी साबित हो सकता है। बैंकों की मांग नाजायज नहीं है। शेयर बाजार और बैंकों के निवेश में वह आकर्षण नहीं था जो डॉलर मुद्रा पर था जिसके कारण भारत में डॉलर मुद्रा को लेकर सट्टेबाजी बड़ी मात्रा में हो रही थी। रिजर्व बैंक की इस कार्रवाई से डॉलर के मुकाबले रुपए की गिरावट को रोकने में मदद मिलेगी, लेकिन यह मदद कितने समय तक रहेगी इसका कोई आकलन रिजर्व बैंक और वित्त मंत्रालय द्वारा नहीं किया गया। इसे जल्दबाजी में उठाया गया एक कदम माना जा सकता है। वित्त मंत्रालय और रिजर्व बैंक को इस पर गंभीरता से विचार विमर्श करने की जरूरत है। भारत के आयात-निर्यात व्यापार में एवं अन्य लेन-देन में डॉलर मुद्रा का अपना वजूद है। भारत में यदि डॉलर पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नहीं होगा, ऐसी स्थिति में और भी कई तरीके की मुश्किलें खड़ी हो सकती हैं। बैंकों द्वारा यदि डॉलर मुद्रा की निकासी बहुत कम समय में की गई तो ऐसी स्थिति में बैंकों को भारी नुकसान हो सकता है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज संसद के अंदर जिस तरह से विश्वास के साथ कहा है कि रुपए की गिरावट को थामने के लिए सरकार कार्यवाही कर रही है। इसका असर बाजार में देखने को मिला है। यह कितने समय तक रहेगा, इसको लेकर तरह-तरह की आशंकाएं भी जताई जा रही हैं।

डिजिटलीकरण की रफ्तार और 'डिजिटल जहर' का खतरा

सुनील कुमार महला

आज हमारा देश भारत तेजी से डिजिटाइजेशन की ओर अग्रसर है, और कहना ग़लत नहीं होगा कि इसमें स्मार्टफोन विशेषकर एंड्रॉयड का सबसे बड़ा योगदान है। यहां पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि वैश्विक स्तर पर जहां एंड्रॉयड उपयोगकर्ताओं की संख्या लगभग 3.9 अरब (390 करोड़) है, वहीं भारत में वर्ष 2025–2026 के अनुमान के अनुसार कुल स्मार्टफोन उपयोगकर्ताओं की संख्या लगभग 75 करोड़ (750 मिलियन) तक पहुंच चुकी है। इनमें से लगभग 89%-90% स्मार्टफोन एंड्रॉयड आधारित हैं। अर्थात सरल शब्दों में कहें तो भारत में करीब 65-70 करोड़ लोग एंड्रॉयड फोन का उपयोग कर रहे हैं।यह भी कहा जा सकता है कि आज हर 10 में से लगभग 9 लोग एंड्रॉयड फोन का इस्तेमाल कर रहे हैं। वास्तव में, हमारे देश में सस्ते डेटा प्लान, किफायती स्मार्टफोन और डिजिटल सेवाओं का विस्तार इस तेज़ी के प्रमुख कारण हैं। हालांकि, इस डिजिटल क्रांति का एक चिंताजनक पहलू भी सामने आ रहा है-'डिजिटल जहर' अर्थात मोबाइल और स्क्रीन की बढ़ती लत, जो विशेष रूप से बच्चों और किशोरों के लिए गंभीर सामाजिक और स्वास्थ्य संकट बनती जा रही है। आंकड़े इस समस्या की भयावहता को स्पष्ट करते हैं। क्या यह चिंताजनक बात नहीं है कि हमारे देश में 0-5 वर्ष के बच्चे प्रतिदिन औसतन 2.2 घंटे स्क्रीन पर बिताते हैं, जो विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा निर्धारित सुरक्षित सीमा से लगभग दोगुना है। वहीं, 2 वर्ष से कम उम्र के बच्चे भी औसतन 1.2 घंटे स्क्रीन देखते हैं, जबकि उनके लिए स्क्रीन टाइम शून्य होना चाहिए। इतना ही नहीं, यदि हम यहां पर स्कूल जाने वाले बच्चों की बात करें, तो एक अध्ययन के अनुसार 62.5% बच्चों में मध्यम से उच्च स्तर की स्क्रीन लत पाई गई है, और उनका औसत स्क्रीन टाइम लगभग 4 घंटे प्रतिदिन है। एक अन्य रिपोर्ट बताती है कि भारत के 74% छात्र रोजाना 2 घंटे से अधिक स्क्रीन का उपयोग करते हैं, जिनमें से 21% बच्चे 4 घंटे से भी अधिक समय मोबाइल, गेमिंग या सोशल मीडिया पर बिताते हैं। लगभग 70% माता-पिता का मानना है कि उनके बच्चे वीडियो और ओटीटी प्लेटफॉर्म्स के आदी हो चुके हैं। और भी चिंता की बात यह है कि 64% बच्चे सोशल मीडिया और गेमिंग के आदी हैं, जबकि केवल 20% बच्चों में किसी प्रकार की डिजिटल लत नहीं पाई गई है।एक उपलब्ध जानकारी के अनुसार आज के समय में भारत में लगभग 90% किशोरों के पास स्मार्टफोन की पहुंच है और 76% बच्चे मनोरंजन के लिए सोशल मीडिया का उपयोग करते हैं। आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 ने भी डिजिटल लत को बच्चों और युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य के लिए एक गंभीर खतरा बताया है, क्योंकि यह उनकी पढ़ाई, एकाग्रता और व्यवहार पर नकारात्मक प्रभाव डाल रही है।

इस डिजिटल लत के दुष्परिणाम भी स्पष्ट रूप से सामने आ रहे हैं। मसलन, ध्यान में कमी, चिड़चिड़ापन, नींद की समस्या, पढ़ाई में गिरावट, सामाजिक दूरी, अकेलापन, मानसिक तनाव और अवसाद जैसी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। यहां पाठकों को बताता चलूं कि हाल ही में राज्यसभा में भी इस मुद्दे को गंभीरता से उठाया गया, जहां यह बताया गया कि कई बच्चे प्रतिदिन 7-8 घंटे मोबाइल स्क्रीन पर बिता रहे हैं। इससे उनकी शिक्षा, सामाजिक जीवन और नींद पर गहरा नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है।विशेषज्ञों ने इस स्थिति को 'डिजिटल गुलामी' तक करार दिया है, क्योंकि बच्चे मोबाइल के बिना स्वयं को असहज महसूस करते हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि आज के समय में सोशल मीडिया पर लाइक्स और कमेंट्स की होड़ बच्चों में हीन भावना, तनाव और अवसाद को बढ़ा रही है, वहीं ऑनलाइन बुलिंग जैसी समस्याएं भी उनके मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर रही हैं।

मूर्ख दिवसः हमारा मजाक न बने किसी की पीड़ा का कारण

योगेश कुमार गोयल

तनाव भरे दौर में मुस्कान का पर्व है मूर्ख दिवस

(मूर्ख दिवस (1 अप्रैल) पर विशेष)

विश्वभर में 1 अप्रैल को मनाया जाने वाला 'मूर्ख दिवस' केवल एक साधारण दिन नहीं बल्कि हंसी, उल्लास और हल्के-फुल्के मजाक का ऐसा अवसर है, जो लोगों को रोजमर्रा की तनावपूर्ण जिंदगी से कुछ पल के लिए राहत प्रदान करता है। इस दिन छोटे-बड़े, बच्चे-बुजुर्ग, सभी एक-दूसरे के साथ मजाक करते हैं और बिना किसी दुर्भावना के हंसी-ठिठोली के माध्यम से माहौल को खुशनुमा बना देते हैं। इस दिवस की सबसे खास बात यह है कि इसमें किए जाने वाले मजाक आमतौर पर हानिरहित होते हैं। लोग ऐसी कल्पनात्मक या मनगढ़ंत बातें प्रस्तुत करते हैं, जिन पर सामने वाला आसानी से विश्वास कर ले और बाद में जब सच्चाई सामने आए तो दोनों पक्ष हंसी में डूब जाएं। कई बार तो बड़े-बड़े बुद्धिमान और चतुर लोग भी इस दिन मजाक का शिकार बन जाते हैं, जिससे वातावरण और भी मनोरंजक हो उठता है। यह परंपरा केवल आम लोगों तक सीमित नहीं रही है बल्कि बड़े मीडिया संस्थान, प्रतिष्ठित कंपनियां और नामी ब्रांड भी इस दिन अनोखे और रचनात्मक 'प्रैंक्स' के जरिए लोगों का मनोरंजन करते हैं। इतिहास में कई रोचक उदाहरण मिलते हैं। 1957 में बीबीसी ने 'स्पेगेटी ट्री' की खबर प्रसारित की, जिसमें बताया गया कि स्विट्जरलैंड में पेड़ों पर स्पेगेटी उगती है। हजारों लोगों ने इस पर विश्वास कर लिया। इसी तरह 1996 में बर्गर किंग ने 'लेफ्ट-हैंड व्हॉपर' बर्गर की घोषणा कर लोगों को चौंका दिया। डिजिटल युग में यह परंपरा और भी व्यापक हो गई है। सोशल मीडिया और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स के जरिए ऐसे मजाक कुछ ही मिनटों में लाखों लोगों तक पहुंच जाते हैं। हालांकि, कभी-कभी लोग सच्ची खबरों को भी 'अप्रैल फूल' समझकर नजरअंदाज कर देते हैं और बाद में पछताते हैं। मूर्ख दिवस की उत्पत्ति को लेकर विभिन्न मत हैं। एक प्रचलित धारणा के अनुसार, प्राचीन समय में कई देशों में नया वर्ष 1 अप्रैल से शुरू होता था। जब कैलेंडर प्रणाली में बदलाव हुआ और नए साल की शुरुआत 1 जनवरी से होने लगी, तब भी कुछ लोग पुरानी परंपरा का पालन करते रहे। ऐसे लोगों का मजाक उड़ाने के लिए 1 अप्रैल को 'मूर्ख दिवस' के रूप में मनाया जाने लगा। धीरे-धीरे यह परंपरा मनोरंजन का माध्यम बन गई। भारतीय संस्कृति में भले ही यह परंपरा पश्चिम से आई हो लेकिन इसके मूल में निहित भावना (हंसी, आनंद और आपसी मेलजोल) भारतीय जीवन मूल्यों से भी मेल खाती है। आज की भागदौड़ और तनावपूर्ण जीवनशैली में जहां लोगों के पास हंसने का समय भी कम हो गया है, वहां यह दिन एक सुखद अवसर प्रदान करता है। हालांकि, यह ध्यान रखना आवश्यक है कि मजाक की सीमा शालीनता और संवेदनशीलता के भीतर ही होनी चाहिए।

किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाने, अपमान करने या नुकसान पहुंचाने वाला मजाक इस दिवस की भावना के विपरीत है। मूर्ख दिवस का उद्देश्य किसी को नीचा दिखाना नहीं बल्कि सबको साथ लेकर हंसना और खुशियां बांटना है। वास्तव में, शुद्ध हास्य न केवल मानसिक तनाव को कम करता है बल्कि आपसी संबंधों को भी मजबूत बनाता है। यह मन में सकारात्मकता और भाईचारे की भावना का संचार करता है। ऐसे में मूर्ख दिवस आज के समय में और भी अधिक प्रासंगिक हो जाता है। अंततः कहा जा सकता है कि मूर्ख दिवस केवल मजाक का दिन नहीं बल्कि जीवन में खुशियों के छोटे-छोटे पल तलाशने और उन्हें साझा करने का उत्सव है। यदि इसे शालीनता और सद्भाव के साथ मनाया जाए तो यह दिन सचमुच हंसी के अनमोल पलों से जीवन को सराबोर कर सकता है।

भगवान राम के सबसे बड़े भक्त हैं हनुमान

संजय गोस्वामी

हनुमान जयंती पर विशेष

ज्योतिषीयों के सटीक गणना के अनुसार हनुमान जी का जन्म 58 हजार 112 वर्ष पहले त्रेतायुग के अन्तिम चरण में चैत्र पूर्णिमा को मंगलवार के दिन चित्रा नक्षत्र व मेष लग्न के योग में सुबह 6.03 बजे भारत देश में आज के झारखण्ड राज्य के गुमला जिले के आंजन नाम के छोटे से पहाड़ी गाँव के एक गुफा में हुआ था,कहा जाता है किवर्षों की घोर तपस्या के बाद माता अंजना ने एक विलक्षण बुद्धि के बालक को जन्म दिया। चत्रै शुक्ल पूर्णिमा मंगलवार को मध्य रात्रि में अंजना के गर्भ से भगवान शिव अपने रुद्रदेह को त्याग कर वानररुप हनुमान बन कर अवतरित हुए। भगवान शिव ने ग्यारहवें रुद्र के रुप में अंजना के गर्भ से जन्म लिया, इसलिये शास्त्रों में हनुमानजी को रुद्रावतार कहा गया है।

माता अंजना पूर्वजन्म में पुंजिकस्थली नाम की अप्सरा थी। रावण जब देवलोक गया तो इसके रूप और तेज को देख कर मोहित हो गया। रावण ने कामुक होकर इसका हाथ पकड़ लिया।अपना हाथ छुड़ा कर क्रोधित पुंजिकस्थली सीधे ब्रह्माजी के पास गई और कहा, 'आपका वरदान पाकर ऐसे दुष्ट स्वभाव के लोग देवलोक में विचरण करते रहते हैं और आपके शरणागतों के साथ अत्याचार, अनाचार करते हैं।' ब्रह्माजी ने रावण से कहा, 'यदि आज के बाद तुम किसी परायी स्त्री को बुरी नजर से देखोगे तो तुम्हारे सिरके टुकड़े-टुकड़े हो जायेंगे।' अप्सरा इससे संतुष्ट नहीं हुई। उसने ब्रह्माजी से कहा, 'मैं इससे स्वयं बदला लूँगी।'अत्रि मुनि के शाप के कारण इसी पुंजिकस्थली नाम की अप्सरा ने कुंजर वानर के यहाँ जन्म लिया जिसका नाम अंजना (अंजनि) रखा गया। अंजना का विवाह वानरराज केसरी से हुआ। केसरी राक्षसों को मार कर ऋषियों की रक्षा किया करते थे। ऋषियों ने प्रसन्न होकर केसरीजी को आशीर्वाद दिया कि तुम्हारा होने वाला बालक बल, बुद्धि और विद्या से परिपूर्ण होगा। बड़ा होकर श्रीराम का अनन्य भक्त बनेगा व सारे संसार में पूजनीय एवं वंदनीय होगा।अंजना और केसरी सुमेरु पर्वत से किष्किंधा चले गये। अंजना ने मतंग ऋषि के आश्रम में एक हजार वर्ष तक तपस्या की। इसके बाद सौ वर्ष तक वैंकटेश्वर पर्वत पर तपस्या की। इस अवधि में केसरीजी ने उन्हें अपना पूर्ण सहयोग प्रदान किया। जब अंजना तपस्या कर रही थी तो त्रिदेव उनके पास पहुँचे। अंजना ने उनसे वरदान माँगा कि मेरे होने वाले पुत्र की सभी शक्तियाँ आपकी शक्तियों से बढ़ कर हों । पुत्र इस संसार में असुरों का नाश करे और देवताओं की रक्षा करे। त्रिदेव ने तथास्तु कह दिया।सृष्टि के संहारक भगवान रुद्र ने अपने प्रिय हरि की अधिकाधिक सेवा करने व कलिकाल में भक्तों की रक्षा करने के लिये पवनदेव के पुत्र और वानरराज केसरी के क्षेत्रज पुत्र के रुप में अवतरित होने का निर्णय लिया। पवनदेव ने भी अंजना को वरदान दिया कि मैं अपनी बलरुपी वह शक्ति जिससे तीनों लोक कंपायमान हो जाते हैं, तुम्हारे पुत्र को प्रदान करुँगा।जन्म के समय इनका नाम मारुति रखा गया। यह माना जाता है कि, भगवान शिव ने पृथ्वी पर मनुष्य के रुप पुनर्जन्म 11वें रुद्र अवतार के रुप में हनुमान वनकर जन्म लिया; क्योंकि वे अपने वास्तविक रुप में भगवान श्री राम की सेवा नहीं कर सकते थे। मारुति को भूख लगी लेकिन कुछ खिलाने-पिलाने के लिये अंजना माता घर पर नहीं थी। उसी समय उदयाचल से उदित हो रहे अरुणाभ सूर्य को मारुति ने मीठा फल समझ लिया। वे तुरन्त आकाश में उड़े और सूर्य तक पहुँच गए। मारुति को सूर्य की ऊष्मा से बचाने के लिये पवनदेव उसी समय भी पीछे-पीछे चल रहे थे।राहु भी अपनी सेना सहित वहाँ पहुँच गया। मारुति ने इसे भी मीठा फल समझ लिया और उस पर लपके। राहु शिकायत करने इन्द्रदेव के पास पहुंच गया। इस बीच मारुति ने राहु की राक्षसी सेना का अंत कर दिया। मारुति ने सूर्य को मीठा फल समझ कर अपने मुख में रख लिया। इन्द्र ने मारूति पर वज्र से प्रहार किया तो वे मूर्छित हो गये। यह देखकर पवनदेव को क्रोध आ गया। उन्होंने तुरन्त प्राणवायु का संचार बंद कर दिया। चारों ओर हाहाकार मच गया। ब्रह्माजी सभी देवताओं के साथ पवनदेव के पास पहुँचे। उन्हांने मारुति को स्पर्श किया तो उन्हें होश आ गया।मारुति को बाल्यावस्था में ही इन्द्र, कुबरे यम, वरुण, ब्रह्मा आदि देवताओं ने अनेकों वरदान दियेऔर आशीर्वाद दिया कि तुम पर सभी अस्त्र-शस्त्र प्रभावहीन रहेंगे। देवताओं ने इन्हें इच्छा मृत्यु का वरदान भी दिया। सूर्यदेव ने गुरु बनकर विद्याज्ञान देने का वचन दिया। ब्रह्माजी ने पवनदेव से कहा, 'तुम्हारा पुत्र शत्रुओं पर हमेशा भारी पड़ेगा, युद्ध मेंअजेय रहेगा। श्रीराम-रावण युद्ध में अपनाशौर्य दिखा कर श्रीराम को अति प्रसन्नता प्रदान करेगा।' बाल-लीला करते समय मारुति ने राहु की सेना और साठ हजार मंदार नाम के राक्षसों का भी संहार कर दिया। इसलिये इनका एक नाम''राक्षसान्तक'' भी है।इन्द्र के वज्र प्रहार से मारुति की हनु (जबड़ा) टेढ़ी हो गई। हनु वक्र हो जाने से इनका नाम हनुमान हो गया। ऐसे कार्य जो मनुष्य को ब्रह्म से विमुख करते हैं, उनका हनन कर सही मार्ग की ओर अग्रसर करने वाले को भी हनु (हनन करने वाला) कहते हैं। अपनी इस विशेषता के कारण भी ये हनुमान हैं।पाँच वर्ष की अल्प आयु में हनुमान विद्या अध्ययन के लिये अपने गुरु सूर्यदेव के पास पहुँच गए। सूर्यदेव ने मन में बालकों का खेल समझ कर बहाना किया। उन्होंने हनुमान से कहा, 'मेरा तेज बहुत प्रचंड एवं असहनीय है। पीठ के पीछे बैठा कर शिक्षा नहीं दी जा सकती है। मेरे रथ में तुम्हारे बैठने के लिये प्रचुर स्थान उपलब्ध नहीं है। शिष्य तो गुरु के चरणों में बैठा हुआ ही अच्छा लगता है। लेकिन स्थानाभाव के कारण यह सम्भव नहीं है।' प्रखर बुद्धि हनुमान को कहना पड़ा,'गुरुदेव आपका वेग तो मेरे एक कदम के बराबर है।' मैं आपको अपनी पीठ नहीं दिखाऊँगा।हनुमान ने भास्कर की ओर मुख करके पीठ की तरफ पैरों से प्रसन्नमन आकाशमार्ग में बालकों के खेल के समान गमन किया। मैं पीछे-पीछे पैर रख कर सदा आपके सन्मुख ही बना रहूँगा। आप कहते हैं कि आपका तेज असहनीय है, इसे मैं हर लूँगा और आप मेरे तेज से प्रकाशमान रहेंगे।हनुमान ने चौदह विद्याएँ चौदह दिन में सीख लीं। इससे सूर्यदेव का तेज कम हो गया। गुरुशिष्य से प्रश्न पूछते थे लेकिन शिष्य द्वारा दिये गये उत्तर को समझ नहीं पाते थे। सूर्यदवे सोचनेलगे, इस चंचल वानर को विद्या प्रदान करने का वचन मैंने क्यों दिया होगा? अन्ततः सूर्यदेव ने श्रीहरि से विनती की, मेरे गुरु-पद की लाज अब आपके हाथ में है। श्रीहरि ने हनुमान को समझाया कि गुरु को पूरा सम्मान दो, शास्त्रों की मर्यादा रखो। तुम्हारी विद्या को इस संसार मेंलुप्त करनेवाला न कोई है और न कोई होगा।अपनी शिक्षा को जारी रखो। पुनः अपने गुरु के पास जाओ, उनकी मर्यादा का सम्मान करो। इस तरह श्रीहरि ने गुरु और शिष्य के बीच समन्वय स्थापित करा दिया। हनुमान ने अठ्ठारह मास तक अपने गुरु से शिक्षा ग्रहण की। इस अवधि मेंअपने गुरु को पूर्ण सम्मान दिया। गुरु की मर्यादा और सम्मान का पूर्ण खयाल रखा। हनुमान ने जिस आश्चर्यपूर्णतरीके से विद्याध्ययन किया वह वास्तव में तीनां लोकां को चकित कर देने वाला है।शिक्षा ग्रहण के इस अचरज भरे खेल को देखकर इन्द्रादि लेकपाल, विष्णु, रुद्र और ब्रह्मा की आँखें चौंधिया गई ।शिक्षा पूर्ण होते ही हनुमान ने विनम्र होकर अपने गुरु से गुरु-दक्षिणा माँगने के लिये निवेदन किया तो सूर्यदेव ने कहा,' मेरा पुत्र सुग्रीव वानररुप में तुम्हें मिलेगा। जब तक उसे प्रभु श्रीराम नहीं मिलें तब तक तुम उसकी रक्षा करना।' अपने गुरु की आज्ञा को हनुमान ने पूर्ण सम्मान प्रदान करते हुए आगे चल कर वानरराज सुग्रीव को भी पूर्ण सम्मान प्रदान किया, उनकी रक्षा की और उन्हें ब्रह्म से मिलाकर हमेशा के लिए भयमुक्त भी किया।हनुमान बचपन में बहुत चंचल थे और ऋषि-मुनियों के आश्रम में जाकर उन्हें बहुत परेशानकरते थे। उनकी इस चंचलता से माता-पिता भी बहुत परेशान थे। दण्ड के रुप में अंगिरा और भृगुवंशियों ने हनुमान को अपनी शक्तियाँ दीर्घकाल तक भूलने का शाप दे दिया। साथ ही यह भी अवगत करा दिया कि यदि कोई तुम्हें तुम्हारी शक्तियों का स्मरण करायेगा तो शक्तियाँ पुनः प्राप्त हो जायेंगी। भृगु ऋषियों द्वारा दिये गये इस शाप की जानकारी केवल जामवंतजी को ही थी। इस शाप के बाद हनुमान का व्यवहार बहुत ही सौम्य और शिष्ट हो गया।सुग्रीव के सचिव पद से ही प्रारम्भ होती है हनुमान चरित्र की यात्रा। यहीं इन्हांने अपने स्वामी श्रीराम को पहचाना और उनके दास बन गये। जामवंत हनुमान से कहते हैं- 'हे बलवान! क्या चुप साध रखी है, पवन पुत्र हो, बल में पवन के समान हो, बुद्धि, विवेक और विज्ञान की खान हो।श्रीराम के कार्य के लिये तुम्हारा अवतार हुआ है। जगत मेंऐसा कौन सा कठिन काम है जो तुमसेन हो सके।' यह सुनकर हनुमानजी पर्वत के आकार के अत्यन्त विशालकाय हो गये। जामवंत के मार्गदर्शन ने हनुमानजी की लघुता को प्रभुता में सुप्तावस्था से जाग्रत अवस्था में आ गयीं।परिवर्तित कर दिया। हनुमानजी की सभी शक्तियाँ हनुमानजी, श्रीरामजी के दास्यभक्ति रस में ऐसे डूबे कि स्वयं भगवान श्रीराम हनुमानजी केकृतज्ञ होकर स्वयं को उनका आजीवन ऋणी मान बैठे। हनुमान राक्षसान्तक हैं मनुष्यान्तक नहीं, इसका उदाहरण महाभारत का युद्ध है। हनुमान अर्जुनके रथ की ध्वजा पर बैठे हैं, गुरु द्रोणाचार्य और भीष्म पितामह के शस्त्र प्रहारां से पाण्डव सेनाभयभीत है। हताश-निराश अर्जुन, हनुमान से कहते हैं, 'आप इनके अस्त्र-शस्त्रों से इतने भयभीत क्यों हैं? 'हनुमान कहते हैं,' कौरवों की सेना में वीर तो हैं पर ऐसे वीर नहीं हैं जिनसे मैं युद्ध कर सकूँ। मेरी गर्जना को सुन कर तीनों लोकां के राक्षस काँपने लगते हैं। इस युद्ध में वीर तो हैं परराक्षस नहीं हैं। मनुष्यों पर बल प्रयोग और अपना पराक्रम प्रकट करने में बहुत संकोच हो रहा है। क्योंकि मैं मनुष्यान्तक नहीं हूँ।'''भारत में पारथ के रथकेतु कपिराज'' हनुमान ने भीषण गर्जना करने से मना कर दिया।उन्होंने कहा, 'मैं अपनी किलकारी को भीम की गर्जना में मिला दूँगा। मेरी किलकारी का असरकौरव सेना पर ही होगा। आसपास मेंरह रहे अन्य सभी प्राणी-भयमुक्त बने रहेंगे।' हनुमान कीकिलकारी और भीम की गर्जना से कौरव सेना मूर्छित हो गयी। मूर्छा अर्जुन को भी आयी लेकिन उन पर हनुमानजी की कृपादृष्टि थी इसलिये बेहोश नहीं हुए। हनुमानजी ने कहा,' हे अर्जुन! मैं कौरवों की सेना पर प्रहार नहीं करुँगा। मैं भीम की गर्जना और तुम्हारे गाण्डीव की टंकार के साथ अपनी किलकारी मिला दूँगा जिससे कौरव सेना भयभीत हो जायेगी और तुम आसानी से उनका संहार कर सकोगे।' हनुमान दिव्य अस्त्रां से अर्जुन की रक्षा करते रहे। भीष्मपितामह, द्रोणाचार्य औरकर्ण जैसे महान वीरों को भी कहना पड़ा, 'हे पवनसुत! हमारी रक्षा करो।' अन्ततः पाण्डव विजयी हुए। यदि हनुमानजी नहीं होते तो पाण्डवों की हार सुनिश्चित थी। हनुमानजी ने कौरव सेना पर प्रहार नहीं किया, किसी भी मनुष्य का संहार नहीं किया, क्योंकि हनुमान राक्षसान्तक हैं मनुष्यान्तक नहीं।कार्तिक कृष्ण चतुर्दशी को भी हनुमानजी का जन्म महोत्सव मनाया जाता है। लंका विजय के बाद जब श्रीराम अयोध्या लौटे तो उनके साथ वानर भालू भी थे। अयोध्या से विदा करते समय सीतामाता ने इन्हें यथायोग्य पारितोषिक दिये। कार्तिक कृष्ण चतुर्दशी के दिन सीतामाता ने अपनी रत्नजड़ित मोतियों की बहुमूल्य माला हनुमानजी को पहनायी। इस माला के मोतियों में रामनाम नहीं था। वे इस पारितोषिक से संतुष्ट नहीं हुए।वे मणियों को तोड़ते और फेंक देते । वहाँ उपस्थित समुदाय को यह अनुचित लगा। उनका कहना था, ब्रह्मचारी हैं इसलिये मणियांका महत्त्व नहीं समझते। माला तोड़ कर जनकनन्दिनी का अपमान कर रहे हैं। ज्ञानिनामग्रगण्य हैं लेकिन कपि संस्कार नहीं छूट सकता। इनके बारे में जो कुछ भी कहा जा रहा था वह विभीषणजी को अच्छा नहीं लगा। विभीषणजी ने उनका हाथ पकड़ कर कहा, 'बहुमूल्य मणिमाला को क्यों तोड़ रहे हो?' हनुमान ने कहा, 'यह माला आपके लिये बहुमूल्य हो सकती है मेरे लिये नहीं। जिसमें रामनाम नहीं हो वह मेरे लिये व्यर्थ है।' सभी ने आश्चर्य से उनकी ओर देखा तो उन्होंने अपने नखों से अपने वक्षःस्थल को विदीर्ण कर उपस्थित समुदाय को अपने हृदय में राम-लक्ष्मण और सीता के साक्षात दर्शन करा दिये। आश्चर्यचकित होकर सभी ने एक स्वर में श्रीरामोपासक हनुमान का जयघोष किया।हनुमानजी के चेहरे पर निराशा के भाव देख कर सीतामाता ने अपने ललाट पर लगा सौभाग्य का प्रतीक इन्हें देते हुए कहा,' इससे बढ़कर बहुमूल्य वस्तु मेरे पास नहीं है। इसे सहर्ष स्वीकार कर धारण करो और सदैव अजर-अमर रहो।' इसलिये कुछ लोग कार्तिक कृष्ण चतुर्दशी को भी इनका जन्मोत्सव मनाते हैं व इन्हें सौभाग्य का प्रतीक सिंदूर एवं तेल चढ़ाते हैं।सीतामाता पूजा-पाठ करके बाहर निकली तो हनुमान ने उन्हें प्रणाम किया। माँ ने आशीर्वाद दिया तो वे माँ के मुख को निहारने लगे। उन्हांने माँ की माँग में सिन्दूर की लाली देखी तो जिज्ञासावश पूछ लिया,' माँ आपकी माँग मेंयह लाली क्यों ? 'माता ने हँस कर कहा, 'तुम ब्रह्मचारी हो इसलिये समझ नहीं सकोगे। यह प्रत्येक नारी के लिये सौभाग्य का प्रतीक है। इससे तुम्हारे प्रभु प्रसन्न होते हैं। माँग में सिन्दूर लगाने से स्वामी दीर्घायु होते हैं।' हनुमानजी ने मन ही मन सोचा जब माँ की इतनी सी सिन्दूर लालिमा से प्रभु प्रसन्न हो जाते हैं, दीर्घायु हो जाते हैं तो इसे पूरे शरीर पर लगाने से प्रभु का असीम प्रेम मिल सकता है। प्रभु का असीम अनुग्रह पाने के लिये व उनकी दीर्घायुष्य कामना के लिये इन्हांने अपने सारे शरीर में सिंदूर पोत लिया। जब श्रीराम ने हनुमान को देखा तो कहा, 'तुम्हारा यह भेष मुझे अच्छा लगा।' हनुमान उनके चरणों में गिर कर बोले, 'प्रभु ऐसे ही शरारत सूझ गई थी।' प्रभु श्रीराम ने उनके मस्तक पर हाथ रख कर आशीर्वाद दिया और अपने भक्त के भोलेपन को देख कर कहा, 'बहुत रुचिकर लग रहा है तुम्हारा यह स्वरुप।'जनक नन्दिनी भी उन्हें देख कर मुस्कुरायी और आशीर्वाद देते हुए बोली, 'अच्छे लग रहे हो।'हनुमानजी का मुख प्रसन्नता से खिल उठा। तभी से इनका एक नाम ''सिन्दूरूरूरारुण विग्रह'' भी है।हनुमानजी अजर-अमर हैं। वर्तमान काल में 28वें महायुग के सत्य त्रेता और द्वापर बीत कर 28वां कलयुग चल रहा है। इस कलयुग में ''रबि बालबरन-तनु'' उदयकाल के सूर्य के समान लाल देहधारी हनुमान अदृश्यरुप में रहते हुए यहाँ-वहाँ विचरण करते रहते हैं। जहाँ-जहाँ रामकथा होती है वहाँ ये अवश्य जाते हैं, क्योंकि ये रामकथा से कभी तृप्त ही नहीं होते हैं। अदृश्य रह कर ही ये अपने भक्तों की सहायता करते रहते हैं।भगवान राम के सबसे बड़े भक्त हनुमानजी अजर-अमर हैंभगवान राम के सबसे बड़े भक्त हैं हनुमान।

आज का राशिफल

शुभ संवत 2083, शाके 1948, सौम्य गोष्ठ, चैत्र शुक्ल पक्ष, बसंत ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोदय पश्चिमे तिथि, चर्तुदर्शी, बुधवासरे, उत्तरा फाल्गुन नक्षत्रे, वृण योगे, वल करणे, कन्या की चंद्रमा, राक्षस योगे, तथापि दक्षिण दिशा की यात्रा शुभ होगी|

आज जन्म लिए बालक का फल........

आज जन्म लिया बालक योग्य बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल, स्वाभिमानी, कुशल वक्ता, अधिवक्ता, जिद्दी, हठी, सैनिक, सिपाही, कमांडर, बिग्रेडियर, कर्नल तथा सेना नायक दरोगा तथा एसपी, आईजी विभाग का प्रधान कुशल वक्ता, अधिवक्ता होगा।

मेष राशि :- अशुद्ध गोचर रहने से विशेष रुप से सतर्क रहे, शारीरिक कष्ट।

वृष राशि :- अशुद्ध गोचर रहने से कार्य बाधा होगी तथा थकावट बेचैनी अस्थिरता होगी।

मिथुन राशि :- कुटुम्ब से तनाव, क्लेश व अशांति, मानसिक विभ्रम, विघ्न ।

कर्क राशि :- अशुद्ध गोचर रहने से विशेष कार्य स्थिगित रखे तथा अनायास विरोध होगा।

सिंह राशि :- स्त्रीवर्ग से कष्ट व चिंता, उत्तम व्यवसाय रहेगा।

कन्या राशि :- अधिकारियों से तनाव, क्लेश से बचिए, दैनिक कार्यगति में बाधा।

तुला राशि :- अशुद्ध गोचर रहने से विशेष कार्य स्थिगित रखे, अग्निचोट आदि से बचे।

वृश्चिक राशि :- अशुद्ध गोचर रहने से विशेष कार्य में बाधा होगी, ध्यान रखे।

धनु राशि :- व्यवसाय में बेचैनी, तनाव बनाए रहे, परिश्रम विफलता हो।

मकर राशि :- चोट कष्ट आदि, समय बनेगा, अशुद्ध गोचर रहने से कार्य हानि।

कुंभ राशि :- स्त्रीवर्ग संतान से तनाव, क्लेश व अशांति मानसिक विभ्रम।

मीन राशि :- समय ठीक नहीं, विशेष कार्य स्थिगित रखे तथा अनायास विभ्रम से बचे।

आज का इतिहास 1 अप्रैल

1855 पहला बंगाली प्रीमियर 'वाणी परिचय' ईश्वरचंद विधासागर ने प्रकाशित किया.

1861 आयकर अधिनियम प्रभावी हुआ.

1861 नया तलाक अधिनियम प्रभावी हुआ.

1881 मद्रास का साप्ताहिक 'हिन्दू' दैनिक बना.

1912 दिल्ली राजधानी बनी.

1930 लड़का और लड़की की विवाह योग्य आयु क्रमश 18 और 15 वर्ष तय की गई.

1933 जर्मनी ने यहूदियों के व्यापार का बहिष्कार किया और उनके बैंक खाते जब्त कर लिए.

1934 भारतीय रिजर्व बैंक की स्थापना.

1936 उड़ीसा अलग राज्य बना.

1937 भारतीय प्रांतों के प्रशासन संबंधी कानून प्रभावी हुआ.

1953 सुब्रत मुखर्जी वायु सेना के प्रथम भारतीय प्रमुख बने.

1956 कंपनी अधिनियम प्रभावी हुआ.

1957 नया पैसा चलन में आया.

1962 मापतोल की मीट्रिक प्रणाली लागू हुई .

1969 तारापुर स्थित पहले परमाणु ऊर्जा केन्द्र से उत्पादन शुरू हुआ .

1992 डाक बचत बैंक प्रणाली लागू हुई

1997 पाकिस्तान की संसद ने संविधान में संशोधन कर राष्ट्रपति के अधिकारों में व्यापक कटौती की.

1998 हरियाणा में शराबबंदी समाप्त.

2002 नीदरलैंड में सहज मृत्यु को वैधानिकता.

शादी से पहले पार्टनर से हर मामले पर करें बात

शादीशुदा जिंदगी बेहतर चले इसके लिए शादी से पहले आपको अपने पार्टनर के बारे में जान लेना ही सही रहता है। जब आप अपने पार्टनर की अच्छी और बुरी आदतों के बारे में जान देती है तो शादी निभाना आसान हो जाता है। अगर आप बॉयफ्रेंड से शादी करने के बारे में सोच रही है तो इबादतों को ध्यान में रखें। अगर आपके पार्टनर में आपको पसंद ना आने वाली आदतें हैं तो आपकी शादीशुदा जिंदगी भी खराब हो सकती है। ओवर पोजेसिव अगर आपका पार्टनर आपको लेकर ओवर पोजेसिव है तो आपको सावधान रहना चाहिए। आपके पार्टनर की यह आदत आपकी रिलेशनशिप के लिए परेशानी बन सकती है इससे आपकी मेंटल हेल्थ पर बुरा असर पड़ता है।

नीचा दिखाना

अगर आपका पार्टनर आपको बार-बार नीचा दिखाता है तो आप उनसे शादी करने का फैसला बिल्कुल ना लें। अगर आप ऐसे इंसान से शादी करते हैं तो आपकी जिंदगी में खुशी बिल्कुल नहीं रह जाती है। शादीशुदा जिंदगी को खुशहाल बनाने के लिए आपको बहुत सोचना समझना पड़ता है।

विक्टिम कार्ड

अगर आपका पार्टनर विक्टिम कार्ड खेल रहा है और वह कभी अपनी गलती नहीं मानता है तो ऐसे में आपको शादी करने से बचना चाहिए। आपके पार्टनर को हमेशा आपकी बात मानी चाहिए आपके अच्छे बुरे के बारे में सोचना चाहिए। अगर जिस बात से आपको परेशानी होती है वह बार-बार दोहराता है तो समझ लीजिए की वह आपसे प्यार नहीं करता।

तुलना करें

अगर आपका पार्टनर किसी दूसरे लड़के या लड़की से आपकी तुलना करता है तो आपको शादी से तुरंत मना कर देना चाहिए। पार्टनर की यह आदत आपकी शादीशुदा जिंदगी को पूरी तरह से खराब कर सकती है।

लॉफिंग ज़ोन

पिता (पुत्री से)- क्या तुमने कभी नींद में कोई ऐसा काम किया है जिससे मेरा सिर ऊंचा हुआ हो ?

पुत्री- याद करके, हां पापा एक बार मैंने आपके सिर के नीचे 3 तकिये रखे थे।

मिनी (दादी से)- क्या आप एक्टिंग भी करती हैं ?

दादी (मिनी से)- नही तो लेकिन क्यों ?

मिनी- सुबह मां पिताजी से कह रही थी कि यदि आप यहां रहीं तो ड्रामा तो जरूर होगा।

अध्यापिका (छात्र से)- टेस्ट याद है ?

छात्र- मैडम मैं जैसे ही पढ़ने बैठा तो लाइट चली गयी, बाद में मैं इस डर से पढ़ने नही बैठा की कहीं मेरी वजह से फिर लाइट न चली जाये।

अध्यापक (छात्र से)- तुमने होम वर्क क्यों नही किया ?

छात्र- सर मैं तो हॉस्टल में रहता हूं।

मां (बेटे से)- उठ जा कम्बख्त देख सूरज कब का निकल आया है...

बेटा (मां से)- तो क्या हुआ मां वो सोता भी तो मुझ से पहले है।

सुंदरता बढ़ाने करी पत्ते का सेवन करें

अगर आप अपनी सुंदरता बढ़ना चाहती है तो खाने में करी पत्ते को सेवन करें। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन और आयरन त्वचा और बालों को हेल्दी बनाने में मदद करते हैं। चेहरे पर अगर पिंपल्स हैं, दाग-धब्बे, टैनिंग या डार्क स्पॉट्स हैं तो करी पत्ते का फेस मास्क लगाएं। इसके एंटीसेप्टिक और एंटीबैक्टीरियल गुण चेहरे को बेदाग और चमकदार बनाते हैं। फेस मास्क बनाने के लिए करी पत्ते के 10 से 15 ताजे पत्ते दें। इन्हें अच्छे से धोकर पीस लें। अब इसमें 1 चम्मच दही और चुटकी भी हल्दी मिलायें। इस पेस्ट को चेहरे पर 15 से 20 मिनट के लिए लगा लें। ऐसा हफ्ते में 2 बार करें, चेहरा चमकने लगेगा।

अगर आपको नरम स्किन चाहिए तो करी पत्ते से फेस सीरम बनाएं। इसके लिए 15 ताजे करी पत्ते लें। इसे गुलाब जल मिलाकर पीस लें। इसके बाद इसे छानकर रस अलग कर लें। अब इसमें एलोवेरा जेल मिलाएं। अगर ऑयली स्किन है तो कुछ बूंद नींबू का रस डालें और अगर ड्राई स्किन है तो 1 विटामिन ई की कैप्सूल मिक्स करें। इस मिश्रण को एयरटाइट बोतल में भरकर फ्रिज में रख दें। रात को सोने से पहले इसकी कुछ बूंदें लेकर चेहरे पर लगाएं।

आजकल बढ़ता स्ट्रेस और गंदा पानी बालों की सेहत को बिगाड़ रहा है। इस कारण से बाल बहुत झड़ने लगे हैं। इस समस्या से बचने के लिए करी पत्ते का तेल बनाएं। इसके लिए एक बर्तन में आधा कटोरी नारियल का तेल लें।इसमें 20 ताजे करी पत्ते डालें और इसे गर्म करें। जब यह तेल गहरा हरा-काला होने लगे तो गैस बंद कर दें। ठंडा होने पर इसे बोतल में छान लें और बालों पर लगाएं। हेयर फॉल की समस्या दूर होने लगेगी। करी पत्ते से बालों को पोषण मिलता है और इससे बाल जल्दी बढ़ते हैं, साथ में चमकदार भी होते हैं। इसके लिए घर पर हेयर मास्क बनाएं। 15–20 करी पत्ते लें। इसमें 2 चम्मच दही या नारियल का तेल मिक्स करें। साथ 1 चम्मच मेथी दाना डालें। मेथी दाने को एक रात भिगोकर रखना जरूरी है। अब इस मिश्रण को पीसकर पेस्ट बना लें और स्कैल्प से लेकर बालों तक पर लगाएं। आधे घंटे बाद बालों को हल्के शैंपू से धो लें। ऐसा हफ्ते में 2 बार करें। बाल शाइन करने लगेंगे। अगर स्कैल्प ड्राई है और बालों में डैंड्रफ भी है तो करी पत्ते की मदद से इस समस्या से छुटकारा पाया जा सकता है। इसके लिए 20 से 23 करी पत्ते लें और इनका पेस्ट बना लें। अब इसमें दही मिक्स करके सिर में लगा लें। आधे घंटे बाद हेयर वॉश कर लें1 ऐसा करने से जल्दी फर्क दिखेगा।

मैनेजमेंट गुरु हनुमानः असंभव को संभव बनाने की शक्ति एवं संकल्प

दिलीप कुमार पाठक

हनुमान जयंती

आज जब चैत्र मास की पूर्णिमा का चंद्रमा अपनी पूरी आभा के साथ आकाश में उदित होगा, तो धरती पर एक ऐसी ऊर्जा का संचार होगा जो सदियों से भारतीय जनमानस के रोम-रोम में बसी है। यह दिन केवल एक कैलेंडर की तिथि नहीं है, बल्कि उस महाशक्ति के अवतरण का उत्सव है जिसे हम हनुमान कहते हैं। हनुमान जी का व्यक्तित्व किसी परिचय का मोहताज नहीं है; वे घर-घर के रक्षक, संकटों के नाशक और हर व्याकुल हृदय के परम साथी हैं। उनकी महिमा का गान जितना सरल है, उनका जीवन दर्शन उतना ही गहरा और प्रेरणादायी है। उनकी सबसे बड़ी सुंदरता उनकी निस्वार्थ भक्ति में छिपी है। उन्होंने दुनिया को सिखाया कि ईश्वर को पाने के लिए किसी कठिन आडंबर की नहीं, बल्कि निर्मल मन और पूर्ण समर्पण की आवश्यकता होती है।

एक ओर जहाँ उनके पास लंका को भस्म करने और समुद्र को एक छलांग में लांघने की असीम शक्ति थी, वहीं दूसरी ओर वे प्रभु राम के चरणों में एक अबोध बालक की भांति विनत रहते थे। उनकी शक्ति में कोई अहंकार नहीं था और उनकी विनम्रता में कोई कमजोरी नहीं थी। जब उनसे उनकी अद्भुत सामर्थ्य का रहस्य पूछा गया, तो उन्होंने बड़ी सहजता से कहा कि जो कुछ भी है, वह केवल राम नाम की महिमा है। यह शून्य हो जाने का भाव ही उन्हें ब्रह्मांड का सबसे बड़ा भक्त बनाता है। अक्सर हम शक्ति को अधिकार और अधिपत्य से जोड़कर देखते हैं, लेकिन हनुमान जी ने शक्ति की परिभाषा ही बदल दी। उनके पास अष्ट सिद्धि और नव निधि का वरदान था, जिससे वे सूक्ष्म से सूक्ष्म और विशाल से विशाल रूप धर सकते थे, किंतु उन्होंने इस सामर्थ्य का उपयोग केवल जनकल्याण और प्रभु काज के लिए किया। यह संयम आज के नेतृत्व के लिए सबसे बड़ी सीख है कि शक्ति जितनी अधिक हो, विनम्रता उतनी ही गहरी होनी चाहिए।

जब हम सुंदरकांड के प्रसंगों को पढ़ते हैं, तो पाते हैं कि हनुमान जी केवल एक योद्धा नहीं, बल्कि एक चतुर कूटनीतिज्ञ और संवाद के ज्ञाता भी थे। लंका में विभीषण को अपनी ओर मिलाना हो या रावण की सभा में निर्भीकता से अपनी बात रखना, उनकी वाकपटुता बेमिसाल थी। वे सिखाते हैं कि कठिन से कठिन परिस्थिति में भी धैर्य नहीं खोना चाहिए और शत्रु के घर में भी मित्र ढूँढने की दृष्टि रखनी चाहिए। आज के प्रतिस्पर्धी युग में, जहाँ छोटी-छोटी असफलताओं पर लोग टूट जाते हैं, हनुमान जी का अटूट आत्मविश्वास एक संजीवनी की तरह काम करता है। उनका चरित्र हमें टीम वर्क और समर्पण की अनूठी शिक्षा देता है। लंका विजय के महाभियान में उन्होंने कभी भी श्रेय लेने की कोशिश नहीं की। जब भगवान राम ने उन्हें गले लगाया और भरत के समान प्रिय कहा, तब भी वे हाथ जोड़कर चरणों में ही बैठे रहे। यह दर्शाता है कि सच्चा सेवक वही है जो परिणाम की चिंता किए बिना अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान दे और सफलता का श्रेय अपने आराध्य को सौंप दे।

आज के इस भागदौड़ भरे युग में हनुमान जी एक मैनेजमेंट गुरु की तरह नजर आते हैं। लक्ष्य कितना भी बड़ा क्यों न हो, मार्ग में कितनी भी बाधाएँ क्यों न आएं, हनुमान जी हमें सिखाते हैं कि बुद्धि और पराक्रम के सही संतुलन से हर मुश्किल को जीता जा सकता है। लक्ष्मण जी के प्राण बचाने के लिए पूरी पहाड़ी उठा लाना यह दर्शाता है कि जब अपनों पर संकट आए, तो असंभव शब्द डिक्शनरी से बाहर कर देना चाहिए।

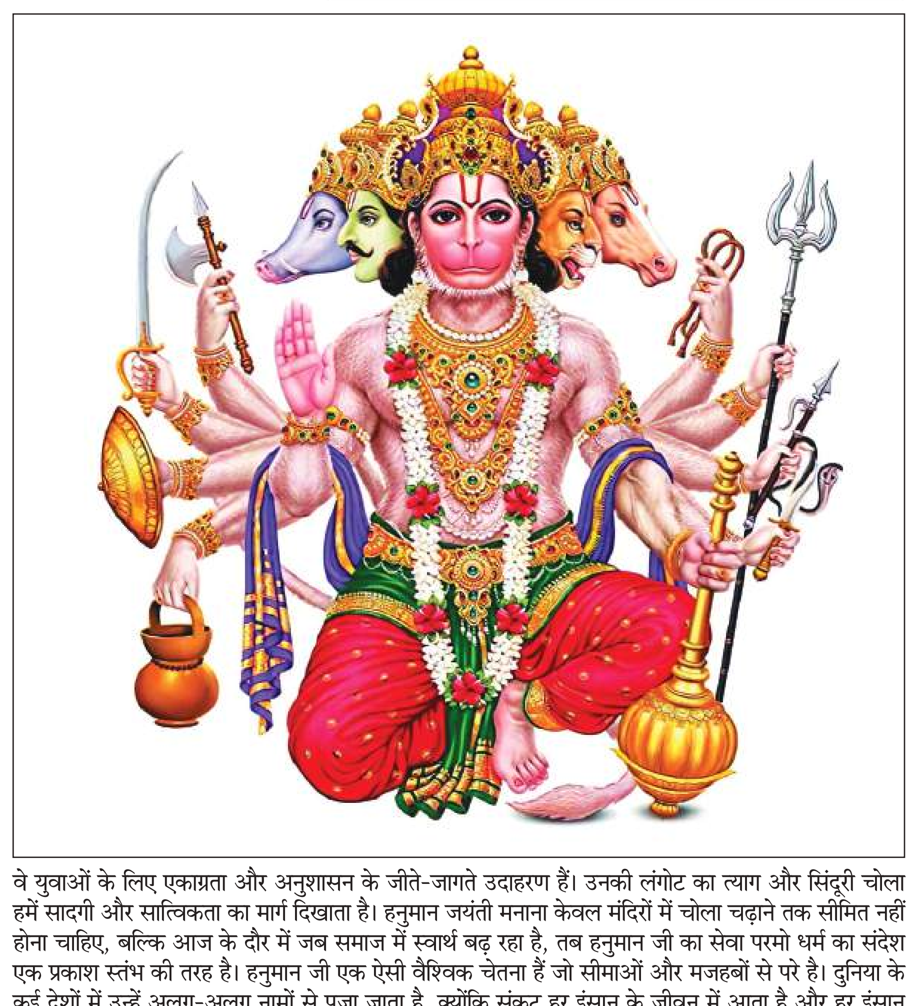

वे युवाओं के लिए एकाग्रता और अनुशासन के जीते-जागते उदाहरण हैं। उनकी लंगोट का त्याग और सिंदूरी चोला हमें सादगी और सात्विकता का मार्ग दिखाता है। हनुमान जयंती मनाना केवल मंदिरों में चोला चढ़ाने तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि आज के दौर में जब समाज में स्वार्थ बढ़ रहा है, तब हनुमान जी का सेवा परमो धर्म का संदेश एक प्रकाश स्तंभ की तरह है। हनुमान जी एक ऐसी वैश्विक चेतना हैं जो सीमाओं और मजहबों से परे है। दुनिया के कई देशों में उन्हें अलग-अलग नामों से पूजा जाता है, क्योंकि संकट हर इंसान के जीवन में आता है और हर इंसान को एक संकटमोचन की तलाश होती है। वे भय से मुक्ति का मार्ग हैं। जब हम नासै रोग हरै सब पीरा का जाप करते हैं, तो वह केवल शब्द नहीं होते, बल्कि एक अटूट विश्वास होता है जो हमारी कोशिकाओं में नई ऊर्जा भर देता है। हनुमान जी का नाम ही पर्याप्त है मन के हर संशय और दुर्बलता को मिटाने के लिए। जैसे-जैसे आज का दिन चढ़ेगा, हर ओर जय सिया राम के उद्घोष गूंजेंगे। लेकिन सच्ची पूजा तब होगी, जब हम उनके साहस को अपने आचरण में और उनकी करुणा को अपने व्यवहार में उतारेंगे। हनुमान जी चिरंजीवी हैं, वे कल भी थे, आज भी हैं और कल भी रहेंगे। वे हर उस व्यक्ति के साथ हैं जो धर्म और सत्य की राह पर अडिग है।

दैनिक पंचांग

1 अप्रैल 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

बुधवार 2026 वर्ष का 91 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** बसंत। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** चैत्र **पक्ष** शुक्ल **तिथि** चतुर्दशी 07.07 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** उत्तराफाल्गुनी 16.18 बजे को समाप्त। **योग** वृद्धि 14.51 बजे को समाप्त। **करण** वणिज 07.07 बजे तदनन्तर विष्टि 19.21 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 12.9 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 04° 28' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872666 **जूलियन दिन** 2461131.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** सव्वाल **तारीख** 12 **विशेष** पंगुनी उथिरम, बैंक अवकाश, हाटकेश्वर जयंती, गुरु हरकिशन पुण्यतिथि।

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मेष	06.36 बजे से
चंद्र	कन्या में	वृष	08.16 बजे से
मंगल	कुंभ में	मिथुन	10.14 बजे से
बुध	कुंभ में	कर्क	12.27 बजे से
गुरु	मिथुन में	सिंह	14.44 बजे से
शुक्र	मेष में	कन्या	16.56 बजे से
शनि	मीन में	तुला	19.06 बजे से
राहु	कुंभ में	वृश्चिक	21.21 ब.से
केतु	सिंह में	धनु	23.37 बजे से
		मकर	01.42 बजे से
		कुंभ	03.29 बजे से
		मीन	05.01 बजे से

राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	05.54 से 07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से 07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से 08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से 08.44 बजे तक
काल	08.15 से 10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से 10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से 11.47 बजे तक	चर	10.16 से 11.47 बजे तक
रोग	11.47 से 01.16 बजे तक	रोग	11.47 से 01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से 02.44 बजे तक	काल	01.19 से 02.51 बजे तक
चर	02.44 से 04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से 04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से 05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से 05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

इस प्रकार वजन घटा सकतीं हैं आप

बिजी लाइफस्टाइल में हमें अपनी सेहत पर ध्यान देने का वक्त ही नहीं मिलता। इस वजह से अधिकतर महिलाएं मोटापे का शिकार बन जाती हैं। मोटापा सबसे ज्यादा हमारे पेट पर नजर आता है। यह स्वास्थ्य के लिए खराब तो है ही, देखने में भी काफी बुरा गलता है।

मोटापे के बड़े कारणों में खाने-पीने की आदतों में बदलाव न कर पाना और व्यायाम के लिए समय न निकाल पाना है।हमारा अस्त-व्यस्त रुटीन हमारी इस परेशानी की सबसे बड़ी वजह है।

अगर आपके पास भी समय नहीं है तो परेशान ना हों , क्योंकि आज हम आपको बता रहें कि डाइटिंग और एक्सरसाइज किए बिना आप किस तरह अपने वजन को कम कर सकती हैं। आपको बस अपनी कुछ आदतों में सुधार करने की जरूरत है।

सोने का सही तरीकाः

सोने का तरीका हमारी बहुत सी परेशानियों को दूर करने में मददगार होता है। सामान्य रूप से सात से आठ घंटे की नींद जरूर लेनी चाहिए। आज के समय में बेहद व्यस्त दिनचर्या के चलते ज्यादातर लोग पर्याप्त नींद नहीं ले पाते हैं और ये भी मोटापे की एक प्रमुख वजह है।

सोडा पीने की जगह पानी अपनाएंः

अगर आपको सोडा और दूसरे सॉफ्ट ड्रिंक पीना पसंद है तो यह आपके मोटापे की प्रमुख वजह हो सकता है। इन पेय-पदार्थों में पर्याप्त मात्रा में कैलोरी होती है जिससे वजन बढ़ना तय है। तो ऐसे में अब अगर आपको जब भी प्यास लगे तो सॉफ्ट ड्रिंक की जगह सादा पानी पिएं।

सीधे खड़े रहकर

अगर आपको अपना बढ़ा हुआ पेट अजीब नजर आने लगा है तो आज से सीधे खड़े होने की आदत डाल लीजिए। बेली फैट को कम करने के लिए यह सबसे सही पोश्चर है।

पेट अंदर करके बैठना

अगर आप बैठे हैं तो कोशिश कीजिए कि घुटनों को मोड़कर 30 सेंकेंड्स के लिए सांस अंदर खींचकर बैठें। अगर आप दिन में पांच से छह बार भी ऐसा कर लेते हैं तो कुछ ही दिनों में आपको परिणाम नजर आने लग जाएंगे।

संक्षिप्त खबरें

मैग्नम आइस क्रीम नीदरलैंड्स ने केडब्ल्यूआईएल में 61.9 फीसदी हिस्सेदारी खरीदी

नई दिल्ली (ईएमएस)। द मैग्नम आइस क्रीम कंपनी नीदरलैंड्स बीवी ने क्वालिटी वॉल्स (इंडिया) लिमिटेड (केडब्ल्यूआईएल) में 61.9 प्रतिशत बहुलांश हिस्सेदारी का अधिग्रहण कर लिया है। कंपनी ने 30 मार्च 2026 को शेयर बाजार को सूचित किया कि नए प्रवर्तक ने शेयर खरीद समझौते और अन्य लागू नियमों के तहत पूर्व प्रवर्तकों से निर्धारित शेयर खरीदे। इस लेन-देन के बाद मैग्नम आइस क्रीम नीदरलैंड्स कंपनी पर नियंत्रण हासिल कर चुका है और इसे सूचीबद्धता नियमों के अनुसार नए प्रवर्तक के रूप में वर्गीकृत किया गया है। पूर्व प्रवर्तक यूनिलीवर पीएलसी और अन्य साझेदार अब प्रवर्तक श्रेणी से हटकर सार्वजनिक श्रेणी में पुनर्वर्गीकृत कर दिए गए हैं। इस अधिग्रहण के लिए मूल समझौता 25 जून 2025 को किया गया था, जिसमें मैग्नम आइस क्रीम नीदरलैंड्स और यूनिलीवर पीएलसी सहित अन्य पक्ष शामिल थे। नए प्रवर्तक ने कुल 145.44 करोड़ शेयर खरीदे, जो केडब्ल्यूआईएल की कुल शेयर पूंजी का 61.9 प्रतिशत है। अधिग्रहण के बाद कंपनी ने शीर्ष प्रबंधन में भी बदलाव किए हैं। अभिजीत भट्टाचार्य को अतिरिक्त निदेशक (गैर-कार्यकारी एवं गैर-स्वतंत्र) और निदेशक मंडल के चेयरमैन के रूप में नियुक्त किया गया है। वहीं ऋतेश तिवारी ने अतिरिक्त निदेशक (गैर-कार्यकारी एवं गैर-स्वतंत्र) के पद से इस्तीफा दे दिया है।

तेल पर एक्साइज ड्यूटी घटने के बाद भी कंपनियां लाभ में नहीं

नई दिल्ली (ईएमएस)। सरकार ने 27 मार्च से पेट्रोल और डीजल पर 10 रुपये प्रति लीटर की एक्साइज ड्यूटी घटाई। इससे आम लोगों को राहत मिली है और कंपनियों का घाटा घटकर 17–28 रुपये प्रति लीटर रह गया है। हालांकि, वे अभी भी पूरी तरह लाभ में नहीं हैं। रिफाइनरी कंपनियों पर डीजल पर 21.5 रुपये और एयरक्राफ्ट फ्यूल पर 29.5 रुपये प्रति लीटर विंडफॉल टैक्स लगाया गया। अपस्ट्रीम कंपनियों को टैक्स से बाहर रखा गया है। एक्साइज ड्यूटी कटौती से हर 15 दिन में 7,000 करोड़ रुपये का नुकसान होगा, जबकि विंडफॉल टैक्स से 1,500 करोड़ रुपये की कमाई होगी। कंपनियों को संतुलन में लाने के लिए तेल की कीमत 75 डॉलर/बैरल तक आनी चाहिए या कीमतों में 20 रुपये से अधिक प्रति लीटर बढ़ोतरी करनी होगी। रिलायंस जैसी रिफाइनरी कंपनियां मजबूत बनी हैं और निवेशकों के लिए आकर्षक अवसर हैं।

कच्चे तेल की कीमतों में रिकॉर्ड उछाल ब्रेंट क्रूड 115 डॉलर के पार

नई दिल्ली (ईएमएस)। कच्चे तेल की कीमतें मंगलवार 31 मार्च को लगातार चौथे दिन बढ़ीं। पश्चिम एशिया में युद्ध और तनाव के कारण सप्लाई प्रभावित हो रही है, जिससे तेल की कीमतों में तेजी आई है। मई डिलीवरी के लिए ब्रेंट क्रूड 115.04 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया, जबकि जून कॉन्ट्रैक्ट 108.96 डॉलर पर था। अमेरिकी डब्ल्यूटीआई क्रूड 105.96 डॉलर प्रति बैरल हो गया, जो 9 मार्च के बाद का सबसे ऊंचा स्तर है। ईरान द्वारा स्ट्रेट ऑफ होरमुज को प्रभावी रूप से बंद करने से स्थिति और गंभीर हो गई है। यह मार्ग दुनिया की लगभग 20 प्रतिशत तेल सप्लाई और बड़ी मात्रा में गैस टैंकरों के लिए अहम है। सप्लाई में बाधा के कारण बाजार में तेज उछाल देखने को मिला। मार्च में ब्रेंट क्रूड की कीमतों में करीब 59 प्रतिशत की बढ़त दर्ज हुई, जो अब तक का सबसे बड़ा मासिक उछाल है। वहीं डब्ल्यूटीआई क्रूड भी 58 प्रतिशत बढ़ा, जो मई 2020 के बाद सबसे अधिक है। विशेषज्ञों का कहना है कि भू-राजनीतिक तनाव और सप्लाई बाधा कीमतों को और ऊंचा रख सकती है।

भारत की ऊर्जा रणनीति में बड़ा बदलाव रिन्यूएबल और ईवी बने भविष्य की कुंजी

नई दिल्ली (ईएमएस)। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और तेल आपूर्ति पर जोखिम के बीच भारत तेजी से अपनी ऊर्जा रणनीति बदल रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार देश अब फॉसिल फ्यूल पर निर्भरता घटाकर रिन्यूएबल एनर्जी और इलेक्ट्रिक व्हीकल्स (ईवी) की ओर बढ़ रहा है, जो आने वाले समय में बड़े निवेश अवसर के रूप में उभर सकता है। भारत ने 2030 तक 500 जीडब्ल्यू रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता का लक्ष्य रखा है, जिसमें से करीब 275 जीडब्ल्यू हासिल हो चुका है। हालांकि, चुनौती उत्पादन नहीं बल्कि वितरण है। ट्रांसमिशन लाइन की कमी, जमीन अधिग्रहण में देरी और परमिशन से जुड़े मुद्दों के कारण कई प्रोजेक्ट अटके हुए हैं। गुजरात और राजस्थान जैसे राज्यों में बिजली बनने के बावजूद उसका पूरा उपयोग नहीं हो पा रहा। रिपोर्ट के मुताबिक, बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम और मजबूत ग्रिड इंफ्रास्ट्रक्चर इस समस्या का समाधान बन सकते हैं। इसके साथ ही हाइब्रिड और राउंड-द-क्लॉक पावर प्रोजेक्ट्स पर भी निवेश बढ़ रहा है। दूसरी ओर, कई प्रोजेक्ट्स को पावर खरीद समझौते (पीपीए) नहीं मिल पा रहे हैं, जबकि डिस्कॉम कंपनियां वित्तीय दबाव में हैं। छोटे डेवलपर्स के लिए फंडिंग और जमीन बड़ी चुनौती बनी हुई है। भारत की ऊर्जा सुरक्षा अभी भी कमजोर है। देश के पास सिर्फ 5-6 दिन का रणनीतिक तेल भंडार है, जबकि एलपीजी का 55 फीसदी आयात पश्चिम एशिया से होता है। इसे देखते हुए सरकार स्टोरेज क्षमता बढ़ाने और पीएनजी कनेक्शन विस्तार पर काम कर रही है। रिपोर्ट में ईवी और रिन्यूएबल सेक्टर की कंपनियों में निवेश के बेहतर अवसर बताए गए हैं, जो इस बदलाव से सबसे ज्यादा फायदा उठा सकती हैं।

गिरावट के बाद चमक सकता है स्मालकेप स्टॉक टाइम टेक्नोप्लास्ट!

नई दिल्ली (ईएमएस)। पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव का असर भारतीय शेयर बाजारों पर साफ दिखाई दे रहा है। सोमवार को भी बाजार में तेज गिरावट दर्ज की गई और यह लगातार दूसरा कारोबारी सत्र रहा जब प्रमुख सूचकांक दबाव में बंद हुए। बाजार में चौतरफा बिकवाली देखने को मिली, जिससे ज्यादातर शेयर लाल निशान में बंद हुए। निवेशकों की चिंता बढ़ने के चलते लगभग सभी सेक्टरों में कमजोरी दर्ज की गई। इस गिरावट के बीच ब्रोकरेज फर्म मोतीलाल फाइनेंशियल सर्विसेज ने स्मॉलकैप कंपनी टाइम टेक्नोप्लास्ट पर सकारात्मक रुख बनाए रखा है। ब्रोकरेज का मानना है कि हालिया गिरावट लंबी अवधि के निवेशकों के लिए एक अच्छा अवसर पेश करती है। मोतीलाल ओसवाल ने इस स्टॉक पर 'खरीदारी' की सलाह बरकरार रखते हुए 280 रुपए का टारगेट प्राइस दिया है। मौजूदा स्तर से यह करीब 70 प्रतिशत से अधिक संभावित रिटर्न दर्शाता है। ब्रोकरेज के अनुसार, भले ही पश्चिम एशिया में तनाव बना हुआ है, लेकिन कंपनी के ऑपरेशन काफी हद तक स्थिर हैं। इस क्षेत्र से कंपनी की कुल आय का लगभग 11 प्रतिशत हिस्सा आता है, जिससे जोखिम सीमित रहता है। कंपनी की रणनीति, जिसमें 11 देशों में स्थानीय स्तर पर उत्पादन और बिक्री शामिल है, सप्लाई चेन पर पड़ने वाले संभावित प्रभाव को कम करने में मदद करती है। इसके अलावा, वैल्यू एडेड प्रोडक्ट्स और कम्पोजिट सिलेंडर सेगमेंट में बढ़ती हिस्सेदारी कंपनी के भविष्य के लिए सकारात्मक संकेत देती है। विशेषज्ञों का मानना है कि मौजूदा बाजार गिरावट के बीच मजबूत फंडामेंटल वाले स्टॉक्स में चरणबद्ध निवेश फायदेमंद साबित हो सकता है।

जल्द ही लांच होगा वनप्लस नॉर्ड 6

नई दिल्ली (ईएमएस)। वनप्लस भारत में जल्द ही वनप्लस नॉर्ड 6 को लॉन्च करने की तैयारी कर रही है। इस फोन को पिछले साल आए वनप्लस नॉर्ड 5 का अपग्रेड माना जा रहा है। लीक रिपोर्ट्स में इस सीरीज के और विस्तार के संकेत मिले हैं। मशहूर टिप्स्टर के अनुसार, कंपनी वनप्लस नॉर्ड सीई 6 और वनप्लस नॉर्ड सीई 6 लाइट को भी भारतीय बाजार में उतार सकती है। बताया जा रहा है कि ये दोनों स्मार्टफोन मई महीने में लॉन्च हो सकते हैं। अगर ऐसा होता है, तो यह सीई लाइट सीरीज की लगभग दो साल बाद वापसी होगी, क्योंकि पिछली बार वनप्लस नॉर्ड सीई 4 लाइट 5जी को जून 2024 में पेश किया गया था। लीक हुई जानकारी के अनुसार, नॉर्ड सीई 6 का डिजाइन प्रीमियम लुक के साथ आ सकता है। सामने आई तस्वीर में फोन ब्लैक कलर और फ्लैट रियर पैनल के साथ दिखा है, जिसमें स्क्वायर शेप का डुअल कैमरा मॉड्यूल नजर आता है। वहीं, नॉर्ड सीई 6 लाइट के स्पेसिफिकेशन्स भी सामने आए हैं, जिनमें 6.7 इंच की एलसीडी डिस्प्ले और 120 एचर्ट्ज रिफ्रेश रेट शामिल हो सकता है।

रुपए की लुढ़कती कीमतों पर आरबीआई का सख्त वार, बैंकों को आर्थिक दबाव का खतरा

बैंकों की गुहारः पुरानी पोजीशन को कैप से बाहर रखने और समय बढ़ाने की मांग

नई दिल्ली (ईएमएस)। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के बीच भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले लगातार कमजोर होता जा रहा है। शुक्रवार को एक डॉलर का दर 95.30 तक पहुंच गई, जो इस साल रुपये में लगभग 11 फीसदी की गिरावट को दर्शाती है और पिछले 14 वर्षों में सबसे तेज है। रुपये की इस तेजी से गिरावट को रोकने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंकों की नेट ओपन रुपया पोजीशन (एनओपी) पर 100 मिलियन डॉलर की सीमा लगाने का ऐलान किया है। आरबीआई ने सभी अधिकृत विदेशी मुद्रा डीलरों (बैंकों) को आदेश दिया है कि वे 10 अप्रैल से हर कारोबारी दिन के अंत में अपनी ओपन रुपया पोजीशन 100 मिलियन डॉलर के भीतर रखें। इससे पहले बैंकों को अपनी कुल पूंजी के 25 फीसदी तक की पोजीशन रखने की अनुमति थी, जो बड़े बैंकों के लिए अरबों डॉलर में होती थी। इस नए नियम का मुख्य उद्देश्य ऑनशोर और ऑफशोर मार्केट के बीच हो रहे अरबिट्राज ट्रेड्स को रोकना है। बाजार के कुछ बड़े खिलाड़ी इन ट्रेड्स के जरिए रुपये के खिलाफ सट्टेबाजी कर रहे थे, जिससे रुपये में अस्थिरता बढ़ रही थी। विशेषज्ञों का कहना है कि इस कदम से ट्रेडर्स को अपनी लंबी डॉलर पोजीशन छोड़नी पड़ेगी, जिससे डॉलर की मांग कम होगी और रुपये को मजबूती मिलने की संभावना है। हालांकि, इस उपाय के बैंकिंग सेक्टर पर नकारात्मक असर की भी संभावना है। एक अखबार की रिपोर्ट के अनुसार बैंकों को इस अचानक बदलाव के कारण बाजार से 30-45 अरब डॉलर तक की पोजीशन को बेचना या बंद करना पड़ सकता है। बैंकों के अनुसार, इतनी बड़ी पोजीशन को अचानक बेचने से बाजार की लिक्विडिटी कम हो जाएगी। इसका सीधा असर ग्राहकों, खासकर आयातकों और निर्यातकों को बेहतर दरें देने की क्षमता पर पड़ेगा। लिक्विडिटी कम होने से छोटे ट्रेड भी कीमतों में बड़े उतार-चढ़ाव ला सकती हैं, जिससे रुपये में स्थिरता की बजाय अस्थिरता का खतरा बढ़ सकता है। अनवाइंडिंग प्रक्रिया में बैंकों को उस समय के स्प्रेड (खरीद और बिक्री दर का अंतर) के आधार पर घाटा भी उठाना पड़ सकता है। अगर सभी बैंक एक साथ 10 अप्रैल तक अपनी पोजीशन बंद करने की कोशिश करेंगे, तो बाजार में डॉलर की आवक अचानक बढ़ जाएगी। इसी कारण बैंकों ने आरबीआई से समय सीमा बढ़ाने और पुरानी पोजीशन को इस कैप से बाहर रखने की गुहार लगाई है। उनका सुझाव है कि केवल नए एनडीएफ ट्रेड पर यह कैप लागू किया जाए, जिससे पोर्टफोलियो को चरणबद्ध तरीके से संतुलित किया जा सके और अनावश्यक वित्तीय नुकसान से बचा जा सके। आरबीआई का यह कदम रुपये की गिरावट रोकने और सट्टेबाजी कम करने के लिए अहम माना जा रहा है, लेकिन बैंकिंग सेक्टर पर इसके साइड इफेक्ट्स को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। विशेषज्ञों का कहना है कि नियम को धीरे-धीरे लागू करने और पुरानी पोजीशन को कुछ राहत देने से रुपये में स्थिरता के साथ-साथ बैंकिंग सेक्टर को भी सुरक्षित रखा जा सकता है।

सेबी ने एलीटकॉन इंटरनेशनल और पांच लोगों पर लगाया बाजार में हेरफेर का आरोप

सेबी ने शेयरों की खरीद-फरोख्त से लगाई रोक, बैंक व डीमैट खातों को फ्रीज करने का निर्देश दिया

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने एलीटकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड, उसके प्रवर्तक विपिन शर्मा और चार अन्य व्यक्तियों पर प्रतिभूति बाजार में हेरफेर और भ्रामक खुलासों के आरोप लगाते हुए कार्रवाई की। नियामक ने संबंधित व्यक्तियों और कंपनियों को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से शेयरों की खरीद-फरोख्त से रोक दिया और उनके बैंक व डीमैट खातों को जब्त राशि तक फ्रीज करने का निर्देश दिया। सेबी ने आदेश में कहा कि प्रथम दृष्टया जांच में यह पाया गया कि प्रवर्तक और अन्य पक्ष ऊंची कीमत पर अपने शेयर बेचते रहे, जबकि कंपनी और उसके निदेशक निवेशकों को केवल सकारात्मक वित्तीय और परिचालन जानकारी दे रहे थे। इस प्रक्रिया में कथित तौर पर कुल 51.26 करोड़ रुपये की अवैध कमाई हुई। नियामक ने आरोप लगाया कि कंपनी ने महत्वपूर्ण नकारात्मक जानकारी, जैसे कि जीएसटी से जुड़े मुद्दे, निवेशकों से छुपाई। इसके परिणामस्वरूप बाजार में कृत्रिम सकारात्मक धारणा बनी और निवेशकों को शेयर खरीदने के लिए प्रेरित किया गया। सेबी के अनुसार, ऐसा चयनात्मक खुलासा शेयर कीमत को सहारा देने और निवेशकों का लाभ उठाने की योजना की ओर संकेत करता है। सेबी ने कहा कि इस मामले में विस्तृत जांच की जाएगी और कंपनी के वास्तविक वित्तीय हालात का पता लगाने के लिए फॉरेंसिक लेखा परीक्षा कराई जाएगी। प्रतिबंधित व्यक्तियों को अपनी संपत्तियों और निवेशों का विवरण देने का भी आदेश दिया गया है। सेबी ने स्पष्ट किया कि इस कार्रवाई का उद्देश्य कथित गैरकानूनी लाभ के दुरुपयोग को रोकना और निवेशकों के हित की रक्षा करना है। प्रवर्तक और अन्य संबंधित इकाइयों पर यह प्रतिबंध अगले आदेश तक लागू रहेगा।

सेफ्टी कंट्रोल एंड डिवाइस एसएमई का आईपीओ अगले सप्ताह खुलेगा

मुंबई (ईएमएस)। इस सप्ताह कोई नया आईपीओ लॉन्च नहीं हो रहा है, लेकिन अगले सप्ताह अप्रैल माह का पहला एसएमई आईपीओ एसएमई सेफ्टी कंट्रोल एंड डिवाइस के सब्सक्रिप्शन के लिए उपलब्ध होगा। यह इश्यू कंपनी का फ्रेश इश्यू है, यानी आईपीओ के जरिए जुटाई गई राशि सीधे कंपनी के बिजनेस विस्तार में लगेगी। कंपनी इस आईपीओ के माध्यम से 48 करोड़ रुपये जुटाएगी। प्राइस बैंड 75 से 80 रुपए प्रति शेयर तय किया गया है। कुल 60 लाख शेयर जारी किए जाएंगे। आईपीओ 6 अप्रैल को खुलकर 8 अप्रैल तक निवेशकों के लिए सब्सक्रिप्शन के लिए उपलब्ध रहेगा। रिटेल निवेशकों के लिए एक लॉट में 1,600 शेयर रखे गए हैं, जिसकी लागत करीब 2,56,000 रुपए है। एचएनआई निवेशकों के लिए कम से कम 3 लॉट यानी 4,800 शेयर खरीदना आवश्यक होगा, जिसकी कुल लागत लगभग 3,84,000 रुपए है। इंफ्रास्ट्रक्चर और पावर सेक्टर में संभावित ग्रोथ को देखते हुए, यह आईपीओ निवेशकों के लिए एक संभावित अवसर पेश कर सकता है। फ्रेश इश्यू होने के कारण, जुटाई गई राशि सीधे कंपनी के व्यवसाय में निवेश होगी।

जल्द ही लांच होगा वनप्लस नोर्ड 6

नई दिल्ली (ईएमएस)। वनप्लस भारत में जल्द ही वनप्लस नॉर्ड 6 को लॉन्च करने की तैयारी कर रही है। इस फोन को पिछले साल आए वनप्लस नॉर्ड 5 का अपग्रेड माना जा रहा है। लीक रिपोर्ट्स में इस सीरीज के और विस्तार के संकेत मिले हैं। मशहूर टिप्स्टर के अनुसार, कंपनी वनप्लस नॉर्ड सीई 6 और वनप्लस नॉर्ड सीई 6 लाइट को भी भारतीय बाजार में उतार सकती है। बताया जा रहा है कि ये दोनों स्मार्टफोन मई महीने में लॉन्च हो सकते हैं। अगर ऐसा होता है, तो यह सीई लाइट सीरीज की लगभग दो साल बाद वापसी होगी, क्योंकि पिछली बार वनप्लस नॉर्ड सीई 4 लाइट 5जी को जून 2024 में पेश किया गया था। लीक हुई जानकारी के अनुसार, नॉर्ड सीई 6 का डिजाइन प्रीमियम लुक के साथ आ सकता है।

सत्या ने 600 करोड़ के आईपीओ के लिए सेबी के पास दाखिल किया दस्तावेज

नई दिल्ली (ईएमएस)। तमिलनाडु स्थित उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स और टिकाऊ वस्तुओं की खुदरा कंपनी सत्या एजेंसीज लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए सेबी के समक्ष प्रारंभिक दस्तावेज दाखिल किए हैं। कंपनी का लक्ष्य इस आईपीओ के जरिए कुल 600 करोड़ रुपये जुटाना है। दस्तावेजों के अनुसार प्रस्तावित आईपीओ 600 करोड़ रुपए का है। इसमें 300 करोड़ रुपए नए शेयर जारी करने से जुटाए जाएंगे और 300 करोड़ रुपए शेयरधारकों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) से आएंगे। इस तरह कुल निर्गम का आकार 600 करोड़ रुपए का होगा। कंपनी ने कहा है कि नए शेयरों से प्राप्त राशि का उपयोग कुछ मौजूदा ऋणों का भुगतान या पूर्व भुगतान करने, अपनी अनुषंगी कंपनी यूनिलेट अप्लायंसेज प्राइवेट लिमिटेड के अधिग्रहण के लिए आंशिक राशि का भुगतान और सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। सत्या एजेंसीज लिमिटेड की स्थापना 2005 में हुई थी। यह कंपनी उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं और इलेक्ट्रॉनिक्स के खुदरा व्यवसाय में सक्रिय है। यह आईपीओ कंपनी के विस्तार और वित्तीय स्थिति को मजबूत करने का महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

मिडिल ईस्ट तनाव पर आईएमएफ ने जारी की वैश्विक आर्थिक चेतावनी

नई दिल्ली (ईएमएस)। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने मिडिल ईस्ट में जारी तनाव को लेकर गंभीर चेतावनी जारी की है। आईएमएफ का कहना है कि यह संकट वैश्विक अर्थव्यवस्था की वृद्धि धीमी कर सकता है और महंगाई बढ़ा सकता है। खासकर हाल ही में उबर रही अर्थव्यवस्थाओं को इसका गंभीर असर महसूस होगा। तनाव का सबसे बड़ा असर होर्मुज जलडमरूमध्य पर दिख रहा है, जिससे दुनिया का लगभग 25-30 फीसदी तेल और 20 फीसदी गैस गुजरती है। इससे ब्रेंट क्रूड की कीमतें 115 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गई हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की ईरान के तेल ठिकानों पर हमले की चेतावनी ने बाजार में अनिश्चितता और बढ़ा दी है। आईएमएफ ने कहा कि संकट सिर्फ ईंधन तक सीमित नहीं रहेगा। खाड़ी देशों से फर्टिलाइजर सप्लाई में रुकावट और महंगे ईंधन के कारण कृषि लागत बढ़ेगी। इससे खाद्य पदार्थों की कीमतें बढ़ेंगी, खासकर उन देशों में जहां परिवार अपनी आय का लगभग 36 फीसदी भोजन पर खर्च करते हैं। अगर संघर्ष लंबा खिंचता है, तो दुनिया को स्टैगफ्लेशन जैसी स्थिति का सामना करना पड़ सकता है, जहां महंगाई बढ़ती है और आर्थिक विकास धीमा होता है। इससे कर्ज महंगा होगा और वैश्विक आर्थिक गतिविधियां प्रभावित होंगी। तेल आयातक बड़े देश जैसे भारत और यूरोप की अर्थव्यवस्थाएं, जो बाहरी कच्चे माल पर निर्भर हैं, सबसे अधिक प्रभावित होंगी। आईएमएफ का कहना है कि असर इस बात पर निर्भर करेगा कि यह तनाव कितने समय तक चलता है।

एचडीएफसी बैंक बना देश का सबसे सुरक्षित प्राइवेट बैंक

:: यूरोमनी अवार्ड्स 2026 में बैंक को मिले दो बड़े सम्मान, बेहतर बैंकिंग सेवाओं के लिए मिला पुरस्कार ::

मुंबई (ईएमएस)। भारत के प्रमुख निजी बैंक एचडीएफसी बैंक ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी सफलता का परचम लहराया है। बैंक को प्रतिष्ठित यूरोमनी प्राइवेट बैंकिंग अवार्ड-2026 में इंडियाज सेफेस्ट प्राइवेट बैंक (भारत का सबसे सुरक्षित निजी बैंक) और इंडियाज बेस्ट प्रीमियर बैंकिंग के खिताब से नवाजा गया है। यूरोमनी पत्रिका ने बैंक की तारीफ करते हुए कहा कि एचडीएफसी बैंक की मजबूती उसके अनुशासित कामकाज, जोखिम प्रबंधन और पूंजी की सुरक्षा पर टिकी है। वहीं, बैंक की डिजिटल ताकत और ग्राहकों को मिलने वाली सुविधाओं के कारण इसे प्रीमियर बैंकिंग के लिए सर्वश्रेष्ठ चुना गया है।

:: ग्राहकों के भरोसे की जीत ::
बैंक के ग्रुप हेड राकेश के. सिंह ने इस उपलब्धि पर खुशी जताते हुए कहा, यह पुरस्कार हमारे ग्राहकों के उस भरोसे का प्रमाण है, जो उन्होंने पिछले तीन दशकों से हम पर बनाए रखा है। हमारे रिलेशनशिप मैनेजर ग्राहकों की जरूरतों को समझते हैं और स्मार्ट वेल्थ जैसे मोबाइल ऐप के जरिए हम निवेश और धन प्रबंधन को सभी के लिए आसान बना रहे हैं।

:: क्या है यूरोमनी अवार्ड?
यह बैंकिंग जगत का एक प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार है, जो पिछले 20 वर्षों से दुनिया भर के उन बैंकों को सम्मानित करता है जो डिजिटल सेवाओं, वेल्थ मैनेजमेंट और ग्राहकों की सेवा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हैं।

डंकिन के साथ 'फ्रेंचाइजी' समझौता नहीं बढ़ाएगी जुबिलेंट फूडवर्क्स

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश की प्रमुख क्विक सर्विस रेस्तरां श्रृंखला जुबिलेंट फूडवर्क्स लिमिटेड (जेएफएल) ने अमेरिकी कॉफी और डोनट ब्रांड डंकिन के साथ अपने फ्रेंचाइजी समझौते को नवीनीकृत न करने का निर्णय लिया है। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि 24 फरवरी 2011 को किए गए मल्टीपल यूनिट डेवलपमेंट फ्रेंचाइजी एग्रीमेंट की अवधि 31 दिसंबर 2026 को समाप्त हो रही है। जेएफएल ने कहा कि वह चरणबद्ध तरीके से स्टोर्स बंद करने या संचालन में बदलाव करने के विकल्प पर विचार करेगी। इसमें परिसंपत्तियों की बिक्री, हस्तांतरण, या फ्रेंचाइजी अधिकारों का हस्तांतरण शामिल हो सकता है। सभी कदम डंकिन के मालिकों के परामर्श और कानूनी व नियामकीय आवश्यकताओं के अनुरूप होंगे। जुबिलेंट फूडवर्क्स के 3,500 से अधिक स्टोर्स भारत और पांच अन्य देशों में हैं। समूह के पोर्टफोलियो में डोमिनोज पिज्जा, पोपायज और तुर्की में हॉन्ग किचन तथा कैफे-कॉफी ब्रांड शामिल हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि यह कदम जेएफएल की वैश्विक रणनीति और प्रमुख ब्रांडों पर ध्यान केंद्रित करने की दिशा में है।

आज से सोना-चांदी निवेश के नियमों में होगा बड़ा बदलाव

- सेबी के नए नियम लागू, अब घरेलू कीमतों पर तय होगी ईटीएफ वैल्यू

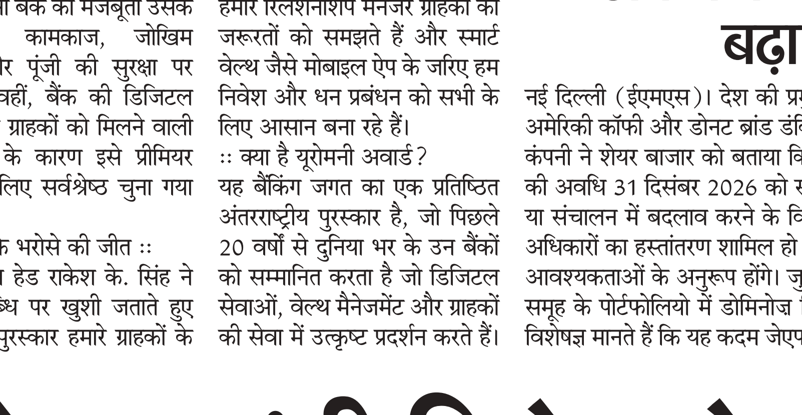

नई दिल्ली (ईएमएस)। 1 अप्रैल से सोने और चांदी में निवेश करने वाले लोगों के लिए कई महत्वपूर्ण बदलाव लागू हो रहे हैं, जिनका सीधा असर निवेश की वैल्यू, लोन सुविधा और टैक्स प्लानिंग पर पड़ेगा। सिक्योरिटी एंड एक्सचेंज बोर्ड आफ इंडिया (सेबी) के नए नियमों के अनुसार अब गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ की कीमतें अंतरराष्ट्रीय मानक लंदन बुलियन मार्केट एसोसिएशन के बजाय भारतीय एक्सचेंज के घरेलू स्पॉट प्राइस पर आधारित होंगी। इससे निवेशकों को देश के वास्तविक बाजार भाव का बेहतर अंदाजा मिलेगा और विदेशी मुद्रा के उतार-चढ़ाव का असर कम होगा। वहीं, लोन से जुड़े नियमों में भी राहत दी गई है। अब बड़ा आमतौर पर बैंकों से गोल्ड लोन ही आसानी से मिलता था, लेकिन नए प्रावधानों के तहत बैंक और को-ऑपरेटिव फाइनेंस संस्थाएं चांदी (गहने, सिक्के और बर्तन) के बदले भी लोन दे सकेंगी। यह कदम खासकर उन लोगों के लिए फायदेमंद होगा, जिनकी बचत चांदी के रूप में है। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड (एसजीबी) निवेशकों के लिए भी नियम बदले हैं। रिजर्व बैंक आफ इंडिया से सीधे खरीदे गए बॉन्ड पर मैच्योरिटी पर मिलने वाला लाभ टैक्स-फ्री रहेगा। हालांकि, यदि एसजीबी सेकेंडरी मार्केट से खरीदे गए हैं, तो उस पर टैक्स छूट नहीं मिलेगी। इन बदलावों के बाद निवेशकों को अपनी रणनीति में बदलाव करना पड़ सकता है, खासकर ईटीएफ और एसजीबी में निवेश करते समय।

मंगला कुप्पा बनीं अमेरिकी श्रम मंत्रालय की मुख्य सूचना अधिकारी

ह्यूस्टन (ईएमएस)। भारतीय मूल की तकनीकी विशेषज्ञ मंगला कुप्पा को अमेरिका के श्रम मंत्रालय का मुख्य सूचना अधिकारी (सीआईओ) नियुक्त किया गया है। वह पिछले वर्ष अक्टूबर से कार्यवाहक सीआईओ के रूप में मंत्रालय में जिम्मेदारी संभाल रही थीं और अब औपचारिक रूप से इस पद पर नियुक्त कर दी गई हैं। कुप्पा मंत्रालय की मुख्य कृत्रिम मेधा (एआई) अधिकारी भी हैं। इस भूमिका में वह मंत्रालय की सूचना प्रौद्योगिकी रणनीति, डिजिटल रूपांतरण और एआई के उपयोग की निगरानी करती रहेंगी। उनके नेतृत्व में मंत्रालय का आधुनिकीकरण कार्यक्रम तेजी से आगे बढ़ा है। उन्होंने मंत्रालय में कई वरिष्ठ पदों पर काम किया, जिनमें मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी और बिजनेस एप्लीकेशन सर्विसेज की निदेशक शामिल हैं। कुप्पा ने 2010 में श्रम मंत्रालय से जुड़ी और उससे पहले एक दशक से अधिक समय तक श्रम सांख्यिकी ब्यूरो में काम किया।

ईरान ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर टोल और सख्त नियम को दी मंजूरी

नई दिल्ली (ईएमएस)। ईरान की संसद की सुरक्षा समिति ने हाल ही में स्ट्रेट आफ होर्मुज को लेकर एक अहम मैनेजमेंट प्लान को मंजूरी दी है। इस योजना में इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग से गुजरने वाले जहाजों पर टोल (शुल्क) लगाने का प्रस्ताव शामिल है। सरकारी मीडिया के अनुसार, योजना में सुरक्षा, जहाजों की सुरक्षित आवाजाही, पर्यावरण संरक्षण और वित्तीय प्रबंधन जैसे कई महत्वपूर्ण पहलुओं को शामिल किया गया है। प्रस्ताव के तहत टोल वसूली ईरानी मुद्रा रियाल में की जाएगी। साथ ही यूनाइटेड स्टेट और इजरायल के जहाजों के इस मार्ग से गुजरने पर रोक लगाने की बात कही गई है। इसके अलावा उन देशों के जहाजों को भी अनुमति नहीं दी जाएगी, जो ईरान पर एकतरफा प्रतिबंधों में शामिल हैं।

संक्षिप्त खबरें

ट्रंप की धमकियों के बाद कुवैती तेल से लदे टैंकर पर ईरान ने ड्रोन से किया हमला

कुवैत (ईएमएस)। ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव के बीच हाल ही में कुवैत के तेल टैंकर पर ड्रोन हमले की घटना सामने आई है। यह हमला दुबई के पास समुद्री क्षेत्र में हुआ, जिसकी पुष्टि कुवैती और दुबई के अधिकारियों ने की है। राहत की बात यह है कि इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि या तेल रिसाव नहीं हुआ। रिपोर्ट के अनुसार, आपातकालीन टीमों ने समय रहते स्थिति पर काबू पा लिया और आग को बुझा दिया गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह हमला उस समय हुआ जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को कड़ी चेतावनी दी थी। उन्होंने कहा था कि यदि होर्मुज जलडमरूमध्य को दोबारा नहीं खोला गया, तब अमेरिका ईरान की तेल सुविधाओं को निशाना बना सकता है। इस धमकी के तुरंत बाद टैंकर पर हमले की खबर सामने आई, जिससे क्षेत्र में तनाव और बढ़ गया है। रिपोर्ट के अनुसार, हमला "अल-सलमी" नामक एक बड़े क्रूड ऑयल टैंकर पर हुआ, जो दुबई के पास लंगर डाले हुए था। ब्रिटेन की समुद्री सुरक्षा एजेंसी (यूकेएमटीओ) ने बताया कि जहाज दुबई से करीब 31 नॉटिकल मील उत्तर-पश्चिम में स्थित था, जब उस पर हमला हुआ। हमले के बाद जहाज में आग लगी थी, इस बाद में नियंत्रित किया गया। इस घटना के बाद विशेषज्ञों ने चिंता जाहिर की हैं कि नागरिक बुनियादी ढांचे पर इस तरह के हमले अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत युद्ध अपराध माने जा सकते हैं। इससे वैश्विक स्तर पर समुद्री सुरक्षा और ऊर्जा आपूर्ति को लेकर भी चिंताएं बढ़ गई हैं। दूसरी ओर, चीन ने इस पूरे घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए सभी पक्षों से संयम बरतने और सैन्य कार्रवाई रोकने की अपील की है। चीन के विदेश मंत्रालय ने कहा कि क्षेत्र में शांति बनाए रखना बेहद जरूरी है। साथ ही, उन्होंने ईरान में परमाणु संयंत्रों और ऐतिहासिक स्थलों को हुए नुकसान पर भी गहरी चिंता जताई है। कुल मिलाकर, यह घटना मध्य-पूर्व में बढ़ते तनाव का संकेत देती है, जो वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था पर गंभीर प्रभाव डाल सकती है।

होर्मुज संकट के बीच ट्रम्प का सख्त बयान, अब अमेरिका नहीं करेगा किसी की मदद

अमेरिका से तेल खरीदो या खुद जाकर ले आओ

वॉशिंगटन,(ईएमएस)। डोनाल्ड ट्रम्प ने वैश्विक ऊर्जा संकट और होर्मुज स्ट्रेट की स्थिति को लेकर कड़ा बयान दिया है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि अब अमेरिका किसी भी देश की मदद के लिए आगे नहीं आएगा और देशों को अपने हालात खुद संभालने होंगे। सोशल मीडिया पर जारी बयान में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि जो देश, खासकर ब्रिटेन, होर्मुज स्ट्रेट से ईंधन नहीं ला पा रहे हैं, उन्हें अमेरिका से तेल खरीदना चाहिए, क्योंकि अमेरिका के पास पर्याप्त भंडार उपलब्ध है। उन्होंने दो टूक अंदाज में कहा कि अगर देश चाहें तो "हिम्मत दिखाएं और खुद होर्मुज स्ट्रेट जाकर तेल ले लें", क्योंकि अमेरिका अब उनकी मदद के लिए नहीं आएगा।

राष्ट्रपति ट्रम्प ने यह भी दावा किया कि ईरान काफी हद तक कमजोर हो चुका है और क्षेत्र में सबसे कठिन चरण पहले ही पार हो चुका है। उनके अनुसार अब बाकी देशों को अपनी ऊर्जा जरूरतों को लेकर खुद पहल करनी होगी। इस बयान को वैश्विक राजनीति और ऊर्जा बाजार में अमेरिका की बदलती नीति के संकेत के रूप में देखा जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे अंतरराष्ट्रीय संबंधों और तेल आपूर्ति की रणनीतियों पर व्यापक असर पड़ सकता है।

दक्षिणी लेबनान में हिज़्बुल्लाह के साथ झड़प में आईडीएफ के चार जवानों की मौत

तेल अवीव,(ईएमएस)। इजरायली सेना ने घोषणा की है कि दक्षिणी लेबनान में हिज़्बुल्लाह के साथ हुई झड़प में आईडीएफ के चार जवान की मौत हुई और दो अन्य घायल हो गए। मृतकों की पहचान 22 वर्षीय कैप्टन नोआम मदमोनी, 21 वर्षीय स्टाफ सार्जेंट बेन कोहेन, 21 वर्षीय, स्टाफ सार्जेंट मैक्सिम एंटिस के रूप में हुई है। ये सभी नाहल ब्रिगेड की यूनिट में तैनात थे। इजरायली सेना का कहना है कि चौथे जवान का नाम बाद में बताया जाएगा। इसके अलावा एक जवान गंभीर रूप से घायल हो गया और एक आरक्षित सैनिक को मामूली चोटें आईं हैं। आईडीएफ की जांच के अनुसार, दक्षिणी लेबनान के पश्चिमी क्षेत्र में ऑपरेशन के दौरान, नाहल टोही यूनिट के जवानों ने हिज़्बुल्लाह बंदूकधारियों के एक समूह को देखा। बंदूकधारियों से हुई मठभेड़ में कई आतंकी घायल हुए हैं। इजरायली रक्षा बल (आईडीएफ) का कहना है कि दक्षिणी लेबनान में तैनात सैनिकों ने हिज़्बुल्लाह के एक लड़के को पकड़ा है। सेना के अनुसार, ये 36वीं डिवीजन के बलों की निगरानी कर रहा था। सैनिकों ने लड़के को पकड़कर पूछताछ के लिए इजरायल ले गए हैं। सेना का कहना है कि डिवीजन ने हिज़्बुल्लाह के दर्जनों लड़ाकों को भी मार गिराया, जिन्होंने बलों पर घात लगाकर हमला करने की कोशिश की थी और पिछले दिन दक्षिणी लेबनान में कई हथियार बरामद किए।

एपिस्टीन सेक्स कांड में प्रभावित पीड़ितों को 686 करोड़ का मुआवजा देगा बैंक

वाशिंगटन,(ईएमएस)।अमेरिका में चर्चित जेफ्री एपिस्टीन सेक्स कांड से जुड़े मामले में बैंक ऑफ अमेरिका ने प्रभावित पीड़ितों को करीब 686 करोड़ रुपये से अधिक की राशि मुआवजे के तौर पर देने पर सहमति जताई है। यह भुगतान उन लोगों के लिए होगा, जो वर्ष 2008 से 2019 के बीच कथित शोषण का शिकार हुए थे और जिन्होंने बैंक की भूमिका पर सवाल उठाए थे। दायर मुकदमे में आरोप लगाया गया था कि बैंक ने एपिस्टीन से जुड़े खातों और लेन-देन में संदिग्ध गतिविधियों को नजरअंदाज किया, जिससे उसे वित्तीय लाभ हुआ। पीड़ितों की ओर से कहा गया कि यदि समय रहते उचित निगरानी की जाती, तो शोषण की घटनाओं को रोका जा सकता था। मामले में संघीय अदालत में समझौते का प्रस्ताव रखा गया है, जिस पर न्यायाधीश की अंतिम मंजूरी आवश्यक होगी। बताया जा रहा है कि यह बैंक द्वारा ऐसे मामलों में किया गया तीसरा बड़ा समझौता है। समझौते के तहत पात्र पीड़ितों को दावों की समीक्षा के बाद मुआवजा वितरित किया जाएगा। इस फैसले को पीड़ितों के लिए एक महत्वपूर्ण कानूनी कदम माना जा रहा है, हालांकि बैंक ने किसी भी प्रकार की कानूनी गलती स्वीकार नहीं की है।

चीन में निर्माणाधीन टनल में भीषण धमाका, 4 मजदूरों की मौत, 09 घायल

ज्वलनशील गैस बनी विस्फोट का कारण

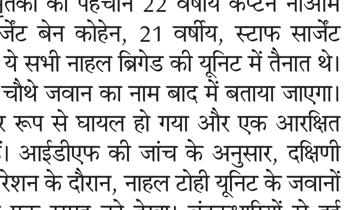

बीजिंग, (ईएमएस)। दक्षिण-पश्चिम चीन के चोंगकिंग क्षेत्र में एक निर्माणाधीन सुरंग में हुए भीषण विस्फोट ने चार मजदूरों की जान ले ली, जबकि 9 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा सोमवार दोपहर उस समय हुआ, जब एक राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजना के तहत सुरंग निर्माण का काम चल रहा था। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, यह सुरंग हुबेई और सिचुआन प्रांतों को जोड़ने के लिए बनाई जा रही थी। वानझोउ जिला परिवहन आयोग ने बताया कि धमाका इतना तेज था कि मौके पर मौजूद कई मजदूर इसकी चपेट में आ गए। प्रारंभिक रिपोर्ट के मुताबिक, घटना के बाद एक मजदूर लापता हो गया था और 12 लोग घायल बताए गए थे। बाद में बचाव दल ने मलबे से लापता व्यक्ति का शव बरामद किया, जबकि अस्पताल में इलाज के दौरान तीन अन्य घायलों ने दम तोड़ दिया। इस प्रकार मृतकों की संख्या बढ़कर चार हो गई। जांच में शुरुआती तौर पर सामने आया है कि सुरंग के भीतर ज्वलनशील गैस जमा हो गई थी, जिससे यह विस्फोट हुआ। हालांकि, अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि हादसे के सही कारणों का पता लगाने के लिए विस्तृत तकनीकी जांच जारी है। घटना के बाद प्रशासन ने तुरंत राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया। घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। साथ ही, सुरक्षा के मद्देनजर निर्माण कार्य को अस्थायी रूप से रोक दिया गया है और पूरे इलाके को घेराबंदी कर दी गई है।

अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच हो रही जंग के दौरान अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने पूरी दुनिया को चेताया

होर्मूज स्ट्रेट को लेकर बनी अनिश्चितता ने वैश्विक सप्लाई चेन को डाल दिया है खतरे में

चरमराई पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था

वाशिंगटन / इजराइल / तेलअवीव (ईएमएस)। अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच चल रहे संघर्ष को अब लगभग एक महीना हो गया है। इस दौरान, कई देशों में महंगाई तेजी से बढ़ी है। ज्यादातर देशों में गैस और तेल की सप्लाई को लेकर भारी उथल-पुथल मची हुई है। इस संघर्ष की वजह से, छोटे देशों की तो बात ही छोड़िए, बड़े-बड़े देशों की अर्थव्यवस्थाएं भी हिल गई हैं। इन सबके बीच, इंटरनेशनल मॉनिटरी फंड (अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष) ने अब एक बड़ी चेतावनी जारी की है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने कहा है कि अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच बढ़ता तनाव पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था पर असर डाल रहा है। आने वाले समय में यह असर और भी गहरा हो सकता है। यह संघर्ष उन कई अर्थव्यवस्थाओं की स्थिरता को खतरे में डाल सकता है, जो अभी-अभी पिछले संकटों से उबरना शुरू ही हुई थीं। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के अर्थशास्त्रियों टोबियास एड्रियन और जिहाद अजौर द्वारा जारी एक विस्तृत विश्लेषण में कहा है कि यह संघर्ष पहले ही वैश्विक आर्थिक गतिविधियों को प्रभावित कर रहा है। ऊर्जा, खाद्य और वित्तीय बाजारों के माध्यम से इसका असर तेजी से फैल रहा है। इस संकट का सबसे बड़ा असर ऊर्जा बाजार पर देखा जा रहा है। खास तौर पर, होर्मुज स्ट्रेट को लेकर बनी अनिश्चितता ने वैश्विक सप्लाई चेन को खतरे में डाल दिया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि होर्मुज दुनिया की लगभग 25 से 30 प्रतिशत तेल सप्लाई और लगभग 20 प्रतिशत लिक्विफाइड नेचुरल गैस के लिए एक अहम रास्ता है। इसके बंद होने के खतरे से कच्चे तेल की कीमतें तेजी से बढ़ी हैं, और ब्रेंट क्रूड 115 डॉलर प्रति बैरल के आसपास पहुंच गया है।

विकासशील और गरीब देशों पर सबसे ज्यादा मार पड़ेगी

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष का कहना है कि इस संकट का असर सभी देशों पर एक जैसा नहीं पड़ेगा। विकासशील और गरीब देश, जो ऊर्जा आयात पर बहुत ज्यादा निर्भर हैं, उन पर इसका सबसे बुरा असर पड़ने की आशंका है। खास तौर पर, एशिया और अफ्रीका के जिन देशों के पास वित्तीय संसाधन सीमित हैं, उन्हें ईंधन की बढ़ती कीमतों और सप्लाई में रुकावटों की वजह से गंभीर आर्थिक संकट का सामना करना पड़ सकता है। इसके विपरीत, तेल और गैस का निर्यात करने वाले देशों को इस स्थिति से कुछ हद तक फायदा हो सकता है। ऊर्जा संकट के दुष्परिणाम अब खाद्य क्षेत्र में भी दिखाई देने लगे हैं; ईंधन की बढ़ती कीमतों और खाड़ी देशों से उर्वरकों की सप्लाई में रुकावटों की वजह से कृषि उत्पादन की लागत बढ़ रही है। इसका असर भविष्य में फसलों के उत्पादन पर पड़ सकता है और इससे खाद्य महंगाई बढ़ सकती है।

बढ़ती खाद्य कीमतें भी एक बड़ा संकट

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने चेतावनी दी है कि यह स्थिति उन देशों के लिए विशेष रूप से गंभीर हो सकती है, जहां लोगों की आय का एक बड़ा हिस्सा भोजन पर खर्च होता है। वास्तव में, कम आय वाले देशों में, परिवार अपने बजट का लगभग 36 प्रतिशत भोजन की चीजों पर खर्च करते हैं, जबकि विकसित देशों में यह आँकड़ा लगभग 9 प्रतिशत है। नतीजतन, भोजन की कीमतों में वृद्धि इन देशों में सामाजिक और राजनीतिक अस्थिरता पैदा कर सकती है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने कहा कि यदि स्थिति बिगड़ती है, तो कई देशों को अतिरिक्त वित्तीय सहायता की आवश्यकता पड़ सकती है। रिपोर्ट यह भी चेतावनी देती है कि यह संकट वैश्विक स्तर पर महंगाई को फिर से बढ़ा सकता है और आर्थिक विकास को धीमा कर सकता है। कीमतों में वृद्धि की लंबी अवधि महंगाई की उम्मीदों को अस्थिर कर सकती है, जिससे वेतन और कीमतों के बढ़ते चक्र को शुरू होने का जोखिम बढ़ जाता है।

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष का साफ संदेश

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के अनुसार, इस संकट का अंतिम प्रभाव संघर्ष की अवधि पर निर्भर करेगा। अगर यह कम समय तक रहता है, तो नुकसान सीमित हो सकता है। हालांकि, अगर यह लंबे समय तक जारी रहता है या बढ़ता है, तो वैश्विक अर्थव्यवस्था को एक गंभीर झटका लग सकता है। फिलहाल, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने स्पष्ट किया है कि वह स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहा है और अपनी आने वाली रिपोर्टों में एक विस्तृत आकलन पेश करेगा। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष का संदेश साफ है कि यह संकट भले ही क्षेत्रीय हो, लेकिन इसके आर्थिक प्रभाव पूरी दुनिया में महसूस किए जाएंगे, और कमजोर अर्थव्यवस्थाओं को पर इसका ज्यादा असर होगा।

फ्लोरिडा एयरपोर्ट का नाम होगा अब प्रेसिडेंट डोनाल्ड जे. ट्रम्प इंटरनेशनल एयरपोर्ट

प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रम्प के कार्यकाल के दौरान एक ऐतिहासिक फैसला

वॉशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिका के फ्लोरिडा में स्थित पाम बीच इंटरनेशनल एयरपोर्ट का नाम बदलकर अब डोनाल्ड ट्रम्प के नाम पर रखा जाएगा। इस फैसले के तहत एयरपोर्ट का नया नाम 'प्रेसिडेंट डोनाल्ड जे. ट्रम्प इंटरनेशनल एयरपोर्ट' होगा। यह निर्णय फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डीसैंटिस द्वारा एक विधेयक पर हस्ताक्षर करने के बाद लिया गया। अब इस नाम परिवर्तन को लागू करने के लिए फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) को औपचारिक प्रस्ताव भेजा जाएगा। एफएए की मंजूरी मिलने के बाद फ्लाइट चार्ट, नेविगेशन सिस्टम और एयरपोर्ट साइनेज में बदलाव किया जाएगा। संभावना है कि यह नया नाम 1 जुलाई से लागू हो सकता है। यदि यह प्रक्रिया पूरी हो जाती है, तो ट्रम्प पहले ऐसे अमेरिकी राष्ट्रपति बन जाएंगे, जिनके कार्यकाल के दौरान ही उनके नाम पर किसी एयरपोर्ट का नाम रखा जाएगा। इसके साथ ही पाम बीच इंटरनेशनल एयरपोर्ट अमेरिका का नौवां ऐसा वाणिज्यिक हवाईअड्डा बन जाएगा, जिसका नाम किसी राष्ट्रपति पर होगा। यह एयरपोर्ट ट्रम्प के निजी निवास मार-ए-लागो एस्टेट के बेहद करीब स्थित है, जो इस फैसले को और खास बनाता है।

नाम बदलने की प्रक्रिया जटिल

अमेरिका में किसी एयरपोर्ट का नाम बदलना केवल प्रशासनिक फैसला नहीं होता, बल्कि इसमें स्थानीय, राज्य और संघीय स्तर की मंजूरी शामिल होती है। आमतौर पर पहले स्थानीय निकाय या एयरपोर्ट अथॉरिटी प्रस्ताव पारित करती है, इसके बाद राज्य सरकार की मंजूरी ली जाती है और अंत में एफएए इसे आधिकारिक रूप से लागू करता है। हालांकि एयरपोर्ट का कोड आमतौर पर नहीं बदला जाता, लेकिन इस मामले में सांसद ब्रायन मस्ट ने तीन अक्षरों वाला कोड पीबीआई से बदलकर डीजेटी करने का प्रस्ताव भी रखा है।

ट्रम्प के नाम पर बढ़ रहे संस्थान

एयरपोर्ट के अलावा भी ट्रम्प के नाम पर कई अन्य संस्थानों के नाम रखने के प्रस्ताव सामने आए हैं, जिनमें नेवी के वॉरशिप, निवेश वीजा प्रोग्राम, सरकारी वेबसाइट्स और बचत योजनाएं शामिल हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह फैसला अमेरिकी राजनीति में प्रतीकात्मक और ऐतिहासिक दोनों दृष्टि से महत्वपूर्ण साबित हो सकता है।

पाकिस्तान में गैस पाइपलाइन पर हमला एलपीजी संकट और नई साजिश के संकेत

कराची,(ईएमएस)। पाकिस्तान इन दिनों भयंकर ऊर्जा संकट का सामना कर रहा है। पहले ही देश में एलपीजी की कमी जनता को परेशान कर रही थी, लेकिन अब क्वेटा, बलूचिस्तान में बड़ी गैस पाइपलाइन पर बम हमला हुआ है। 30 मार्च 2026 को क्वेटा शहर के बाहर अख्तराबाद वेस्टर्न बायपास पर सुई सदर्न गैस कंपनी की 18 इंच की मुख्य पाइपलाइन को विस्फोटक कर उड़ा दिया गया। विस्फोट इतना तेज था कि आग की लपटें दूर से दिखाई दीं और वॉल्व असेंबली पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हमले के बाद क्वेटा और आसपास के जिलों जैसे हजारा टाउन, हजरगंजी, खरोटाबाद, मस्तुंग, कलात, पिशिन, कुचलाक और जियारत में गैस सप्लाई पूरी तरह ठप हो गई। प्राथमिक जांच में पता चला है कि पाइपलाइन के नीचे विस्फोटक लगाए गए थे। फिलहाल किसी भी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। विशेषज्ञों और आम लोगों का मानना है कि यह केवल आतंकवादी हमला नहीं, बल्कि सोची-समझी साजिश के तहत किया गया है, जिसका उद्देश्य देश को अस्थिर करना और ऊर्जा संकट को बढ़ाना है। बलूचिस्तान पहले ही पाकिस्तान का सबसे अशांत प्रांत रहा है, जहां अलगाववादी विद्रोही और इस्लामिक आतंकवादी समूह अक्सर गैस पाइपलाइनों को निशाना बनाते रहे हैं। सुई सदर्न गैस कंपनी ने स्पष्ट रूप से बताया है, जबकि काउंटर टेररिज्म विभाग ने अज्ञात हमलावरों के खिलाफ केस दर्ज किया है।

पाकिस्तान पहले से ही एलएनजी और एलपीजी की आपूर्ति के लिए कतर और यूएई पर निर्भर है। मध्यपूर्व में युद्ध और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में रुकावटों के कारण आयात प्रभावित हो रहा है। घरेलू पाइपलाइनों पर हमला इस संकट को और बढ़ा रहा है। उद्योगों और आम नागरिकों को गैस कटौती का सामना करना पड़ रहा है, और ठंड के मौसम में खाना पकाने जैसी बुनियादी जरूरतें भी प्रभावित हो रही हैं। पाकिस्तान सरकार ने पहले ही ऊर्जा बचत के लिए कड़े कदम उठाए हैं, लेकिन पाइपलाइन पर हमला लोगों पर दबाव बढ़ाने और देश की आंतरिक अस्थिरता बढ़ाने का नया खतरा पेश करता है। फिलहाल पाइपलाइन की मरम्मत शुरू कर दी गई है, लेकिन पूरे इलाके में गैस आपूर्ति बहाल होने में समय लग सकता है।

लेबनान में क्या कर रहे 642 भारतीय सैनिक, इजरायली हमले से बढ़ा खतरा

बेरुत (ईएमएस)। लेबनान में बढ़ते तनाव के बीच संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन यूएनआईएफआईएल में तैनात सैनिकों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। हाल ही में दक्षिणी लेबनान में दो अलग-अलग घटनाओं में तीन इंडोनेशियाई शांति सैनिकों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हुए हैं। इन घटनाओं के पीछे इजरायली हमलों का आरोप लगाया गया है, हालांकि इजरायल ने इन आरोपों से इंकार किया है। स्थिति इसलिए भी गंभीर है, क्योंकि क्षेत्र में हिजबुल्ला और इजरायल के बीच संघर्ष तेज हो गया है। इजरायली सेना हिजबुल्ला के ठिकानों को निशाना बना रही है, जिससे पूरे दक्षिणी लेबनान में अस्थिरता बढ़ गई है। इसी बीच शांति सैनिक भी इस संघर्ष की चपेट में आ रहे हैं, जबकि उनका काम युद्ध रोकना और शांति बनाए रखना है। संयुक्त राष्ट्र मिशन के अनुसार, एक घटना में शांति सैनिकों की गाड़ी बानी हयान के पास एक विस्फोट में नष्ट हो गई, जिसमें दो सैनिकों की मौत हो गई और अन्य घायल हुए। दूसरी घटना अदचित अल-कुसैर क्षेत्र में हुई, जहां एक गोला यूएनआईएफआईएल ठिकाने के पास फटा और एक सैनिक की जान चली गई। इन घटनाओं की अलग-अलग जांच की जा रही है। इस मिशन में भारत की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। वर्तमान में 642 भारतीय सैनिक यूएनआईएफआईएल के तहत लेबनान में तैनात हैं। ये इजरायल और लेबनान के बीच स्थित "ब्लू लाइन" पर निगरानी रखते हैं और संघर्ष को बढ़ने से रोकने की कोशिश करते हैं। इसके अलावा भारतीय सैनिक स्थानीय लोगों के लिए मेडिकल कैंप, पशु चिकित्सा सेवाएं और बुनियादी ढांचे की मरम्मत जैसे मानवीय कार्य भी करते हैं। भारत ने इन हमलों की कड़ी निंदा की है और सभी पक्षों से शांति सैनिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की है। भारत का कहना है कि शांति सैनिकों पर हमला अस्वीकार्य है और इससे अंतरराष्ट्रीय शांति प्रयासों को नुकसान पहुंचता है। लेबनान में नात संयुक्त राष्ट्र शांति सेना को यूएनआईएफआईएल के नाम से जाना जाता है। वर्तमान में इजरायल और हिजबुल्ला के बीच जारी जंग में इन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ा है, जिसमें सैनिकों की मौत भी शामिल है। यूएनआईएफआईएल की स्थापना 1978 में की गई थी। इसका मुख्य कार्य दक्षिणी लेबनान में शांति बनाए रखना, मानवीय सहायता सुनिश्चित करना और सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 1701 को लागू करना है।

ईरान को बर्बाद करने की कसम खाने वाले ट्रंप के हौसले पस्त!

होर्मुज खोले बिना ही युद्ध खत्म करने के दिए संकेत

ट्रंप ने 6 हफ्ते में अमेरिकी सेना की वापसी का बनाया प्लान

नई दिल्ली(ईएमएस)। मिडिल ईस्ट में चल रही लड़ाई के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान के खिलाफ जारी सैन्य अभियान को चार से छह हफ्तों के भीतर समाप्त करने के संकेत दिए हैं। ट्रंप का मानना है कि अमेरिका अब मिडिल ईस्ट की ऊर्जा पर निर्भर नहीं है, ऐसे में वह होर्मुज स्ट्रेट को खोले बिना भी ईरान के साथ चल रहे युद्ध को समाप्त कर सकते हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ईरान में यूएस मिलिट्री कैंपेन खत्म करने पर विचार कर रहे हैं। उन्होंने अपने सहयोगियों को संकेत दिया कि वह चार से छह हफ्ते के टाइमलाइन में ईरान के खिलाफ मिलिट्री ऑपरेशन खत्म करने के लिए तैयार हैं, भले ही होर्मुज स्ट्रेट बंद रहे।

ट्रंप का मानना है कि यदि अमेरिका ईरान की नौसैनिक और मिसाइल क्षमताओं को कमजोर करने जैसे अपने मुख्य उद्देश्यों को हासिल कर लेता है, तो होर्मुज स्ट्रेट के बंद रहने के बावजूद वह अपनी दुश्मनी खत्म कर सकता है और जीत का ऐलान कर सकता है।

अमेरिका मिडिल ईस्ट की उर्जा पर निर्भर नहीं

ट्रंप ने स्पष्ट किया कि होर्मुज स्ट्रेट से होकर जाने वाला 84 प्रतिशत तेल एशियाई बाजारों में जाता है। ऐसे में इसे फिर से खोलना अब एशिया और यूरोप की प्राथमिकता होनी चाहिए, क्योंकि अमेरिका अब मिडिल ईस्ट की ऊर्जा पर निर्भर नहीं है। ट्रंप के इस फैसले से शायद होर्मुज स्ट्रेट पर ईरान का कंट्रोल और अधिक बढ़ जाएगा, अगर ट्रंप ऐसा करते हैं तो ईरान का दुनिया के इस सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा मार्गों में से एक पर नियंत्रण बना रह सकता है, जिससे इसे फिर से खोलने के लिए डिप्लोमैटिक कोशिशों पर फोकस होगा। गौरतलब है कि ट्रंप ने ईरान को बार-बार चेतावनी दी थी कि अगर ईरान ने होर्मुज से जहाजों की आवाजाही को रोका तो भीषण हमले किए जाएंगे।

इजराइल में फिलिस्तीनी अपराधियों को 90 दिन में फांसी

संसद में बिल पास, अपील करने का अधिकार खत्म

तेल अवीव(ईएमएस)। इजराइल की संसद (नैसेट) ने फिलिस्तीनी अपराधियों को सजा देने वाला बिल पास कर दिया है। इसके तहत वेस्ट बैंक के फिलिस्तीनियों को इजराइली नागरिकों की हत्या करने या आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होने पर सीधे मौत की सजा दी जा सकेगी। इसमें अपील का भी कोई अधिकार नहीं होगा। सजा सुनाए जाने के 90 दिनों के अंदर फांसी दी जाएगी। यह कानून राष्ट्रवादी या आतंकवादी इरादे से की गई हत्याओं पर लागू होगा। हालांकि, अदालत को विशेष कारणों के तहत उम्रकैद की सजा देने का भी अधिकार होगा। यह बिल राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इत्तमार बेन ग्विर ने आगे बढ़ाया था। बिल पास होने के बाद बेन ग्विर और दूसरे सांसदों ने संसद में ही शैंपेन की बोतल खोलकर जश्न मनाया। उन्होंने कहा कि आज इजराइल खेल के नियम बदल रहा है, जो यहूदियों की हत्या करेगा, वह सांस नहीं ले सकेगा। बेन ग्विर ने पहले धमकी दी थी कि अगर बिल पर वोट नहीं कराया गया तो उनकी पार्टी सरकार से समर्थन वापस ले लेगी।

फिलिस्तीनियों और इजराइली यहूदियों के लिए अलग कानून

इस बिल की मांग इजराइल के चरमपंथी दक्षिणपंथी गुट लंबे समय से करते आ रहे थे। वेस्ट बैंक में फिलिस्तीनियों पर मिलिट्री कानून लागू होता है। इस बिल के जरिए मिलिट्री कोर्ट के नियमों में बदलाव कर दिया गया है, जिससे अब जज बिना सर्वसम्मति के भी मौत की सजा सुना सकेंगे। दूसरी ओर, इजराइली यहूदी बस्ती निवासी जो वेस्ट बैंक में रहते हैं, उनपर इजराइली सिविलियन कानून लागू होता है। इसका मतलब है कि उनका मुकदमा सामान्य इजराइली नागरिक अदालतों में चलता है। इसका नतीजा यह है कि एक ही इलाके में दो लोग एक ही तरह का अपराध करें, तो उन्हें अलग-अलग सजा दी जाएगी।

इससे फिलिस्तीनियों के लिए मौत की सजा की आशंका बढ़ जाएगी।

इजराइली संगठनों ने बिल को भेदभाव वाला बताया

मानवाधिकार संगठनों ने इसे नस्लीय भेदभावपूर्ण और बदला लेने वाली नीति बताया है। इस बिल का विरोध करते हुए इजराइल के मानवाधिकार और नागरिक समाज संगठनों ने कहा कि यह कानून फिलिस्तीनियों के खिलाफ नस्लीय हिंसा को बढ़ावा देगा। संगठनों ने इसे फिलिस्तीनियों को निशाना बनाने वाला और इजराइलियों को छूट देने वाला बताया। विपक्षी नेता यायर लापिद ने बिल की आलोचना करते हुए इसे हमास के सामने समर्पण बताया। उन्होंने कहा, हम हमास जैसे नहीं हैं, हम हमास के बिल्कुल उलट हैं।

बिल के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर

बिल पास होने के तुरंत बाद इस बिल के खिलाफ इजराइल के सिविल राइट्स संगठन ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। साथ ही इसे असंवैधानिक बताते हुए खारिज करने की मांग की है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने पहले इस बिल का विरोध किया था, लेकिन गाजा सीजफायर लागू होने के बाद उन्होंने अपना रुख बदल लिया और अंतिम वोट में इसका समर्थन किया। इजराइल के पूरे इतिहास में केवल दो बार ही मौत की सजा दी गई। पहला मामला 1948 के अरब-इजराइली युद्ध के दौरान की है।

पंजाब किंग्स की पारी लड़खड़ाई, 118 रन पर आधी टीम पवेलियन लौटी, कोनोली क्रीज पर

मुल्लांपुर । आईपीएल 2026 का आज चौथा मुकाबला गुजरात टाइटंस और पंजाब किंग्स के बीच खेला जा रहा है। ये मैच न्यू चंडीगढ़ के मुल्लांपुर में हो रहा है। दोनों ही टीमों का इस सीजन का यह पहला मैच है।

पंजाब किंग्स की पारी लड़खड़ा गई है और उसे चौथा झटका लगा है। वाशिंगटन सुंदर ने नेहाल वढेरा को अपना शिकार बनाया जो छह गेंदों पर तीन रन बनाकर आउट हुए।

प्रसिद्ध कृष्णा ने पंजाब के कप्तान श्रेयस अय्यर को अपना शिकार बनाया। पंजाब को 110 रन के स्कोर पर तीसरा झटका लगा। श्रेयस 11 गेंदों पर दो छक्कों की मदद से 18 रन बनाकर आउट हुए। श्रेयस को मैच के दौरान हाथ में चोट लगी थी। कोनोली ने शॉट लगाया और गेंद सीधे उनके हाथों में लगी। इसके कुछ देर बाद ही श्रेयस अपना विकेट गंवा बैठे।

गुजरात के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करते हुए पंजाब तेजी से बल्लेबाजी कर रहा है। कूपर कोनोली ने आक्रामक बल्लेबाजी जारी रखी है जिससे पंजाब का स्कोर 100 रन के पार पहुंच गया है।

राशिद खान ने प्रभसिमरन सिंह को आउट कर पंजाब किंग्स को दूसरा झटका दिया है। प्रभसिमरन अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे, लेकिन 24 गेंदों पर एक चौका और चार छक्के की मदद से 37 रन बनाकर आउट हुए। प्रभसिमरन और कोनोली के बीच दूसरे विकेट के लिए 76 रनों की साझेदारी हुई।

पंजाब किंग्स ने पावरप्ले की समाप्ति तक छह ओवर में एक विकेट पर 55 रन बनाए हैं। पंजाब के लिए कूपर कोनोली और प्रभसिमरन सिंह क्रीज पर मौजूद हैं। कगिसो रबाडा ने प्रियांश आर्या को आउट कर पंजाब किंग्स को पहला झटका दिया है। प्रियांश को चहल की जगह इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उतारा गया था, लेकिन वह आठ गेंदों पर एक छक्के की मदद से सात रन बनाकर आउट हुए।गुजरात टाइटंस ने पंजाब किंग्स को 163 रनों का लक्ष्य दिया है। गुजरात ने 20 ओवर में छह विकेट पर 162 रन बनाए। गुजरात के लिए सबसे ज्यादा रन कप्तान शुभमन गिल ने बनाए। उन्होंने 39 रनों की पारी खेली, जबकि जोस बटलर ने 38 रन बनाए। गुजरात ने शुरुआत अच्छी की थी, लेकिन टीम इस लय को बरकरार नहीं रख सकी। आखिरी ओवर करने आए अर्शदीप सिंह ने 11 गेंदों की क्योंकि चार वाइड और एक नो बॉल फेंकी। पंजाब की ओर से विजयकुमार विशाक ने तीन विकेट, युजवेंद्र चहल ने दो विकेट और मार्को यानसेन ने एक विकेट झटके।विशाक ने शाहरुख खान को आउट कर गुजरात को छठा झटका दिया है। शाहरुख छह गेंदों पर चार रन बनाकर आउट हुए। विशाक ने वाशिंगटन सुंदर को आउट कर गुजरात को पांचवां झटका दिया। वाशिंगटन 16 गेंदों पर दो चौकों की मदद से 18 रन बनाकर आउट हुए। चहल ने जोस बटलर को आउट कर गुजरात को चौथा झटका दिया है। चहल की गेंद पर बटलर ने ऊंचा शॉट खेला, लेकिन बाउंड्री पर बार्टलेट ने शानदार कैच पकड़ा। बटलर 33 गेंदों पर तीन चौकों और दो छक्कों की मदद से 38 रन बनाकर आउट हुए।

वैभव की पारी देखकर कैफ के सुर बदले, बोले उसकी क्षमताएं पहचानने में मुझसे भूल हुई

अगले स्तर पर वह जाने के लिए तैयार

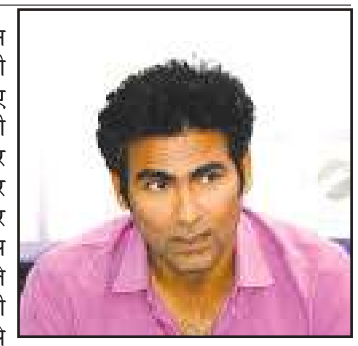

गुवाहाटी (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की शुरुआत से पहले उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की आलोचना करने वालों के सुर भी उनकी बल्लेबाजी देखकर अब बदल गये हैं। जिस प्रकार से वैभव ने चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के खिलाफ पहले ही मैच में 15 गेंदों में ही तेजी से अर्धशतक लगाया है। उससे पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ भी प्रभावित हुए बिना नहीं रह पाये। पहले जहां कैफ ने कहा था कि वैभव को लेकर जरुरत से ज्यादा बातें कही जा रही हैं, वहीं इस बल्लेबाज की पारी देखकर अब कैफ को भी अपनी धारणा बदलनी पड़ी है। कैफ ने माना है कि वैभव की क्षमताएं पहचानने में उनसे गलती हो गयी। कैफ ने सोशल मीडिया में लिखा, 'पिछले सत्र में मुझे लगा था कि वैभव सूर्यवंशी को बहुत जल्दी हाइप मिल रही है। पुराने विचारों वाला क्रिकेटर होने के नाते मेरा मानना है कि युवा खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने में कोई जल्दबाजी नहीं होनी चाहिए। लेकिन एक साल बाद मुझे लगता है कि वह अगले स्तर पर जाने के लिए तैयार है। यह 15 साल का लड़का मनोरंजन भी कर सकता है और मैच विजेता पारियां भी खेल सकता है।'पिछले साल उसने 35 गेंद में शतक लगाया था। वहीं अब 15 गेंद में अर्धशतक लगाया है। पिछले साल वैभव ने 14 साल की उम्र में डेब्यू किया था। वह आईपीएल इतिहास में डेब्यू करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी हैं। पिछले सत्र में गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में इस बल्लेबाज ने 35 गेंद में शतक लगा दिया था। ये आईपीएल इतिहास का दूसरा सबसे तेज शतक है। उनसे पहले सबसे तेज शतक केवल यूनिवर्स बॉस क्रिस गेल के नाम है जिन्होंने 2013 में केवल 30 गेंदों में तीन अंकों का आंकड़ा हासिल किया था। सोमवार को हुए मैच की बात करें तो सीएसके पहले बल्लेबाजी करते हुए केवल 127 रन पर सिमट गई। टीम पूरे 20 ओवर तक नहीं खेल पाई और 19.4 ओवर में ही सिमट गई।

वैभव सभी मैचों में उतरेंगे : रियान

गुवाहाटी (ईएमएस)। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग ने कहा है कि उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी इस सत्र में अपनी सभी 14 मैच खेलेंगे। 15 साल के वैभव ने पहले ही मैच में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ 300 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से अर्धशतक लगाकर राजस्थान रॉयल्स की जीत में अहम भूमिका निभाई है। इससे उत्साहित रॉयल्स के कप्तान रियान ने कहा है हालात कैसे भी हों वैभव हर मैच खेलेंगे। सीएसके के खिलाफ मैच के बाद कप्तान रियान से जब वैभव के बारे में पूछा गया कि आप उन्हें क्या कहेंगे? इसके जवाब में पराग ने कहा, मैं उसे यही कहूंगा कि तुम 14 गेम खेलने वाले हो और गेम में चाहे कुछ भी हो, तुम्हें इसी प्रकार निडर होकर खेलना है। मीडिया में क्या चल रहा है इससे परेशान होने की जगह केवल बल्लेबाजी पर ही ध्यान दो। मैंने कोच को बता दिया है कि उसे जितनी बल्लेबाजी करनी है करने दें। साथ कही कहा कि मैं और ध्रुव उसकी बल्लेबाजी देखकर हैरान हुए थे। हमें पता नहीं चल पा रहा था कि वह कैसे क्या कर रहा है हालांकि उसे अपनी टीम में पाकर बहुत खुश हूं। वैभव ने सीएसके के खिलाफ 15 गेंदों में अर्धशतक लगाया था और 17वीं गेंद पर वे आउट हो गए थे। इस बल्लेबाज ने 4 चौके और 5 छक्के लगाकर 52 रन बनाकर राजस्थान की जीत तय कर दी। वैभव ने 305.88 के स्ट्राइक रेट से रन बनाये। पिछले सत्र में भी इस बल्लेबाज ने अर्धशतक लगाया था।

जडेजा ने बताया, गन शॉट सेलिब्रेशन का कारण

गुवाहाटी (ईएमएस)। राजस्थान रॉयल्स की टीम ने आईपीएल 2026 की शुरुआत जीत से की है। उसने पहले ही मैच में चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) को हराया है। इस मैच में रॉयल्स की ओर से खेल रहे रविन्द्र जडेजा ने सीएसके के शिवम दुबे को आउट करने के बाद गन शॉट सेलिब्रेशन किया। ये पहली बार है जब जडेजा ने इस प्रकार से जश्न मनाया। वह अक्सर तलवारबाजी वाला जश्न मनाते आये हैं पर गन शॉट वाला नहीं। वहीं जडेजा ने इसका कारण भी बताया है। उन्होंने कहा कि मैं जानता था कि शिवम कैसे सोचते हैं। इसलिए मुझे पता था कि वह बड़ा शॉट खेलने का प्रयास करेगा और उसकी इसी योजना को विफल करने में मैं सफल रहा। इसी कारण मैंने जश्न मनाया। इससे पहले तक सीएसके में रहे जडेजा पहली बार रॉयल्स से खेल रहे हैं। जडेजा ने अपनी पुरानी टीम के सामने खतरनाक गेंदबाजी की। 3 ओवर में 18 रन दिए और 2 विकेट लिए। इसमें सरफराज खान और शिवम दुबे का विकेट शामिल था। दोनों को एक ही ओवर में जडेजा ने अपना शिकार बनाया। शिवम को आउट करने के बाद जश्न के कारण वह निगाहों में आये। जडेजा ने कहा, मैं उन्हें काफी लंबे समय से जानता हूं। मैं नेट्स में नियमित रूप से उन्हें गेंदबाजी करता रहा हूं। मैं जानता हूं कि वे कैसे सोचते हैं और क्या करना चाहते हैं। मैं इसके लिए तैयार था और मैंने ऑफ-स्टंप के बाहर गेंदबाजी करने की कोशिश की, क्योंकि मुझे पता था कि वे मेरे खिलाफ बड़े शॉट खेलने की कोशिश करेंगे। इस विकेट के साथ सीएसके संभल नहीं पाई और 127 रन पर पूरी टीम सिमट गई। उधर, आरआर ने 13वें ओवर में ही मैच फिनिश कर दिया।

जडेजा ने कहा, मुझे लगा कि विकेट थोड़ा फिसलन भरा था और गेंद घूम रही थी, इसलिए मुझे गेंदबाजी करने में बहुत आनंद आया। मेरा काम बस सही जगहों पर गेंद डालना था और बाकी काम पिच पर छोड़ देना था। खेल में आप किसी भी चीज को हल्के में नहीं ले सकते; लक्ष्य चाहे जो भी हो, आपको कड़ी मेहनत करने के साथ ही पूरे जुनून से प्रयास करना होता है।

धोनी के बिना उतरी चेन्नई सुपर किंग्स ने हार से शुरुआत की, वैभव सूर्यवंशी ने महज 15 गेंद पर फिफ्टी लगाई

गुवाहाटी (ईएमएस) आईपीएल के 19वें सीजन में चेन्नई सुपर किंग्स ने हार से शुरुआत की। टीम को राजस्थान रॉयल्स ने 8 विकेट से हरा दिया। गुवाहाटी के बरसापारा स्टेडियम में RR ने बॉलिंग चुनी। चेन्नई 19.4 ओवर में 127 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। राजस्थान ने 12.1 ओवर में 2 ही विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया।

वैभव सूर्यवंशी ने महज 15 गेंद पर फिफ्टी लगा दी, वे 52 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने 4 चौके और 5 छक्के लगाए। बॉलिंग में रवींद्र जडेजा, जोफ्रा आर्चर और नांद्रे बर्गर ने 2-2 विकेट लिए। चेन्नई से जैमी ओवरटन टॉप स्कोरर रहे, उन्होंने 43 रन बनाए। अंशुल कम्बोज को 2 विकेट मिले। चेन्नई के पूर्व कप्तान एमएस धोनी इंजरी के कारण 2 सप्ताह के लिए बाहर हो गए हैं। साउथ अफ्रीका के डेवाल्ड ब्रेविस भी इंजरी के कारण 3 मैच नहीं खेल सकेंगे। ऋतुराज गायकवाड कप्तानी कर रहे हैं, वहीं संजू सैमसन को ओपनिंग पोजिशन मिली। दोनों पहले मुकाबले में 6-6 रन ही बना सके।

फॉर्मूला वन चालक मैक्स वर्स्टापेन ले सकते हैं संन्यास

टोक्यो (ईएमएस)। जापान ग्रां प्री में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाने से निराश फॉर्मूला वन चालक मैक्स वर्स्टापेन ने कहा है कि वह अब अपने भविष्य को लेकर विचार कर रहे हैं। वर्स्टापेन के अनुसार सारी जिंदगी आप रेस नहीं कर सकते और जीवन में आगे भी काफी कुछ है। इसके माना जा रहा है कि वह आने वाले दिनों में संन्यास का फैसला कर सकते हैं। इस सत्र के नियमों से भी वह परेशान नजर आये। चार बार के विश्व चैंपियन वर्स्टापेन ने भी मान है कि जापान ग्रां प्री में उनका प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा। सुजुका सर्किट पर 11वें स्थान से शुरुआत करने के बाद वह आठवें स्थान तक ही पहुंच सके। इस सत्र में नियमों और इंजन के ढांचे को लेकर भी वह नाराज दिखे। रेस के दौरान एक ऐसा पल भी देखने को मिला जब उनकी गाड़ी की बैटरी तकरीबन समाप्त हो गई थी और इसी कारण वह पिछड़ गये।

वहीं क्वालिफाइंग के बाद वर्स्टापेन ने कहा था कि उन्हें अपने भविष्य को लेकर कई चीजों पर विचार करना है। जब उनसे इस बारे में दोबारा पूछा गया तो उन्होंने साफ कहा कि वह फॉर्मूला वन में अपने आगे के रास्ते को लेकर विचार कर रहे हैं। बहरीन और सऊदी अरब ग्रां प्री रद्द कर दिए जाने से भी खिलाड़ियों को लंबा ब्रेक मिला है। वर्स्टापेन का कहना है कि वह इसी दौरान आने वाले समय में अपने भविष्य पर फैसला ले सकते हैं।उन्होंने यह भी कहा कि जिंदगी केवल फॉर्मूला वन तक सीमित नहीं है और आगे कई रास्ते हैं। उनके इस बयान से साफ है कि अगर हालात ऐसे ही रहे तो वह संन्यास भी ले सकते हैं। वर्स्टापेन का मानना है कि फॉर्मूला वन में बने रहने के लिए खेल का मजेदार बने रहना जरूरी है।

ओवर्टन ने धोनी का रिकार्ड तोड़ा

आठवें नंबर पर सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बने

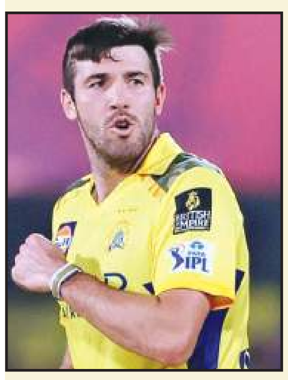

गुवाहाटी (ईएमएस)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की ओर से खेल रहे जैमी ओवर्टन ने आईपीएल 2026 के पहले ही मैच में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 43 रनों की पारी खेलकर अपनी टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाने के साथ ही पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी का भी एक रिकार्ड तोड़ दिया। ओवर्टन के कारण ही सीएसके 100 रन से ऊपर पहुंची। टीम के 127 रनों में से 43 रन ओवर्टन ने बनाए और धोनी का आठवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए सबसे अधिक 38 रनों के स्कोर को रिकार्ड भी तोड़ दिया। धोनी इस मैच में शामिल नहीं थे। वह चोट के कारण शुरुआती मैचों से बाहर हैं। इस मैच में टीम को एक बार फिर धोनी की कमी महसूस की। आईपीएल में सीएसके की ओर से धोनी ने अब तक 6 मैच नहीं खेल पाये हैं और इनमें से पांच मैचों में टीम हार है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि वह टीम के लिए कितने जरुरी हैं। जैमी ओवर्टन अब आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए नंबर 8 या इससे नीचे बल्लेबाजी करते हुए सबसे बड़ी पारी खेलने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। अभी तक यह रिकॉर्ड धोनी के नाम दर्ज था। धोनी ने साल 2024 में विशाखापट्टनम में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ नाबाद 37 रनों की पारी खेली थी, जबकि अब ओवर्टन ने 43 रन बनाए। इस ऑलराउंडर ने रन आउट होने से पहले 36 गेंदों में 2 चौके और 2 छक्कों की सहायता से 43 रनों की पारी खेली। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 119.44 रन था। उनके अलावा दो और बल्लेबाज ही दो अंकों तक पहुंचे थे। वहीं अन्य बल्लेबाज बुरी तरह असफल रहे।

पावरप्ले की कमजोरी नहीं ठीक कर पायी सीएसके

गुवाहाटी (ईएमएस)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम एक बार फिर पावरप्ले में कमजोर साबित हुई है। इसी कारण आईपीएल 2026 के अपने पहले ही मैच में उसे राजस्थान रॉयल्स के हाथों हार का सामना करना पड़ा है। सीएसके की आधी टीम शुरुआती छह ओवरों में ही मात्र 41 रनों पर ही पेवेलियन लौट गयी थी। पिछले साल भी उसने पावरप्ले में ही अपने विकेट गंवा दिये थे। कागज पर जहां टीम की बल्लेबाजी कमजोर नजर आती है, वहीं मैदान पर आते ही उसकी कमजोरी की पोल खुल गयी। टूर्नामेंट की शुरुआत पहले दो मैचों में पावरप्ले में बड़े स्कोर के साथ हुई थी। इससे यह साफ हो गया कि अब लीग में पावरप्ले बल्लेबाजी का स्तर काफी कुछ तय करता है। ऐसे में शुरुआत में ही करीब पांच विकेट गिरना दिखाता है कि मैच टीम के हाथों से निकल गया है। इससे पहले आईपीएल 2025 में भी सीएसके का प्रदर्शन पावरप्ले में अच्छा नहीं रहा था। टीम पावरप्ले में 14 पारियों में 8.70 के रन रेट से 731 रन ही बना पायी थी। उसका औसत पावरप्ले स्कोर 52.21 रहा। सीएसके ने पिछले सत्र में पावरप्ले में 29 विकेट खोये यानी हर पारी में औसतन 2.07 विकेट, जबकि डॉट बॉल प्रतिशत 42.66 फीसदी रहा।पावरप्ले के पहले हाफ में ही काफी कुछ तय होता है। 1 से 3 ओवर में सीएसके ने सिर्फ 7.76 की रन रेट से रन बनाए और 49.60 फीसदी गेंद डॉट खेली। सीएसके के लिए चिंता की बात सिर्फ कम स्कोर नहीं है। असली चिंता यह है कि इस विकेट गिरने का तरीका पिछले साल जैसा ही है। आईपीएल 2025 में सीएसके की पावरप्ले बल्लेबाजी इसलिए खराब थी क्योंकि वह कम स्कोरिंग और ज्यादा नुकसान वाली थी।

आईपीएल की कवरेज के लिए आये ब्रिटेन के ब्रॉडकास्ट इंजीनियर की मौत

मुम्बई (ईएमएस)। आईपीएल कवरेज की जिम्मेदारी संभाल रहे ब्रॉडकास्ट इंजीनियर ब्रिटेन के इयान विलियम्स लैंगफोर्ड की अचानक हुई मौत से सनसनी फैल गयी है। लैंगफोर्ड को मुंबई के पांच सितारा ट्राइडेंट होटल में मृत पाया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार इयान 24 मार्च से ही होटल में ठहरे हुए थे। उन्हें भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने ब्रॉडकास्ट इंजीनियर के तौर पर रखा था। वहीं पुलिस के अनुसार आईपीएल मैचों के लिए बीसीसीआई के साथ ब्रॉडकास्ट इंजीनियर के रूप में काम करने वाले एक ब्रिटिश नागरिक की मौत का मामला सामने आया है। वह उम्र 76 वर्ष के थे। 29 मार्च को मैच के बाद इयान अपने होटल के कमरे में पहुंच गये थे पर जब 30 मार्च को उनके कमरे में फोन किया गया तो कोई जवाब नहीं मिला, इसके बाद होटल स्टाफ ने कमरे पर पहुंचकर आवाज दी। कोई जवाब न . मिलने पर उन्होंने मास्टर चाबी से कमरा खोला और उन्हें फर्श पर मृत पाया गया। . होटल के डॉक्टर ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। वहीं पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

सान्या में चीनी भारोत्तोलक शिन जियांग एशियन बीच गेम्स 2026 को लेकर टॉर्च रिले में मशाल थामते हुए।

शार्दुल से बोले पंड्या, अब मुम्बई टीम में ही बने रहें

मुम्बई (ईएमएस)। मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या ने आईपीएल 2026 सत्र के पहले ही मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ मिली शानदार जीत पर खुशी जताई है। मुम्बई के लिए ये जीत इसलिए भी विशेष है क्योंकि 13 साल के बाद ये पहला अवसर है जब उसे शुरुआती मैच में ही जीत मिली है। इस जीत में तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर की अहम भूमिका रही है। शार्दुल ने इस मैच में अपनी जबरदस्त गेंदबाजी से केकेआर की बल्लेबाजी ध्वस्त कर दी थी। इसी से उत्साहित पांड्या ने कहा कि अब अपने करियर का बचा हुआ समय शार्दुल मुम्बई के साथ ही बिताएं। शार्दुल ने अपने चार ओवर में 39 रन लेकर 3 विकेट लिये। इसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड भी मिला। जीत के बाद हार्दिक ने कहा कि शार्दुल की जगह अब टीम में पक्की हो गयी है। मेरी इच्छा है कि वह अब बाकि करियर यहीं बिताएं। शार्दुल ने इस सत्र से पहले छह अलग-अलग टीमों से है। वहीं इस मैच के बाद हार्दिक ने कहा, मैंने शार्दुल से इस सत्र से पहले भी कहा था, बहुत हो गया फ्रेंचाइजी बदलना। मैं चाहता हूं कि तुम अपने बाकी करियर के लिए यहीं रहो। जिस तरह से वह आता है और हमेशा बल्लेबाज पर अंकुश लगाता है। ये शानदार है। मैं उसके लिए बहुत खुश हूं।

मकाओं में आईटीटीएफ पुरुष और महिला विश्वकप में खेलती हुई दक्षिण कोरिया की शिन युबिन।

स्टूगर्ट में घाना के खिलाफ मैत्री फुटबॉल मैच में गोल दागते हुए जर्मनी के डेनिज उनडोव।

आईपीएल में आज होगा लखनऊ सुपरजायंटस और दिल्ली कैपिटल्स का मुकाबला

लखनऊ (ईएमएस)। यहां के इकाना स्टेडियम में बुधवार को लखनऊ सुपरजायंटस और दिल्ली कैपिटल्स के बीच मुकाबला खेला जाएगा। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत के इरादे से उतरेंगी। सुपरजायंटस के लिए एक सकारात्मक बात ये रहेगी कि उसे घरेलू मैदान का लाभ मिलेगा। सुपरजायंटस की कप्तानी जहां ऋषभ पंत के पास है, वहीं दिल्ली की कमान अक्षर पटेल संभालेंगे। ऋषभ इस लीग में बेहतर बल्लेबाजी कर अपनी फिटनेस और फार्म हासिल करने का प्रयास करेंगे। वहीं अक्षर का प्रयास भी अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाना है। इन दोनो ही टीमों का प्रदर्शन पिछले सत्र में अच्छा नहीं रहा था। पिछली बार दोनों ही टीमें प्लेऑफ में भी जगह नहीं बना पाय थीं। आंकड़ों पर नजर डालें तो दोनो टीमों के बीच हुए सात मैचों में से दिल्ली ने चार जीते हैं जबकि तीन में उसे हार का सामना करना पड़ा है। वहीं हाल के वर्षों में लखनऊ ने दिल्ली को तीन मैच हराकर दिखाया है कि वह भी बराबरी की दावेदार है। उसने 200 रन से अधिक रन बनाकर दिल्ली को कड़ी टक्कर दी है। ऐसे में अगर कैपिटल्स को इस बार जीत दर्ज करनी है तो उसे अपनी ताकत और कमजोरियों को पहचानना होगा। बेन डकेट के नाम वापस लेने ने उसे झटका लगा है। अब उसकी बल्लेबाजी शीर्ष क्रम में केएल राहुल और पथुम निसांका के अलावा पृथ्वी शॉ पर आधारित रहेगी। वहीं मध्यक्रम में टीम के पास ट्रिस्टन स्टब्स, आशुतोष शर्मा और डेविड मिलर जैसे अनुभवी खिलाड़ी हैं। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क के फिट नहीं होने से टीम की गेंदबाजी की जिम्मेदारी लुंगी एनगिडी, कुलदीप यादव और आकिब नबी पर रहेगी। कप्तान अक्षर पर बल्लेबाजी के साथ ही गेंदबाजी में भी टीम की ओर से अधिक से अधिक योगदान देने की जिम्मेदारी रहेगी। टीम 2008 से ही लीग का हिस्सा है पर एक बार भी खिताब नहीं जीत पाई है। 145 आईपीएल मैचों में 46.21 के शानदार औसत से 5222 रन बनाने वाले राहुल इस टूर्नामेंट के सबसे लगातार प्रदर्शन करने वाले बल्लेबाजों में से एक रहे हैं।लखनऊ जैसी कठिन पिच पर राहुल की पारी को संभालने की क्षमता और भी ज्यादा कीमती साबित होगी। अगर वह टीम को एक मजबूत शुरुआत दे पाते हैं और अंत तक बल्लेबाजी करते हैं, तो इससे मध्य क्रम पर दबाव कम होगा और टीम एक अच्छा स्कोर खड़ा कर पाएगी। राहुल के जोड़ीदार के तौर पर पृथ्वी शॉ को मौका मिल सकता है।

अभिषेक पोरेल ने भी आईपीएल 2025 में अपनी बल्लेबाजी से खासा प्रभावित किया था। पोरेल ने 13 मुकाबलों में 146 के स्ट्राइक रेट से 301 रन बनाए थे। करुण नायर,ट्रिस्टन स्टब्स और डेविड मिलर से भी इस सीजन टीम को दमदार प्रदर्शन की उम्मीद होगी। मिलर के आने से टीम का मध्यक्रम और ज्यादा संतुलित दिख रहा है। समीर रिजवी और आशुतोष शर्मा फिनिशर की भूमिका निभाते नजर आएंगे। वहीं, अक्षर पटले और विपराज निगम बल्ले और गेंद दोनों से अहम योगदान देंगे। वहीं दूसरी ओर लखनऊ की टीम कप्तान 2. ऋषभ पंत के अलावा बल्लेबाज निकोलस पूरन पर आधारित रहेगी। ऋषभ को लखनऊ सुपर जायंट्स ने पिछली बार 27 करोड़ में खरीदा था। उन्होंने आईपीएल 2025 में लखनऊ सुपर जायंट्स की कप्तानी की थी पर वह अधिकतर समय रन नहीं बना पाये पर अंत में 118 रनों की शानदार पारी खेलते हुए 14 पारियों में कुल 269 रन बनाए थे। इस बार उनका लक्ष्य अधिक से अधिक रन बनाकर टीम को जीत दिलाना रहेगा।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं : लखनऊ सुपर जाइंट्स : ऋषभ पंत (कप्तान), आयुष बडोनी, मैथ्यू ब्रीज्के, एडेन मार्क्रम, निकोलस पूरन, अर्शिन कुलकर्णी, मिचेल मार्श, शाहबाज अहमद, आकाश महाराज सिंह, आवेश खान, मोहम्मद शमी, प्रिंस यादव, दिग्वेश सिंह राठी, अर्जुन तेंदुलकर, मयंक यादव, वानिंदु हसरंगा, एनरिच नॉर्किया, जोश इंग्लिस, अब्दुल समद, हिम्मत सिंह, नमन तिवारी, अक्षत रघुवंशी, मोहसिन खान, मनिमारन सिद्धार्थ, मुकुल चौधरी।

दिल्ली कैपिटल्स : अक्षर पटेल (कप्तान), अभिषेक पोरेल, केएल राहुल, नीतिश राणा, समीर रिजवी, ट्रिस्टन स्टब्स,आशुतोष शर्मा, दुष्मंता चमीरा, कुलदीप यादव, मुकेश कुमार, विपराज निगम, मिचेल स्टार्क, त्रिपुराना विजय, डेविड मिलर, आकिब नबी डर, पाथुम निसांका, लुंगी एंगिडी, पृथ्वी साव, काइल जैमीसन, अजय मंडल, टी नटराजन, माधव तिवारी, करुण नायर, साहिल पारख ।

एफआईएस नेशंस कप टूर्नामेंट में भाग लेगी भारतीय महिला हॉकी टीम

लुसाने (ईएमएस)। भारतीय महिला हॉकी टीम न्यूजीलैंड के आकलैंड में 15 से 21 जून तक होने वाले एफआईएस नेशंस कप टूर्नामेंट में भाग लेगी। हॉकी नेशंस कप प्रो लीग से बाहर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग वाली टीमों का शीर्ष स्तरीय टूर्नामेंट है। इसमें विजेता टीम को अगले सत्र में प्रो लीग में खेलने का अवसर मिलता है।भारतीय महिला हॉकी टीम पिछले सत्र में नौ टीमों में आखिरी स्थान पर रहने के बाद से ही प्रो लीग से बाहर हो गई थी। भारत के अलावा इसमें मेजबान न्यूजीलैंड, अमेरिका, जापान, कोरिया, चिली, स्कॉटलैंड और फ्रांस भी भाग लेंगे।

भारतीय महिला हॉकी टीम ने पिछले कुछ समय में काफी अच्छा प्रदर्शन करती आ रही है जिससे उसे नेशंस कप में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। वहीं पुरूषों वर्ग टूर्नामेंट केपटाउन में खेला जाएगा जिसमें दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड, फ्रांस, कोरिया, जापान, वेल्स, मलेशिया, आयरलैंड और स्कॉटलैंड की टीमें हिस्सा लेंगी। यह टूर्नामेंट 11 से 20 जून तक खेला जाएगा। इसके लिए भारतीय पुरुष और महिला टीमों की तैयारी जारी है।

दिल्ली को जीत दिलाने अक्षर पटेल को निरंतरता लानी होगी : इरफान पठान

नई दिल्ली (ईएमएस)। पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान ने कहा है कि दिल्ली कैपिटल्स के स्पिनर ऑलराउंडर और कप्तान अक्षर पटेल के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी है और अगर उन्हें अपनी टीम को जीत दिलानी है तो इस सत्र में बेहतर प्रदर्शन करना होगा। पठान के अनुसार पिछले सत्र में अक्षर का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। पठान ने बताया है कि हाल के दिनों में दिल्ली कैपिटल्स के लिए सबसे बड़ी चिंता टीम के खिलाड़ियों का कमजोर प्रदर्शन रहा है। पठान ने किहा कि अक्षर पिछले सत्र के 12 मैचों में केवल 5 विकेट ले पाये और अन्होंने 263 रन बनाए। पठान ने कहा, पिछले साल अक्षर की गेंदबाजी में धार नहीं दिखी थी। उनका आत्मविश्वास हालांकि कप्तान बनने के बाद बढ़ा होगा पर अगर वह अपनी तरफ से नियमित रूप से विकेट लेते हैं, तो उनकी टीम हावी हो जाएगी क्योंकि उनकी टीम के पास कुलदीप यादव जैसा विकेट लेने वाला गेंदबाज है। इसके अलावा विपराज निगम जैसे उभारत हुआ खिलाड़ी है। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा कहा, आपको अक्षर और कुलदीप जैसी स्पिन-गेंदबाजी की जोड़ी कहीं और देखने को नहीं मिलेगी। आपको इसमें विपराज का नाम भी जोड़ना होगा। विपराज के साथ उनके पास दो ऐसे अनुभवी खिलाड़ी हैं जिन्होंने लगातार दो विश्व कप जीते हैं। भारतीय टीम के मुख्य खिलाड़ियों वाला ऐसा अनुभव आपको हर जगह नहीं मिलता। दिल्ली के लिए ये सकारात्मक बात है। कैपिटल्स ने पिछले सत्र की शुरुआत काफी अच्छी करते हुए लगातार चार मैच जीते थे। उन्होंने लखनऊ सुपर जायंट्स , सनराइजर्स हैदराबाद , चेन्नई सुपर किंग्स और आरसीबी को हराया था पर उसके बाद मुंबई इंडियंस से हार गए और इससे टीम ने अपनी लय गंवा दी थी। यह टीम अपने पिछले 10 मैचों में से सिर्फ तीन ही जीत पाई और अंक तालिका में 5 स्थान पर रही। अब इस सत्र में टीम बेहतर प्रदर्शन करना चाहेगी। उसे अपना पहला मुकाबला 1 अप्रैल को लखनऊ के एकाना क्रिकेट स्टेडियम में लखनऊ सुपर जायंट्स से खेलना है। दिल्ली का लक्ष्य इस मैच को जीतकर अच्छी शुरुआत करना रहेगा।

पांडेयडीह मोड़ पर भाजपा की बैठक, पंचायत संगठन पर मंथन, मिशन 2029 को लेकर रणनीति तैयार

जामताड़ा मंगलवार को नारायणपुर प्रखंड के पांडेयडीह मोड़ पर भारतीय जनता पार्टी की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें पंचायत स्तर पर संगठन को मजबूत करने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता भाजपा मंडल अध्यक्ष बलदेव हांसदा ने की। बैठक में पंचायत संगठन को सशक्त बनाने, कार्यकर्ताओं की भूमिका बढ़ाने तथा आगामी चुनावी रणनीति के तहत "मिशन 2029" को सफल बनाने पर विशेष जोर दिया गया। नेताओं ने संगठन की जमीनी पकड़ मजबूत करने और हर गांव तक पार्टी की पहुंच सुनिश्चित करने की आवश्यकता बताई। इस अवसर पर अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अबिता हांसदा, जामताड़ा ग्रामीण एसटी मोर्चा अध्यक्ष उत्तम हेम्ब्रम सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने संगठन विस्तार और जनसंपर्क अभियान को तेज करने का संकल्प लिया। बैठक में कार्यकर्ताओं को सक्रिय भूमिका निभाने, पंचायत स्तर पर बूथ प्रबंधन मजबूत करने और केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं को आम लोगों तक पहुंचाने के निर्देश दिए गए।

यात्री सुविधा के मद्देनजर स्पेशल ट्रेनों के परिचालन में किया गया विस्तार

धनबाद, यात्रियों की सुविधा एवं उनके सुगम आवागमन हेतु निम्नलिखित स्पेशल ट्रेनों के परिचालन में विस्तार किया जाएगा, जिनका विवरण इस प्रकार है: 03309 धनबाद-दिल्ली स्पेशल मंगलवार, शनिवार, 04.04.26 से 11.07.26 तक (23.05.26 को छोड़कर), 03310 दिल्ली-धनबाद स्पेशल बुधवार, रविवार 05.04.26 से 12.07.26 तक (24.05.26 को छोड़कर), 03639 धनबाद-शकूर बस्ती स्पेशल, सोमवार,शुक्रवार 03.04.26 से 13.07.26 तक (22.05.26 को छोड़कर),03640 शकूर बस्ती-धनबाद स्पेशल मंगलवार,शनिवार 04.04.26 से 14.07.26 तक (23.05.26 को छोड़कर) उपरोक्त स्पेशल ट्रेनों का समय और ठहराव वर्तमान में चल रही स्पेशल ट्रेनों के मौजूदा समय और ठहराव के समान होगा । उक्त जानकारी मोहम्मद इकबाल,वरीय मंडल वाणिज्य प्रबंधक, धनबाद एवं वरीय जनसंपर्क अधिकारी ने कोयलांचल संवाद को दी ।

अज्ञात वाहन के चपेट में आने से बाइक सवार घायल

दुमका:गोविंदपुर-साहिबगंज स्टेट हाईवे पर गोपीकांदर थाना क्षेत्र के काटा झरना पुल के पास अज्ञात वाहन के चपेट में आ जाने से बाइक सवार एक व्यक्ति हुए घायल हो गया। स्थानीय लोगो द्वारा गोपीकांदर थाना पुलिस को सड़क दुर्घटना की सूचना देने के बाद मुंशी बृजमोहन ने दलबल के साथ पहुंचकर घायल व्यक्ति को गोपीकांदर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया।डॉक्टर हेमंत मुर्मू ने घायल का प्राथमिक उपचार कर बताया कि सिर में ज्यादा चोट को देखते हुए सीटी स्कैन कराना आवश्यक है, घायल के दायां पैर और दायां हाथ टूट जाने से बेहोशी के हालात में बेहतर इलाज के लिए 108 एम्बुलेंस से दुमका स्थित फूलो -झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर किया गया। घायल की पहचान जॉन विनय हांसदा के रूप में हुई है।पुलिस के द्वारा जेब में रखें आधार कार्ड एवं वोटर कार्ड के माध्यम से बताया गया कि गोपीकांदर थाना खरौनी बाजार चौक का रहने वाला है। आमड़ापाड़ा बाजार से घर खरौनी लौटने के दौरान काटा झरना के पास अज्ञात वाहन के चपेट में आने से घायल हो गया। होंडा यूनिकॉर्न जेएच 04 डी 2070 क्षतिग्रस्त बाइक को पुलिस प्रशासन घटनास्थल से जब्त कर थाना परिसर लाया है।

दो दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता संपन्न:एफसी गाजर टीम बनी विजेता

दुमका:गोपीकांदर प्रखंड के खेड़ीबाड़ी यूनियर स्पोर्टिंग क्लब की ओर से आयोजित दो दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता मंगलवार को संपन्न हो गई।प्रतियोगिता में कुल 16 टीमों ने भाग लिया।फाइनल प्रतियोगिता में एफसी गाजर टीम ने एफसी अजनबी टीम को ट्राइब्रेकर के सहारे हराकर फाइनल मुकाबला जीत लिया।एफसी गाजर टीम को प्रथम पुरस्कार के रूप में ग्राम प्रधान कनक लता हेंब्रम के हाथों तथा उप विजेता एफसी अजनबी टीम को गुड़ित मरियम मुर्मू के हाथों पुरस्कृत किया गया।सेमी फाइनल में पहुंचने एफसी जोजो टोला एवं एफसी लखेर स्टार को सांत्वना पुरस्कार से सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में क्लब अध्यक्ष लखींद्र लोहार, सचिव बाबूसोल सोरेन, कोषाध्यक्ष संजय मुर्मू, राम लाल हेंब्रम,अर्जुन हांसदा, प्रकाश हेंब्रम, गोपीनाथ हांसदा, सुलेमान टुडू तथा अविनाश टुडू सहित क्लब के सभी सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

प्रस्तावित समादेष्टा भवन का ग्रामीणों ने किया विरोध

सरायकेला(ईएमएस)। सरायकेला खरसावां जिला अंतर्गत गम्हरिया प्रखंड के बड़ाकांकड़ा पंचायत के पोड़ाडीह गांव में मंगलवार को गांधी सुरेन की अध्यक्षता में ग्रामीणों की बैठक की गई।बैठक में ग्रामीणों ने पोड़ाडीह मौजा के सरकारी जमीन प्लॉट संख्या 32 व 33 पर बन रहे सरकारी भवन के निर्माण का विरोध किया।ग्रामीणों का कहना है कि जिला समादेष्टा की ओर से निर्माण कार्य से पूर्व ग्राम सभा की सहमति नहीं ली गई है।बिना सहमति के ही जिला समादेष्टा की ओर से सरकारी भवन का निर्माण कार्य शुरू किया जा रहा है।कहा कि गांव के जिस जमीन पर सरकारी भवन का निर्माण कार्य किया जा रहा है वह गांव में एक मात्र ऐसा सरकारी जमीन है जो खाली पड़ा है।जमीन पर गांव के सार्वजनिक कार्य के साथ साथ वहां के बच्चे उस जमीन पर खेलते हैं।

साथ ही गांव वाले उस जमीन का उपयोग गोचर भूमि के रूप में भी करते हैं।उक्त सरकारी जमीन पर भवन के निर्माण होने से ग्रामीणों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ेगा।भवन निर्माण के बाद गांव के बच्चों को खेल का मैदान नहीं मिल पाएगा और ना ही गांव के जानवरों के लिए गोचर जमीन ही उपलब्ध हो पाएगा।ग्रामीणों ने बताया कि करीब 4 एकड़ में फैले इस जमीन पर पूर्व में ही महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के लिए भवन का निर्माण कराया जा चुका है,जिसमें केंद्रीय विद्यालय संचालित हो रहा है।वर्तमान में लगभग 3 एकड़ जमीन ही बचा है जिसका उपयोग ग्रामीण अपने सार्वजनिक कार्य के लिए करते हैं।ग्रामीणों ने बताया कि वर्ष 2021 में भी जिला समादेष्टा की ओर से बिना ग्रामसभा के अनुमति के उक्त जमीन पर होमगार्ड आवासीय कार्यालय का निर्माण कराया जा रहा था,जिसका ग्रामीणों ने विरोध किया था।इसके विरोध में ग्रामीणों ने सरायकेला अंचलाधिकारी को आवेदन देकर इसपर रोक लगाने का मांग किया था।पांच वर्ष बाद फिर से उक्त जमीन पर सरकारी भवन के निर्माण की प्रक्रिया को शुरू किया गया है जिसका ग्रामीणों ने खुलकर विरोध किया है।

पुतुलजोड़ गांव में पांच वर्ष बाद धूमधाम से मनाई गई मां मोड़े पूजा, पारंपरिक नृत्य से गूंजा माहौल

जामताड़ा फतेहपुर प्रखंड अंतर्गत बिंदापाथर पंचायत के पुतुलजोड़ गांव में मंगलवार को आदिवासी समाज द्वारा मां मोड़े पूजा का भव्य आयोजन किया गया। यह पूजा पांच वर्ष में एक बार आयोजित होती है, जिसे लेकर पूरे गांव में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला। गांव के मुंशी हेम्ब्रम ने बताया कि मां मोड़े पूजा सदियों से चली आ रही परंपरा है, जिसे पहले पूर्वज निभाते थे और अब वर्तमान पीढ़ी उसी आस्था के साथ आगे बढ़ा रही है। इस पूजा के माध्यम से गांव की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की जाती है।

पूजा के दौरान ग्राम देवता, जाहेरथान, माझि थाना, काली मंदिर एवं मालंचा थान में विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना की गई। गांव के नायकी राजेंद्र हेम्ब्रम और कुडेम नायकी के नेतृत्व में पूरे अनुष्ठान को संपन्न कराया गया। राजेंद्र हेम्ब्रम ने बताया कि इस पूजा से गांव में सकारात्मक ऊर्जा और समृद्धि का संचार होता है। पूजा के उपरांत मेला डांगाल स्थित जाहेरथान में आदिवासी रीति-रिवाज के अनुसार महिलाओं ने मांदर की थाप पर पारंपरिक नृत्य प्रस्तुत किया, जिसने पूरे माहौल को भक्तिमय और उत्साहपूर्ण बना दिया। इस अवसर पर माझि बाबा मनोहरी हेम्ब्रम, गुडित सुशील हांसदा, जगमाझि आमीन हेम्ब्रम, लासेरशाल शत्रुघ्न हांसदा, सार्केल हेम्ब्रम, महादेव हेम्ब्रम, शिवधन, जनेश्वर हेम्ब्रम सहित आदिवासी समाज के कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

तेजस्वी यादव के स्वागत को लेकर राजद की जिला कार्यकारिणी बैठक सम्पन्न, 5 अप्रैल को सैकड़ों कार्यकर्ताओं के रांची जाने का निर्णय

रसोई गैस एवं पेट्रोलियम पदार्थों की किल्लत पर महिला राजद ने जताई गहरी नाराजगी

दुमका। राष्ट्रीय जनता दल जिला कार्यकारिणी समिति की बैठक मंगलवार को जिला अध्यक्ष डॉ अमरेंद्र कुमार यादव की अध्यक्षता में इंडोर स्टेडियम के प्रांगण में संपन्न हुई। बैठक में जिला कमेटी के सदस्य, विभिन्न प्रकोष्ठों के अध्यक्ष एवं प्रखंड अध्यक्षगण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।बैठक को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष डॉ अमरेंद्र कुमार यादव ने कहा कि बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को राजद का कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाए जाने के बाद उनका झारखंड की धरती पर पहला आगमन आगामी 5 अप्रैल को प्रस्तावित है। इस अवसर पर उनके स्वागत समारोह में भाग लेने के लिए पूरे राज्य के कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह देखा जा रहा है।बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि दुमका जिला कमेटी, प्रखंड कमेटी, पंचायत अध्यक्ष एवं विभिन्न प्रकोष्ठों के सैकड़ों कार्यकर्ता एक साथ रांची जाकर कार्यक्रम में भाग लेंगे। इसकी तैयारी की जिम्मेदारी कार्यकारी जिला अध्यक्ष प्रमोद पंडित एवं अनुमंडल अध्यक्ष जितेश कुमार दास को सौंपी गई है। महिला प्रकोष्ठ की जिला अध्यक्ष साव्या सिंह और महासचिव मनीष कुमारी ने भी बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि महिला कमेटी के सभी सदस्य रांची के कार्निवल बैंक्वेट हॉल में आयोजित स्वागत कार्यक्रम में भाग लेने रांची जाएंगे।

साथ ही उन्होंने रसोई गैस एवं पेट्रोलियम पदार्थों की किल्लत पर गहरी नाराजगी व्यक्त की।बैठक में प्रदेश सचिव प्रवीर कुमार वर्मा, कार्यकारी जिला अध्यक्ष प्रमोद पंडित, अनुमंडल अध्यक्ष जितेश कुमार दास, उपाध्यक्ष संतोष मंडल, महासचिव अमरेन्द्र यादव (सरैयाहाट), अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष मो. जमील अख्तर, महिला जिलाध्यक्ष साव्या सिंह, महासचिव मनीषा कुमारी, नगर अध्यक्ष अविनाश कुमार सिंह चंचल, मसलिया प्रखंड अध्यक्ष लक्ष्मी नारायण राउत, सरैयाहाट प्रखंड अध्यक्ष राकेश यादव, जरमुंडी प्रखंड अध्यक्ष गणेश भंडारी, सचिव दिनेश मिश्रा, मयंक रंजन, नीरज कुमार एवं रंजन कुमार सहित दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

इंटरमीडिएट बंद, कर्मचारियों की सेवा समाप्त, सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप

दुमका।दुमका से एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक निर्णय सामने आया है, जिसने शिक्षा व्यवस्था और रोजगार दोनों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। सिद्धो-कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय से संबद्ध एस.पी. कॉलेज, दुमका के प्राचार्य कार्यालय द्वारा जारी आदेश में इंटरमीडिएट (12वीं) की पढ़ाई बंद होने के कारण कार्यरत कई तृतीय एवं चतुर्थ वर्गीय कर्मचारियों की संविदा सेवा समाप्त करने का निर्णय लिया गया है। यह आदेश 01 अप्रैल 2026 से प्रभावी किया गया है।कार्यालय आदेश के अनुसार, इंटरमीडिएट संकाय बंद होने के चलते संबंधित कर्मचारियों की सेवाएं अब आवश्यक नहीं रह गई हैं, जिसके कारण उन्हें कार्यमुक्त किया जा रहा है। इस फैसले से कई परिवारों के सामने आजीविका का संकट खड़ा हो गया है।इस मुद्दे पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए विश्वविद्यालय के सीनेट सदस्य विमल मरांडी ने राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन ने चुनाव के दौरान युवाओं को रोजगार और बेरोजगारी भत्ता देने का वादा किया था, लेकिन सत्ता में आने के बाद इन वादों को भुला दिया गया।मरांडी ने आरोप लगाया कि सरकार की नीतियों के कारण न सिर्फ नए रोजगार नहीं मिल रहे, बल्कि जो लोग मेहनत से नौकरी हासिल कर चुके थे, उन्हें भी बेरोजगार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हालिया आदेश इस बात का प्रमाण है कि सरकार आम गरीब और मध्यम वर्ग की समस्याओं को समझने में असफल रही है।उन्होंने इस निर्णय का कड़ा विरोध करते हुए सरकार से मांग की कि इस आदेश को तत्काल वापस लिया जाए और प्रभावित कर्मचारियों के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं।यह मामला अब राजनीतिक रंग लेता नजर आ रहा है और आने वाले दिनों में इस पर और बड़ा आंदोलन देखने को मिल सकता है।

वार्षिक खेलकूद दिवस पर रामगढ़ में किशोरियों के लिए फुटबॉल समेत अन्य खेल का आयोजन

दुमका:आयो आयदरी ट्रस्ट और गर्ल फर्स्ट फंड के संयुक्त तत्वाधान में दुमका जिले के रामगढ़ प्रखंड के अमरा पहाड़ी पंचायत के अमरापहाड़ी मैदान में वार्षिक खेलकूद दिवस के शुभ अवसर पर किशोरियों के फुटबॉल मैच का आयोजन किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य जेंडर असमानता को तोड़ना और समानता को लाना था, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में जिला परिषद उपाध्यक्ष सुधीर मण्डल, संस्था सचिव मुन्नी हेम्ब्रम के द्वारा खिलाड़ियों से परिचय कर फुटबॉल उपर उछाल कर मैच का शुभारंभ किया गया। पहला मैच अम्बासोल ककनी और जवारी के बीच खेला गया, जिसमें अम्बासोल ककनी ने जीत हासिल कर दूसरे चक्र में प्रवेश किया। दूसरा मैच अमरापहाड़ी और गोबिंदपुर के बीच खेला गया, जिसमें गोबिंदपुर ने जीत हासिल कर अगले चरण में प्रवेश किया। फाइनल मुकाबला अम्बासोल ककनी और गोबिंदपुर टीम के बीच खेला गया, जिसमें अम्बासोल ककनी ने गोबिंदपुर को एक गोल से को हराकर ट्रॉफी पर कब्जा कर लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ सभी अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय के साथ किया। इस दौरान संस्था की सचिव मुन्नी हेंब्रम ने कहा कि संस्था द्वारा समय-समय पर इस प्रकार के खेल का आयोजन किया जाता है। ताकि किशोरियों का स्वास्थ्य अच्छा रहे और अपने हुनर को दिखाने का मौका गांव स्तर पर मिले। यह दिन महिलाओं को समर्पित है, और यह नारी शक्ति और महिलाओं की उपलब्धियों को सलाम करने का दिन है। कहा कि इस तरह का आयोजन हमें नारी की हर छोटी-बड़ी लड़ाई को सम्मान देने और उनके सपनों को पंख देने का मौका देता है। यह दिवस हमें महिलाओं द्वारा समाज में दिए गए योगदान, उनके संघर्ष तथा उनके सामने आने वाली चुनौतियों की याद दिलाता है। भारत में आजादी के बाद लगातार सुधारों से महिलाओं को पुरुषों की तरह सशक्त बनाया गया है। वह आज स्वावलंबी और स्वतंत्र है। इसीलिए अब कहा जाने लगा है कि भारतीय महिलाओं की सीमाएं आकाश की तरह अंतहीन हो गई हैं।आइए, हम महिलाओं के अधिकारों के लिए लड़ने का संकल्प लें और उन्हें समाज में सम्मान दिलाने का प्रयास करें। आइए, हम महिलाओं को शक्ति दें और उन्हें अपने सपनों को पूरा करने में मदद करें । आगे जिला परिषद उपाध्यक्ष सुधीर मण्डल जी ने कहा कि इस तरह का खेल का आयोजन होना बहुत ही जरूरी है ताकि गांव स्तर के खिलाड़ियों को मौका मिल सके झारखंड अभी खेल के क्षेत्र मे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपना नाम ऊंचा कर रहा है जैसे पहले महेंद्र सिंह धोनी और अब ईशान किशन जो क्रिकेट मे झारखंड का नाम रोशन कर रहा है। उन्होंने कार्यक्रम की काफी सराहना की। फुटबॉल के अलावा जलेबी रेस में पूजा मुर्मू प्रथम रितिका टुडू द्वितीय प्रियंका सोरेन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

घड़ा रेस में बाहामुनी बेसरा प्रथम अनिता मुर्मू द्वितीय मेरी हेम्ब्रम ने तीसरा स्थान व गुब्बारा रेस में मकू मुर्मू ने जीत हासिल किया। 100 मीटर दौड़ में सीमा मुर्मू ने प्रथम, मांझन मुर्मू द्वितीय एवं सरिता टुडू ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।लाग्गड़े एनेच डांस में नगड़ा पहाड़ी प्रथम, अमरा पहाड़ी द्वितीय एवं जरवाडीह ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। अनेक प्रकार का खेल बीच बीच मे होते रहा। इस कार्यक्रम के सफल आयोजन में विवेकानंद पांडे, जयप्रकाश शर्मा, सुस्मिता महतो, तपन कुमार गोस्वामी, सावित्री टुडू ललिता हेम्ब्रम, पाकलूमुनि बास्की, रसिक हेम्ब्रम, मार्शल हांसदा, नंदलाल मण्डल, अविनाश राय, अनिल मोहली, ईश्वरमुनी टुडू, सुशांति मरांडी, ज्योति हांसदा, शीला सोरेन फूलमुनी हेम्ब्रम का बहुत सराहनीय योगदान रहा।

चैत्र माह में गवांली काली पूजा की धूम, फतेहपुर के गांवों में उत्साह के साथ संपन्न हुआ आयोजन

जामताड़ा । फतेहपुर प्रखंड क्षेत्र के धसनियां, चापुड़िया टोला आसानमोड़ा, मुड़ाम, खंतीपुर सहित विभिन्न गांवों में चैत्र माह के अवसर पर आयोजित होने वाली पारंपरिक गवांली काली पूजा मंगलवार को श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुई। पूजा को लेकर गांवों में भक्तिमय माहौल देखने को मिला। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार चैत्र माह में प्रत्येक शनिवार एवं मंगलवार को गवांली काली पूजा का आयोजन किया जाता है। इस पूजा में ग्रामीण एकजुट होकर भाग लेते हैं और पूरे गांव की सुख-शांति तथा पालतू मवेशियों की समृद्धि की कामना करते हैं। ग्रामीणों के सामूहिक सहयोग से संपन्न होने वाली इस पूजा में सोलह आना (पूर्ण भागीदारी) के साथ सभी लोग शामिल होते हैं। पूजा के दौरान पारंपरिक रीति-रिवाजों का पालन करते हुए मां काली की आराधना की जाती है। पूजा को लेकर गांवों में उत्साह और आस्था का माहौल बना रहा। ग्रामीणों ने बताया कि यह परंपरा वर्षों से चली आ रही है और आज भी उसी श्रद्धा के साथ निभाई जा रही है, जो गांव की एकता और सांस्कृतिक विरासत को दर्शाती है।

चड़क पूजा महोत्सव को ले चुटोनाथ मंदिर में 1 - 14 अप्रैल तक बलि पूजा बंद

दुमका:जामा प्रखंड क्षेत्र स्थित चुटोनाथ मंदिर में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी भव्य चड़क पूजा महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में नव युवक पूजा समिति चुटोनाथ द्वारा बताया गया है कि एक अप्रैल बुधवार बंगला 17 चैत से 14 अप्रैल मंगलवार बंगला 30 चैत तक बलि पूजा बंद रहेगी।8 अप्रैल बुधवार, बंगला 24 चैत को डाक आगमन, 10 अप्रैल शुक्रवार, बंगला 26 चैत को बाबा बेणेश्वर आगमन एवं नगर क्षेत्र भ्रमण कार्यक्रम होगा। 14 अप्रैल मंगलवार, बंगला 30 चैत को रात्रि जागरण, शिव अर्चना, गायन, भक्ति कार्यक्रम एवं भव्य चड़क मेला का आयोजन किया जाएगा।15 अप्रैल बुधवार, बंगला 1 बैशाख को बाबा पाहाड़ ठाकुर पूजन, मानसिक फुल्हास तथा एक दिन की बलि पूजा होगी। तत्पश्चात 22 अप्रैल बुधवार, बंगला 8 बैशाख को अष्टमंगला, बाबा पहाड़ ठाकुर पूजन स्नान तथा एक दिन की बलि पूजा होगी। जबकि 24 अप्रैल 2026 , बंगला 10 बैशाख को दशहरा पूजा एवं बेणेश्वर गमन के साथ पुन: बलि पूजा प्रारंभ किया जाएगा। इस मौके पर समिति के अध्यक्ष संजय राय, पुजारी बिट्टू राय उर्फ शानदार राय, रुसन राय, शिकंदर राय सहित अन्य सदस्य मौजूद थे।

पुलिस को बड़ी सफलता,एक ही रजिस्ट्रेशन नं पर चल रहे दो ट्रक जब्त, दोनों चालकों को भेजा जेल

दुमका:रामगढ़ थाना पुलिस के गश्ती दल ने मंगलवार को एक ही नंबर प्लेट लगे दो वाहनों को जब्त किया है। थाना प्रभारी मनीष कुमार को वरीय पदाधिकारी के माध्यम से सूचना प्राप्त हो रही थी कि एक ही वाहन नं प्लेट- जे एच-12 एल 9111 लगे दो ट्रक से गिट्टी लोडकर रामगढ़ एवं हंसडीहा थाना क्षेत्र होते हुए बिहार ले जाया जाता है। साथ ही इस संबंध में दुमका जिला के सभी थानों को निगरानी रखने का निर्देश भी दिया गया था। थाना प्रभारी रामगढ़ को गुप्त सूचना प्राप्त हुई है कि 31मार्च को भी वाहन नं-जे एच12 एल-9111 का नंबर प्लेट लगा एक वाहन जो खाली है वह रामगढ़ गुहियाजोरी के रास्ते शिकारीपाड़ा की ओर जा रहा है तथा दूसरा वाहन जिसमें गिट्टी लोड है, बारापलासी अमरपुर होते हुए हंसडीहा के रास्ते बिहार जा रहा है।प्राप्त सूचना के संबंध में थाना प्रभारी द्वारा वरीय पदाधिकारी को सूचित करते हुए सूचना के सत्यापन एवं विधि सम्मत कार्रवाई हेतु गश्ती में निकले पु०अ०नि० रमेश भगत को मामले की सूचना दी गई। तदोपरान्त एक टीम गश्ती दल के साथ स्वयं थाना प्रभारी मनीष कुमार ग्राम अमरपुर के पास वाहन चेकिंग प्रारंभ किया तथा पु०अ०नि० रमेश भगत जो रामगढ़ कड़बिन्धा रोड में गश्ती कर रहे थे उन्हें भी ग्राम ग्राम मयुरनाथ के पास वाहन चेकिंग करने का निर्देश दिया गया।वाहन चेकिंग के दौरान समय करीब 12.30 बजे दुमका की ओर से आ रही एक ट्रक को रुकने का इशारा किया गया परन्तु ट्रक का चालक पुलिस बल को देखकर गाड़ी को तेजी से आगे बढ़ा दिया जिसका पीछा कर रोकने पर देखा कि उक्त ट्रक का रजिस्ट्रेशन नं-जे एच 12 एल-9111 अंकित है। तत्काल इस संबंध में थाना प्रभारी को सूचित किया। उसके बाद चालक से वाहन एवं वाहन में लोड गिट्टी के संबंध में कागजात की माँग करने पर चालक द्वारा कोई कागजात प्रस्तुत नहीं किया गया और न ही लोड गिट्टी के संबंध में कोई चालान दिखाया गया। चालक का नाम पता पूछने पर अपना नाम गोलू यादव उम्र करीब 27 वर्ष पिता मन्देश्वरी यादव सा०- सिकनपुर थाना रजौल जिला बांका बताया। वाहन के इंजन एवं चेचिस नंबर के जाँच हेतु पास के किसी गाड़ी मिस्त्री को खोजबीन कर रहे थे कि - इसी दौरान थाना प्रभारी महोदय दूरभाष पर सूचित किया गया कि रजिस्ट्रेशन नं0-जे एच 12 एल-9111 का नंबर प्लेट लगा एक अन्य ट्रक को पु०अ०नि० रमेश भगत के द्वारा ग्राम मयुरनाथ में मुन्ना रजक के होटल के पास - पकड़ा गया है। उसके बाद वरीय पदाधिकारी के निर्देश पर दोनो वाहनों को एक ही स्थान ग्राम मयुरनाथ मुन्ना रजक के होटल के पास लाया गया तथा जाँच करने पर पाये कि दोनो वाहनों में एक ही रजिस्ट्रेशन नं०- जे एच 12 एल-9111 का नंबर प्लेट लगा हुआ है तथा दोनो वाहन में एक ही चेचिस नं०- एम ए टी 4197K िब्बी21549 अंकित है। उसके बाद पु०अ०नि० रमेश भगत द्वारा पकड़े गये वाहन के चालक से नाम पता पूछने पर उसने अपना नाम राजदेव मांझी उम्र करीब 21 वर्ष पिता रामवृक्ष मांझी सा०-परतोनिया थाना रजौली जिला नवादा (बिहार) बताया।

वार्षिक खेलकूद समारोहः उत्साह के साथ भावुक विदाई का संगम

दुमका:मसलिया प्रखंड स्थित संथाल आवासीय विद्यालय में वर्ष 2026 का वार्षिक खेलकूद समारोह उत्साह, उमंग और अनुशासन के साथ भव्य रूप से संपन्न हुआ। कार्यक्रम ने जहां विद्यार्थियों की खेल प्रतिभा को मंच प्रदान किया, वहीं वर्षों तक सेवा देने वाले वरिष्ठ शिक्षक डॉ. महेश कुमार की सम्मानपूर्ण विदाई ने इसे भावुक बना दिया।कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. पूनम बिंझा प्रोफेसर, एस.पी. कॉलेज, दुमका तथा विशिष्ट अतिथि डॉ. निर्मला त्रिपाठी प्रोफेसर, एस.पी. कॉलेज, दुमका उपस्थित रहीं। साथ ही आश्रम उच्च विद्यालय, दुमका के प्राचार्य अशोक कुमार यादव एवं विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष कालाचांद नंदी की गरिमामयी उपस्थिति रही।विद्यालय के प्राचार्य डॉ. कौशल कुमार ने स्वागत भाषण में खेलकूद को विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का आधार बताते हुए अनुशासन, धैर्य और टीम भावना का महत्व समझाया। इस अवसर पर कबड्डी, खो-खो, वॉलीबॉल, कुश्ती, क्रिकेट, फुटबॉल और एथलेटिक्स जैसी विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिनमें विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।विजेता एवं उपविजेता प्रतिभागियों को मेडल, ट्रॉफी और प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम में कक्षा 6 एवं 7 के वार्षिक परीक्षा परिणाम भी घोषित किए गए। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया, जिससे शैक्षणिक प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा मिला।समारोह का सबसे भावुक क्षण डॉ. महेश कुमार का सेवानिवृत्ति सम्मान समारोह रहा। शिक्षकों ने उनके सरल, अनुशासित और प्रेरणादायक व्यक्तित्व की सराहना करते हुए उनके साथ बिताए अनुभव साझा किए। उन्होंने विद्यालय के शैक्षणिक विकास में उनके महत्वपूर्ण योगदान को याद किया।सेवानिवृत्त शिक्षक विवेकानंद महतो ने भी अपने संबोधन में उनके साथ कार्यकाल को प्रेरणादायक बताया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। अंत में विद्यालय परिवार ने डॉ. महेश कुमार को शॉल, श्रीफल और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। अपने संबोधन में डॉ. महेश कुमार ने सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए विद्यालय से जुड़े अपने अनुभव साझा किए और इसे अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बताया। मुख्य अतिथियों ने विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ खेलों में भी सक्रिय रहने की प्रेरणा दी। यह आयोजन विद्यालय के इतिहास में एक प्रेरणादायक और यादगार अध्याय के रूप में दर्ज हो गया।

डुमरिया मोड़ पर तेज रफ्तार का कहरः पिकअप वैन की चपेट में वृद्ध की मौत, डेढ़ घंटे तक जाम रहा साहिबगंज-गोविंदपुर हाईवे

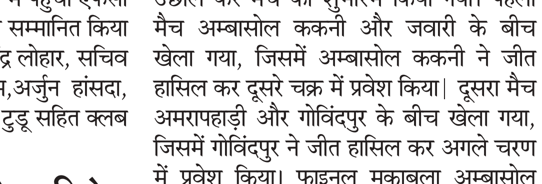

जामताड़ा जामताड़ा जिले के बिंदापाथर थाना क्षेत्र अंतर्गत साहिबगंज-गोविंदपुर स्टेट हाईवे पर डुमरिया मोड़ के समीप मंगलवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में वृद्ध की मौत हो गई। अज्ञात पिकअप वैन की टक्कर से हुई इस घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने शव को सड़क पर रखकर विरोध प्रदर्शन किया, जिससे करीब डेढ़ घंटे तक हाईवे पर यातायात पूरी तरह बाधित रहा। मृतक की पहचान दिपौया गांव निवासी 65 वर्षीय श्री निवास चौधरी के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, वे किसी निजी कार्य से डुमरिया गए थे। काम निपटाकर साइकिल से घर लौटने के दौरान डुमरिया मोड़ के पास तेज रफ्तार पिकअप वैन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद चालक वाहन समेत फरार हो गया। घटना से आक्रोशित ग्रामीणों और परिजनों ने शव को सड़क पर रखकर जाम लगा दिया। इससे हाईवे के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई और यातायात पूरी तरह ठप हो गया। सड़क जाम की सूचना मिलते ही विधानसभा अध्यक्ष सह स्थानीय विधायक रविन्द्रनाथ महतो, नाला एसडीपीओ मनोज कुमार महतो, फतेहपुर बीडीओ प्रेम कुमार, पुलिस निरीक्षक बिहारी मरांडी तथा बिंदापाथर थाना प्रभारी विकास कुमार यादव मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने परिजनों और ग्रामीणों को समझा-बुझाकर स्थिति को शांत कराया। प्रशासन की ओर से पीड़ित परिवार को तत्काल राहत स्वरूप नगद सहायता दी गई। साथ ही यह आश्वासन दिया गया कि सड़क दुर्घटना से संबंधित सभी सरकारी मुआवजा और लाभ जल्द उपलब्ध कराए जाएंगे। अज्ञात वाहन की पहचान कर आरोपी चालक के खिलाफ सख्त कार्रवाई का भी भरोसा दिलाया गया। करीब डेढ़ घंटे बाद प्रशासन के आश्वासन पर ग्रामीणों ने जाम हटाया, जिसके बाद यातायात बहाल किया जा सका। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। इस दर्दनाक हादसे के बाद दिपौया गांव में शोक का माहौल है, वहीं स्थानीय लोगों ने इलाके में तेज रफ्तार वाहनों पर नियंत्रण के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की है। स्वर्गीय चौधरी ने अपने पीछे पत्नी दो पुत्र पप्पू चौधरी , बच्चन चौधरी सहित पोता पोती नाता नाती से भरा पूरा परिवार छोड़ गए

कोयला भवन मुख्यालय में सेवानिवृत्ति सम्मान समारोह का आयोजन

धनबाद । कोयला भवन मुख्यालय, बीसीसीएल में आज सेवानिवृत्ति सम्मान समारोह का आयोजन हुआ, जिसमें महाप्रबंधक (एचआरडी) तथा मुख्यालय से सेवानिवृत्त 07 कर्मचारियों सहित कुल 08 कार्मिकों का सेवानिवृत्ति सम्मान तथा अभिनंदन किया गया।
कार्यक्रम की अध्यक्षता सीएमडी बीसीसीएल, श्री मनोज कुमार अग्रवाल ने की। अवसर पर निदेशक (तकनीकी-संचालन) श्री संजय कुमार सिंह, निदेशक (वित्त) श्री राजेश कुमार, महाप्रबंधक (प्रशासन) श्री अर्पण घोष, विभागाध्यक्ष (अधिकारी स्थापना) श्रीमती शोभा.जे.कुजूर, विभागाध्यक्ष (कर्मचारी स्थापना) श्रीमती मधुस्मिता लकड़ा सहित विभिन्न श्रमिक संगठनों के सदस्य, मुख्यालय के अन्य महाप्रबंधकगण, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, अधिकारी-कर्मी के साथ बड़ी संख्या में सेवानिवृत्त होने वाले कार्मिकों के परिजन भी उपस्थित रहें। सेवानिवृत्त कर्मियों हेतु सम्मान-पत्र वाचन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। जिसके उपरांत सेवानिवृत्त कार्मिकों को अंग-वस्त्र, श्रीफल, स्मृति चिन्ह, प्रशस्ति-पत्र एवं अन्य उपहार देकर सम्मानित किया गया।अपने अध्यक्षीय संबोधन में सीएमडी बीसीसीएल, श्री मनोज कुमार अग्रवाल ने कहा कि सेवानिवृत्ति किसी भी कर्मी के उसके अनुशासन, समर्पण और योगदान भरे कार्यकाल की सार्थक पूर्णता को दर्शाता है। उन्होंने सेवानिवृत्ति को आत्मचिंतन, व्यक्तिगत विकास और समाज के प्रति योगदान का अवसर बताया। उन्होंने सभी सेवानिवृत्त कार्मिकों को अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखने, सक्रिय बने रहने और अपने अनुभवों को समाज तथा संगठन के हित में साझा करने की सलाह दी तथा सभी कार्मिकों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।उल्लेखनीय है कि बीसीसीएल से मार्च माह में 01 अधिकारी एवं मुख्यालय तथा सभी क्षेत्रों से सेवानिवृत्त 128 कर्मचारियों सहित कुल 129 कार्मिक कंपनी से सेवानिवृत्त हुए। सेवानिवृत्त होने वाले एक अधिकारी और मुख्यालय से सेवानिवृत्त होने वाले 07 कर्मचारियों के लिए कोयला भवन मुख्यालय में आज उपरोक्त समारोह का आयोजन हुआ। इसके अलावा विभिन्न क्षेत्रों से सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों के लिए उनके संबंधित क्षेत्रों में भी सम्मान समारोह के कार्यक्रम आयोजित किए गए।सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारी एवं कर्मचारियों में शामिल रहें – श्री अनूप कुमार रॉय, महाप्रबंधक (खनन), श्री रबिन्द्र नाथ मुखर्जी, कॉस्ट अकाउंटेंट/अकाउंटेंट, श्री धनी राम, सफाई कर्मचारी, श्रीमती सबिया देवी, सामान्य सहायक, श्री कपिल देव राम, कार्यालय अधीक्षक (ओ.एल), श्री चंचल चक्रवर्ती, वरीय डाटा इंट्री ऑपरेटर (ग्रेड-1), श्री हरबंस सिंह, कार्यालय अधीक्षक तथा श्री अरबिंद कुमार सिंह, सुरक्षा प्रहरी।कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रबंधक (मानव संसाधन/जनसंपर्क) श्री प्रणव ओझा ने किया।

श्री हनुमान जन्मोत्सव पर 2 अप्रैल को पारंपरिक श्री राम शोभायात्रा और विराट हिंदू सम्मेलन

धनबाद , अंतरराष्ट्रीय गांधी शांति पुरस्कार 2017 से पुरस्कृत एकल अभियान शिक्षा का मशाल जलाने के साथ साथ सामाजिक समरसता, स्वाभिमान एवं स्वावलम्बन जागृत कर सुदूर ग्रामीण वनवासी भारत के समग्र समावेशित विकास का संकल्प बिगत 36 वर्षों से निर्वहन करते आ रहा है।वर्षों से एकल अभियान' के युवा समिति के द्वारा युवाओं के प्रेरणा और मर्यादापुरुषोत्तम भगवान श्री रामचंद्र के परम भक्त हनुमान जी के जन्मोत्सव पर भुईफोड़ मंदिर, धनबाद से हनुमान मंदिर, रणधीर वर्मा चौक तक भव्य शोभा यात्रा, गाजे बाजे व आकर्षक झांकियों के साथ निकलता आया है।
इसी निमित एकल अभियान के उदय प्रताप सिंह, कौशल पांडे, आयुष तिवारी समेत अन्य सदस्यों ने मंगलवार को हीरापुर स्थित गांधी सेवा सदन में प्रेस वार्ता आयोजित कर बताया कि इस वर्ष भी 2 अप्रैल, गुरुवार को हनुमान जन्मोत्सव के शुभअवसर पर दोपहर 3 बजे से श्री राम शोभायात्रा धार्मिक झंडे, हनुमान जी, श्रीराम जी, छत्रपति शिवा जी, बिरसा मुंडा, बाहुबली हनुमान जी जैसे आकर्षक झाँकीयों के साथ अनेक शिव तांडव कर्तव्य, बाहर से ताशा टोली, जगह जगह इवेंट, इत्यादि कार्यक्रम प्रस्तावित है । श्री राम शोभा यात्रा भुइफोड़ मंदिर से रणधीर वर्मा चौक तक निकाला जाएगा। जिसके उपरांत रणधीर वर्मा चौक पर स्थित बजरंगबली मंदिर में महाआरती किया जाएगा । कार्यक्रम के अंत में भारत माता की आरती के उपरांत प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम संपन्न होगा ।श्री राम शोभा यात्रा 2026 धनबाद संपूर्ण सनातन हिंदू धर्म का कार्यक्रम है । जैसे श्री राम सेतु में जितना वानर सेना का योगदान था, उतना ही गिलहरी का योगदान था। इसी भावना के साथ इस आयोजन का उद्देश सबको एक सूत्र में जोड़ना है और यही धर्म व राम कार्य है । श्री राम शोभा यात्रा 2026 धनबाद के समिति सदस्यों ने सभी माता, बहनों व भाइयों से इस शोभा यात्रा में भाग लेने का आग्रह किया और विशेष तौर पर जैसे जगन्नाथ जी का रथ भक्त ही टान के गंतव्य तक पहुचाते है वैसे ही इस शोभा यात्रा में भी रथ पर श्री राम जी पूजन हो कर विराजमान रहेंगे। जिनको श्री राम जी के भक्तों को ही भूईफ़ोड़ मंदिर से हनुमान मंदिर, रणधीर वर्मा चौक तक पहुचना है । जहाँ श्री राम जी की आरती भी होगी। प्रेस वार्ता में एकल अभियान पूर्वी प्रभाग बी के अध्यक्ष, रवींद्र ओझा, एकल अभियान के सदस्य कौशल पांडेय, श्री राम सेना के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, उदय प्रताप सिंह, श्री राम शोभा यात्रा, धनबाद समिति से हर्ष राज, नीरज निखिल, अंकित कुमार, अलख नारायण पांडेय, रोहित कुमार, तृषाय, आयुष व अन्य उपस्थित थे।

स्व. किशुन पहलवान की 15वीं पुण्यतिथि पर मेयर संजीव सिंह ने अर्पित की श्रद्धांजलि

नेत्र जांच शिविर में भी हुए शामिल

धनबाद । झरिया के भक्त लक्ष्मीनियां मोड़ स्थित श्री महाराणा प्रताप दल मंदिर में महाराणा प्रताप दल के संस्थापक स्वर्गीय किशुन पहलवान की 15वीं पुण्यतिथि श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर धनबाद के मेयर संजीव सिंह कार्यक्रम में शामिल हुए और स्व. किशुन पहलवान की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम के दौरान मेयर संजीव सिंह ने स्व. किशुन पहलवान के व्यक्तित्व और कृतित्व को याद करते हुए कहा कि उनका समाजसेवा के प्रति समर्पित जीवन आज भी लोगों के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि ऐसे समाजसेवी व्यक्तित्वों की स्मृति को जीवित रखना समाज के लिए आवश्यक है, जिससे नई पीढ़ी को सेवा और समर्पण की प्रेरणा मिलती रहे। इस अवसर पर मंदिर परिसर में आयोजित नेत्र जांच शिविर में भी मेयर संजीव सिंह ने भाग लिया और अपने नेत्रों की जांच करवाई। उन्होंने इस तरह के स्वास्थ्य शिविरों को समाज के लिए उपयोगी बताते हुए आयोजकों की सराहना की।कार्यक्रम में महाराणा प्रताप दल के सदस्य, स्थानीय गणमान्य लोग एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे ।

राम नवमी की घटना पर बलियापुर थाना में शांति एवं सद्भावना समिति की अहम बैठक आयोजित

एसएसपी , प्रभात कुमार बोले , न निर्दोष फंसेगा, न दोषी बचेगा

जनप्रतिनिधियों और नागरिकों ने की दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग

अफवाहों से दूर रहने और भाईचारा बनाए रखने की अपील

धनबाद । राम नवमी के दिन बलियापुर थाना क्षेत्र के भीखराजपुर में हुई घटना को लेकर मंगलवार को बलियापुर थाना परिसर में शांति एवं सदभावना समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता एसएसपी , प्रभात कुमार ने की। इस दौरान पुलिस प्रशासन के वरीय पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, समाज के प्रबुद्ध वर्ग के लोग तथा बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित थे । बैठक में मौजूद सभी लोगों ने एक स्वर में घटना की कड़ी निंदा की और दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की मांग उठाई। वहीं कुछ लोगों ने यह भी आग्रह किया कि जांच के दौरान निर्दोष लोगों को परेशान न किया जाए और उनके प्रति संवेदनशील रवैया अपनाया जाए।

सभी पक्षों की बातों को गंभीरता से सुनने के बाद एसएसपी , प्रभात कुमार ने स्पष्ट शब्दों में भरोसा दिलाया कि पुलिस किसी भी प्रकार की दुर्भावना से कार्रवाई नहीं कर रही है। उन्होंने कहा कि "न तो किसी निर्दोष को फंसाया जाएगा और न ही किसी दोषी को बख्शा जाएगा।" उन्होंने यह भी बताया कि पुलिस बिना किसी दबाव के निष्पक्ष और पारदर्शी जांच में जुटी हुई है। एसएसपी ने कहा कि इस प्रकार की घटनाएं किसी भी सभ्य समाज के लिए कलंक हैं और समाज के सभी वर्गों को आत्ममंथन करने की आवश्यकता है। ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। उन्होंने बताया कि मामले से जुड़े कई महत्वपूर्ण साक्ष्य पुलिस के हाथ लगे हैं, जिनके आधार पर कानूनी कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने स्थानीय नागरिकों से अपील की कि वे घटना में शामिल शरारती तत्वों की पहचान करने में पुलिस की मदद करें और सही जानकारी उपलब्ध कराएं। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि बेवजह डरने या भागने की जरूरत नहीं है, निर्दोष लोगों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होगी। फरार आरोपियों को लेकर एसएसपी ने साफ कहा कि वे जल्द से जल्द आत्मसमर्पण करें। उन्होंने भरोसा दिलाया कि कानून के दायरे में आने वालों के साथ नियमानुसार सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार किया जाएगा। अपने संबोधन के अंत में उन्होंने समाज में आपसी एकता और भाईचारे को बनाए रखने पर जोर देते हुए कहा कि नफरत फैलाने वाले तत्व अंततः स्वयं ही उसका शिकार बनते हैं। उन्होंने लोगों से अफवाहों से दूर रहने, शांति बनाए रखने और कानून व्यवस्था में सहयोग करने की अपील की। बैठक में सिटी एसपी ऋतविक श्रीवास्तव, एडीएम विधि व्यवस्था हेमा प्रसाद, एसडीएम लोकेश बारंगे, सिंदरी एसडीपीओ आशुतोष सत्यम, डीएसपी विधि व्यवस्था नौशाद आलम, डीएसपी मुख्यालय शंकर कामती, निरसा विधायक अरुप चटर्जी, सिंदरी विधायक चंद्रदेव महतो, श्रीमती तारा देवी, थाना प्रभारी सत्याजीत कुमार, अंचल निरीक्षक नूतन मोदी, सीओ मुरारी नायक, बीडीओ पीसी दास सहित कई पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में मौजूद रहे। बैठक का मुख्य उद्देश्य शांति, सौहार्द और सामाजिक एकता को मजबूत करना रहा, जिसमें सभी वर्गों ने मिलकर सहयोग का आश्वासन दिया।

जेसीबी और पंप लगाकर क्षतिग्रस्त पाइपलाइन की रात में मरम्मत शुरू

धनबाद । उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी , आदित्य रंजन के निर्देश पर मुगमा मोड़ के निकट धनबाद के शहरी क्षेत्र में जलापूर्ति के लिए लगाए गए 1000 एमएम व्यास के क्षतिग्रस्त पाइपलाइन की मरम्मती रात में शुरू कर दी गई है। इस संबंध में पीएचईडी 1 के कार्यपालक अभियंता, रंजीत कुमार ठाकुर ने बताया कि मुगमा मोड़ के निकट धनबाद के शहरी क्षेत्र में जलापूर्ति के लिए लगाए गए 1000 एमएम व्यास के पाइपलाइन को किसी ने क्षतिग्रस्त कर दिया था।उपायुक्त को इसकी सूचना मिलते ही उनके निर्देशानुसार युद्ध स्तर पर क्षतिग्रस्त पाइपलाइन की मरम्मती हो रही है। कम से कम समय में मरम्मत पूरी करने के लिए मानवबल के साथ साथ जेसीबी मशीन एवं पंप का सहयोग लिया है। इसके कारण 31.03.2026 से 01.04.2026 तक धनबाद शहरी जलापूर्ति योजना बाधित रहेगी। उन्होंने बताया कि इस आशय की सूचना समाचार पत्रों में प्रकाशित कराई गई है।

सातवां इंटरनेशनल ढोहली आर्ट फेस्टिवल्स जुबली सेलिब्रेशन का किया गया आयोजन

चिरकुंडा, धनबाद , 2026 में अंतरराष्ट्रीय पद्मम भूषण से सम्मानित आदित्य गणनायक ने हील भीव्यू पब्लिक स्कूल चिरकुंडा कला के शिक्षक तरुण भंडारी को सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया।
ज्ञात हो कि 7 वां इंटरनेशनल ढोहली आर्ट्स फेस्टिवल सिल्वर जुबली सेलिब्रेशन उड़ीसा में प्रिंटिंग कैटलॉग कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। जिसमें अंतर्राष्ट्रीय पद्मा भूषण से सम्मानित आदित्य गननायक ने चिरकुंडा के रहने वाले हिल व्यू पब्लिक स्कूल के कला के शिक्षक तरुण भंडारी को सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर दर्जनों की संख्या में उपस्थित कलाकारों ने तरुण भंडारी को बधाई दी । इस संबंध में जानकारी देते हुए कला के शिक्षक तरुण भंडारी ने कहा कि आज कल के बच्चे मोबाइल छोड़कर संस्कृति से दूर होते जा रहे हैं । उन्होंने आगे कहा कि झारखंड चित्रकला भारत के संस्कृत की एक पहचान है। बच्चों को मोबाइल छोड़कर संस्कृति से जोड़ना चाहिए। आज के चित्रकारों का यही उद्देश्य और थीम है, जिसमें प्रकृति से जुड़ा चित्र बनाना है। कार्यक्रम में धौनी कॉलेज के प्रिंसिपल पंचक समल, राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित सरोज कुमार मिश्रा, कुसुम सिंह व विजय लक्ष्मी सिंह मौजूद थे।

अखंड हरी कीर्तन में शामिल हुईं विधायक रागिनी सिंह, क्षेत्रवासियों की सुख-शांति की कामना की

झरिया । झरिया के जोरापोखर स्थित श्री श्री हनुमान मंदिर में आयोजित अखंड हरी कीर्तन कार्यक्रम में झरिया की लोकप्रिय विधायक रागिनी सिंह शामिल हुईं। इस दौरान उन्होंने प्रभु के चरणों में शीश नवाकर क्षेत्रवासियों के सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की।
अखंड हरी कीर्तन के दौरान मंदिर परिसर भक्तिमय माहौल से गूंज उठा। भजन-कीर्तन और भगवान के नाम संकीर्तन से पूरा वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर हो गया। विधायक रागिनी सिंह ने श्रद्धालुओं के साथ कुछ समय व्यतीत किया और आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में आपसी भाईचारे, श्रद्धा और सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ावा देता हैं।उन्होंने आयोजन समिति के सदस्यों एवं सभी श्रद्धालुओं को इस सफल आयोजन के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ दीं और कहा कि भक्ति और सेवा की भावना ही समाज को जोड़कर आगे बढ़ाने का कार्य करती है।इस अवसर पर मंदिर समिति के पदाधिकारी, स्थानीय गणमान्य लोग एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे । सभी ने मिलकर भगवान हनुमान जी का स्मरण करते हुए क्षेत्र की खुशहाली और समृद्धि की प्रार्थना की।

मिश्रीडीह मोड़ पर देर रात फिल्मी स्टाइल में अपराधियों ने लुट की वारदात का दिया अंजाम

धनबाद , सोमवार को देर रात मिश्रीडीह मोड पर अपराधियों ने डकैती का अंजाम दिया । प्राप्त जानकारी के अनुसार, करीब दस की संख्या में आए अपराधियों ने सीढ़ियों के रास्ते घर में प्रवेश कर परिवार को बंधक बनाकर लूट की वारदात को अंजाम दिया।अपराधियों ने घर में मौजूद बच्चों को अपने कब्जे में लेकर पूरे परिवार को डराया धमकाया । साथ ही 3.5 लाख रुपये नकद व लगभग 20 लाख रुपये मूल्य के सोने-चांदी के आभूषण लूटकर फरार हो गया । उक्त घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि गृहस्वामी कैलाश प्रसाद मिश्रा ने रात में भोजन के बाद छत पर सोने चले गए थे।
उन्हें आशंका है कि अपराधियों ने कोई नशीला पदार्थ सुंघा दिया, जिसके कारण उनकी नींद नहीं खुली। पुलिस सुबह लगभग साढ़े चार बजे घटनास्थल पर पहुंच कर मामले की छानबीन शुरू कर दी है।

50 वुड फर्नीचर हस्तशिल्पियों को मिले उन्नत औजार

सरकारी योजनाओं से आत्मनिर्भर बनने का आह्वान

दुमका। विकास आयुक्त (हस्तशिल्प), वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार के नेशनल हैंडीक्राफ्ट डेवलपमेंट प्रोग्राम के तहत जिला उद्योग केंद्र, दुमका में 50 वुड फर्नीचर क्राफ्ट से जुड़े हस्तशिल्पियों के बीच उन्नत औजारों का वितरण किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाप्रबंधक श्री दास एक्का ने की। इस अवसर पर हस्तशिल्प विकास केंद्र, देवघर के सहायक निदेशक शत्रुधन कुमार, चेंबर ऑफ कॉमर्स के सचिव मनोज घोष एवं सीटीओ विकास कुमार सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सहायक निदेशक शत्रुधन कुमार ने बताया कि हस्तशिल्पियों के विकास के लिए विभाग द्वारा उन्नत औजार, प्रशिक्षण, विपणन सहायता एवं मुद्रा लोन जैसी विभिन्न योजनाएं चलाई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं का उद्देश्य हस्तशिल्पियों को आत्मनिर्भर बनाना और उनके जीवन स्तर में सुधार लाना है।महाप्रबंधक श्री दास एक्का ने हस्तशिल्पियों को उद्यम आधार पंजीकरण एवं पीएमईजीपी योजना के माध्यम से स्वरोजगार स्थापित करने की सलाह दी। वहीं चेंबर ऑफ कॉमर्स के सचिव मनोज घोष ने हस्तशिल्पियों को अपने हुनर के माध्यम से रोजगार सृजन के लिए प्रेरित किया।सीटीओ विकास कुमार ने जानकारी दी कि हस्तशिल्पी विभिन्न राष्ट्रीय पुरस्कारों और प्रतियोगिताओं में भाग लेकर पहचान बना सकते हैं।कार्यक्रम का संचालन अमित सिंह ने किया। उन्होंने श्रेया संस्था द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी देते हुए हस्तशिल्पियों को हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया।इस कार्यक्रम में श्रेया संस्था की सचिव सुसारी सोरेन, नीलम सूत्रधार, अशोक कुमार एवं पायल शर्मा ने सक्रिय भूमिका निभाई। अंत में सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापन किया गया।

हजारीबाग में नाबालिग बालिका के साथ दुष्कर्म के बाद निर्मम हत्या मामले को ले पूरे राज्य में आक्रोश : भाजपा

घटना के विरोध तथा दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग को ले आगामी 2 अप्रैल को दुमका में निकाला जाएगा मशाल जुलूस

दुमकाः झारखंड के हजारीबाग में नाबालिक बालिका के साथ दुष्कर्म के बाद हुई निर्मम हत्या की घटना अत्यंत दुखद, निंदनीय एवं आक्रोश जनक है। इस हृदयविदारक घटना ने पूरे प्रदेश को झकझोर कर रख दिया है। मंगलवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर भाजपा दुमका ने जिला इस जघन्य अपराध की कड़ी भर्त्सना करते हुए पीड़िता के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है।
इस अमानवीय घटना के विरोध तथा दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग को लेकर भाजपा प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार दिनांक 2 अप्रैल 2026 को दुमका जिला के सभी प्रखंड मुख्यालय में मशाल जुलूस निकाला जाएगा तथा वीर कुंवर सिंह चौक से टीन बाजार चौक तक मशाल जुलूस निकाला जाएगा। इस जुलूस में पार्टी के सभी पदाधिकारी,कार्यकर्ता एवं आमजन शामिल होकर अपना विरोध दर्ज कराएंगे। भाजपा जिला मीडिया सह प्रभारी नवल किस्कू ने जानकारी दी कि इस जघन्य अपराध में सम्मिलित अपराधियों की गिरफ्तारी अगर जल्द नहीं होती है तो 3 अप्रैल 2026 को भारतीय जनता पार्टी द्वारा दुमका बंद का आह्वान किया गया है। पार्टी सभी नागरिकों, सामाजिक संगठनों एवं व्यवसायियों से अपील करती है कि वे इस बंद को सफल बनाने में सहयोग दें ताकि पीड़िता को न्याय दिलाने की दिशा में एक सशक्त संदेश दिया जा सके।

त्रिकोणीय प्रेम प्रसंग में खूंटी संघर्ष, लाठी के वार से युवक की हत्या

गुमला(ईएमएस)।गुमला जिले के चैनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत छिछवानी गांव में मंगलवार को एक सनसनीखेज हत्या की वारदात ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया। त्रिकोणीय प्रेम प्रसंग के चलते 47 वर्षीय राजेंद्र कुमार मिंज की गांव के ही कामिल टोप्पो ने लाठी-डंडे से पीट-पीटकर बेरहमी से हत्या कर दी। घटना के बाद गांव में दहशत और तनाव का माहौल बना हुआ है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतक राजेंद्र कुमार मिंज और आरोपी कामिल टोप्पो के बीच एक विवाहित महिला को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। यह विवाद धीरे-धीरे गहराता गया और आखिरकार हिंसक रूप ले लिया। मंगलवार को दोनों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हुई, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गई। इसी दौरान आरोपी ने राजेंद्र के सिर पर लाठी से जोरदार वार कर दिया। गंभीर चोट लगने से राजेंद्र की मौके पर ही मौत हो गई।घटना की सूचना मिलते ही चैनपुर थाना पुलिस तुरंत सक्रिय हुई और मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए गुमला सदर अस्पताल भेज दिया। मंगलवार की सुबह करीब 11 बजे पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया, जिसके बाद गांव में मातम पसर गया।
मृतक के चाचा फबियानुस मिंज ने बताया कि पतरा टोली गांव की एक विवाहित महिला से मृतक और आरोपी दोनों का प्रेम संबंध था। महिला पहले से शादीशुदा है और उसके दो बच्चे हैं, जबकि मृतक भी विवाहित था और उसके तीन बच्चे हैं। इसी रिश्ते को लेकर दोनों के बीच लंबे समय से तनाव बना हुआ था, जो अंततः हत्या की वजह बन गया। पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी कामिल टोप्पो को गिरफ्तार कर लिया है। थाना प्रभारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में प्रेम प्रसंग को ही हत्या का मुख्य कारण माना जा रहा है, हालांकि पुलिस सभी पहलुओं की गंभीरता से जांच कर रही है।इस घटना ने न केवल एक परिवार को उजाड़ दिया, बल्कि गांव में रिश्तों की जटिलता और सामाजिक ताने-बाने पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। ग्रामीणों में घटना को लेकर भय और आक्रोश का माहौल है। लोग प्रशासन से कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक किशोर कुमार पाण्डेय द्वारा डी. बी. कॉर्प लिमिटेड, के. जी. आश्रम के नजदीक, भुईफोड़ मंदिर, गोसाईडीह, गोविन्दपुर रोड, धनबाद से मुद्रित एवं विनोद नगर, धनबाद (झारखण्ड)- 826001 से प्रकाशित आर. एन. आई. नं. - 58948/94, पो. रजि. -डी. एन. बी. /54 फोन नं. 0326-2310243, 9431507990 Fax N0. -0326-2310243 Email : koylanchal_dhn@rediffmail.com & koylanchal.hindi@gmail.com ◗ समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार।